- जीएसटी युक्तिसंगत बनाने से खपत में तेजी
- 12

- कमजोर प्रवासन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा : ट्रंप
- 13

- भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध
- 13

- दीप्ति शर्मा तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटी
- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष अष्टमी 12:15 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 98, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

विश्व विजेता बेटियों का सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हाल ही में पहला टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की सदस्यों से मिले। इस दौरान मोदी ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके लिए एक गेंद पर हस्ताक्षर भी किए।

अंतरिक्ष क्षेत्र में उम्मीदें जगा रहे हैं 300 से ज्यादा स्टार्टअप

मोदी ने स्काईरूट के रॉकेट का अनावरण किया, नई प्रौद्योगिकी तैयार करने के लिए जेन जी को सराहा

हैदराबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट के पहले ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण किया और नई प्रौद्योगिकियां तैयार करने के लिए जेन जी पेशेवरों की तारीफ की। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हैदराबाद में 'स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस' का उद्घाटन किया। कंपनी का 'आर्बिटल रॉकेट विक्रम-1' उपग्रहों को कक्षा में स्थापित कर सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जेन जी इंजीनियर, डिजाइनर, कोडर और वैज्ञानिक नई प्रौद्योगिकियां तैयार कर रहे हैं। मोदी ने अपने संबोधन में सरकार के ऐतिहासिक अंतरिक्ष सुधारों को रेखांकित करते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के परिणामस्वरूप स्काईरूट और अन्य इकाइयां इस तरह के नवाचारों के साथ सामने आई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप इस क्षेत्र को नई उम्मीदें दे रहे हैं। उन्होंने कहा, इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और विशाल युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। युवाओं का नवाचार, जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमिता नई ऊंचाइयों को छू रही है।

मोदी ने कहा, भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अलग पहचान बना रही है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण बन रहा है। दुनिया में छोटे उपग्रहों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे ढोने से लेकर दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्रक्षेपण यान विकसित करने तक भारत ने साबित किया है कि सपनों की ऊंचाई संसाधनों से नहीं बल्कि दृढ़ संकल्प से तय होती है।

अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी है स्काईरूट

स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस एक अत्याधुनिक केंद्र है, जिसमें लगभग 2,00,000 वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र है और बहु-प्रक्षेपण यान के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण के लिए हर महीने एक आर्बिटल रॉकेट बनाने में सक्षम है। स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनी है, जिसकी स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने की है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के पूर्व-छात्र, इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और अब उद्यमी हैं। नवंबर 2022 में, स्काईरूट ने अपना सब-ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-एस का प्रक्षेपण किया, जिससे वह अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी बन गई।

ब्रीफ न्यूज

वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर पुलिस का छापा

श्रीनगर। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े सदस्यों और संगठनों के खिलाफ गुरुवार को की गई कार्रवाई के तहत हंदवारा पुलिस ने वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर छापा मारा। पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। ऑपरेशन का मकसद संस्थान के कार्यों की जांच करना और प्रतिबंधित जमात से इसके संभावित जुड़ाव की पुष्टि करना है। पुलिस ने कहा, आतंकवाद के तंत्र को तोड़ने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

दिल्ली विस्फोट: मुख्य आरोपी बिलाल वानी 7 दिन की रिमांड पर

श्रीनगर। एनआईए ने गुरुवार को दिल्ली कार बम विस्फोट के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी को सात दिन की रिमांड पर ले लिया। दिल्ली की एक स्पेशल कोर्ट ने वानी को सात दिन की हिरासत में भेजने का फैसला किया। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड के रहने वाले वानी को एनआईए ने 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एजेंसी का दावा है कि वानी ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए ड्रोन में टेक्निकल बदलाव किए और रॉकेट बनाने की भी कोशिश की ताकि उनका इस्तेमाल हमलों में किया जा सके।

दिव्यांगों का अपमान रोकने को एससी-एसटी जैसा सख्त कानून बनाने पर विचार करे केंद्र

शीर्ष कोर्ट ने दिया निर्देश, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने दिया जल्द ही नियम बनाने का आश्वासन

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने दिव्यांगजनों की गरिमा की रक्षा के लिए एक सख्त कानून की आवश्यकता पर जोर दिया और बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह दिव्यांगजनों के खिलाफ उनका मजाक उड़ाने वाले और अपमानजनक बयान देने वालों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट जैसा दंडनीय कानून बनाने पर विचार करे।

एससी/एसटी एक्ट, 1989 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के लोगों के खिलाफ किए जाने वाले जातिसूचक अपशब्दों, भेदभाव, अपमान और हिंसा को अपराध मानता है तथा इस कानून के तहत ऐसे मामले गैरजमानती होते हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, एससी-एसटी अधिनियम में जातिसूचक टिप्पणियों को अपराध माना गया है और सजा का प्रावधान है, उसी तरह का कठोर कानून आप दिव्यांग लोगों के लिए क्यों नहीं ला सकते। मेहता ने भी कोर्ट की इस टिप्पणी की सराहना की।

पीठ को सूचना प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों और उनका मजाक उड़ाने जैसे मामलों से निपटने के लिए कुछ दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। पीठ ने मंत्रालय से कहा कि वह इन्हें चर्चा के लिए सार्वजनिक करे। अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट दुर्लभ 'स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी' रोग से पीड़ितों के लिए काम करने वाले 'मेसर्स एसएमए क्योर फाउंडेशन' की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के होस्ट समय रैना और उसके सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर साथियों की ओर से किए गए मजाकिया बयानों को उठाया गया है।

दंड : दिव्यांगों की सफलता पर करने होंगे प्रोग्राम

पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को भविष्य में आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश देते हुए दिव्यांगजनों की सफलता की कहानियों के बारे में हर महीने दो कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि दिव्यांगों, विशेषकर एसएमए से पीड़ित लोगों के उपचार के लिए धन जुटाया जा सके। पीठ ने कहा कि यह सामाजिक दंड का हिस्सा है और उन्हें अन्य दंडात्मक उपायों से छूट दी गई है। उन्हें दिव्यांगों के बारे में उनके असंवेदनशील चुटकुलों के लिए क्षतिपूर्ति के रूप में ऐसा करने के लिए कहा गया है। सीजेआई ने कहा कि इन्फ्लुएंसर्स एसएमए जैसी दुर्लभ बीमारियों के पीड़ितों को समय पर उपचार प्रदान करने के मकसद से धन जुटाने के लिए अपने मंचों पर सक्षम व्यक्तियों को आमंत्रित कर सकते हैं।

एसआईआर पर कोर्ट ने पूछा सवाल...

क्या आधार रखने वाले घुसपैठियों को भी वोट देने का अधिकार मिलना चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई के दौरान गुरुवार को पूछा, क्या ऐसे लोग जो गैरकानूनी तरीके से भारत में आए हैं और जिनके पास कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को लेने के लिए आधार कार्ड हैं, उन्हें भी वोट देने का हक होना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही।

यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल और केरल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस तर्क के बाद आई कि आधार कार्ड होने के बावजूद मतदाताओं को बाहर रखा जा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने साफ किया कि आधार का मकसद इसे बनाने वाले कानून के तहत योजनाओं का लाभ पाने तक सीमित है। उन्होंने पूछा, मान लीजिए कि पड़ोसी देशों से लोग यहां आते हैं और यहां रिक्शा चलाने या मजदूरी करने लगते हैं। अगर आप आधार कार्ड इसलिए जारी करते हैं ताकि उन्हें सब्सिडी वाला राशन मिल सके, तो यह हमारे संवैधानिक मूल्यों के हिसाब से है। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि क्योंकि उन्हें यह फायदा दिया गया है तो अब उन्हें वोटर भी बना देना चाहिए।

बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर जताई गई चिंताओं पर सीजेआई ने कहा कि बड़े पैमाने पर मीडिया कवरेज ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरे राज्य में मशहूर कर दिया है। अगर दूरदराज के इलाकों के लोगों को जानकारी थी कि नई लिस्ट आ रही है तो क्या कोई कह सकता है कि उन्हें पता नहीं था। अधिवक्ता सिब्बल की इस बात पर कि एसआईआर प्रक्रिया का बोझ मतदाताओं पर नहीं पड़ना चाहिए और सॉफ्टवेयर फर्जी मतदाताओं का असरदार तरीके से पता लगा सकता है, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि तकनीकी उपकरण मृत मतदाताओं की पहचान नहीं कर सकते।

प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की पहचान के लिए चलेगा अभियान

- सरकार ने जारी किया आदेश, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं में चलेगा सर्च ऑपरेशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सरकार की तरफ से जारी निर्देश में खासतौर पर बरेली, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर जिलों का जिक्र किया गया है और इन जिलों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की पहचान को लेकर सर्च अभियान चलाने को कहा गया है। इस अभियान में मदद के लिए दूसरे राज्यों से भाषा विशेषज्ञ भी बुलाए जाएंगे।

बीते दिनों मुख्यमंत्री ने घुसपैठियों की तलाश करके उन्हें वापस भेजने और पहचान का सत्यापन होने तक उन्हें जिला स्तर पर अस्थाई हिरासत केंद्र में रखने का निर्देश दिया था। जिलाधिकारियों को अस्थाई हिरासत केंद्र बनाने के भी निर्देश दिए थे। ताजा निर्देश इसी क्रम में जारी किए गए है। संवेदनशीलता की नजर से बरेली के कमिश्नर और मंडल के सभी डीएम को खासतौर पर इस बारे में निर्देश जारी किए गए हैं। बरेली के कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी ने अपने अधीन सभी डीएम को अस्थाई हिरासत केंद्र बनाने का निर्देश भी दे दिया है।

आधार को जन्मतिथि प्रमाणपत्र न माना जाए

लखनऊ। नियोजन विभाग ने सभी विभागों के प्रमुख सचिवों और अपर मुख्य सचिवों को आदेश दिया है कि आधार कार्ड को जन्म तिथि प्रमाण के रूप में न स्वीकार किया जाए। ये आदेश भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के पत्र के आधार पर दिया गया है। इसमें कहा गया था कि आधार में दर्ज जन्मतिथि अनुमानित होती है।, इसे प्रमाणिक नहीं माना जा सकता। नियोजन विभाग के विशेष सचिव अमित सिंह की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि गाइडलाइन के बावजूद कई विभाग आधार को जन्मतिथि प्रमाण स्वीकार कर रहे हैं। शासन का निर्देश है कि किसी भी सरकारी प्रक्रिया में नियुक्ति, प्रमोशन, सेवा रजिस्टर संशोधन या अन्य संवेदनशील दस्तावेजों में आधार को जन्मतिथि का प्रमाण न माना जाए।

मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में 10 राज्यों में ईडी के छापे

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों पर हैं रिश्वतखोरी के आरोप

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को देश के कुछ मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी और नियामक ढांचे में हेरफेर के मामले में धनशोधन जांच के तहत दस राज्यों में एक साथ छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक जिन स्थानों पर छापे मारे गए हैं, उनमें मेडिकल कॉलेजों के सात परिसर और कुछ निजी लोगों के ठिकानें शामिल हैं। मामला राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय समेत कई सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों से संबंधित है।

ईडी की टीमों ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में लगभग 15 स्थानों पर एक साथ छापे मारे और तलाशी लेना शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। इसी मामले में सीबीआई ने 30 जून को प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें आरोप था कि मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण से संबंधित गोपनीय जानकारी मेडिकल कॉलेजों से संबंधित प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्तियों और बिचौलियों को देने के बदले में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अधिकारियों सहित कई सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी। इससे उन्हें मापदंडों में हेरफेर करने और मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए अनुमोदन प्राप्त करने में मदद मिली।

विंजो के दो संस्थापकों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली/बेंगलुरु। ईडी ने ऑनलाइन गेमिंग मंच विंजो की संस्थापक सौम्या सिंह राठौर और पावन नंदा को धनशोधन के आरोप में गिरफ्तार किया है। एजेंसी के जोनल कार्यालय में बुधवार को पूछताछ के बाद उन्हें बेंगलुरु में गिरफ्तार किया गया। उन्हें उसी रात बेंगलुरु की एक अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें एक दिन की हिरासत में भेज दिया गया। ईडी की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया था कि कंपनी ने 43 करोड़ रुपये अपने पास रखे थे, जिसे आदर्श रूप से 'गेमर्स' को वापस किया जाना चाहिए था क्योंकि भारत ने हाल ही में वास्तविक धन वाले गेमिंग (आरएमजी) पर प्रतिबंध लगा दिया था।

असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध का रास्ता साफ

गुवाहाटी, एजेंसी

- विधानसभा में पारित हुआ विधेयक, एसटी व छठी अनुसूची में आने वाले क्षेत्र दायरे में नहीं

असम विधानसभा ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक बृहस्पतिवार को पारित किया, जिसके तहत इसे अपराध माना जाएगा और कुछ अपवादों को छोड़कर इसके लिए अधिकतम 10 वर्ष की कैद हो सकती है। विधेयक में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के लोगों और छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।

असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 के पारित किए जाने के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह कानून धर्म से परे है और इस्लाम के खिलाफ नहीं है जैसा कि एक वर्ग द्वारा माना जा रहा है। शर्मा के पास गृह और राजनीतिक विभागों का भी प्रभार है। उन्होंने कहा, हिंदू भी बहुविवाह से मुक्त नहीं हैं। यह हमारी भी जिम्मेदारी है। इस विधेयक के दायरे में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सभी अन्य समाजों के लोग आएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा सभी विपक्षी सदस्यों से अपने-अपने संशोधन वापस लेने का अनुरोध किया गया ताकि सदन में यह संदेश जाए कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो गया है। शर्मा के अनुरोध के बावजूद ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने अपने संशोधन सुझाव आगे बढ़ाए, जिन्हें ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया।

86,000 तक पहली बार सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी

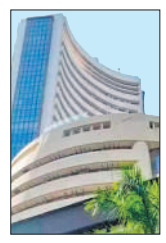

- निफ्टी भी पहली बार 26,300 के अंक तक पहुंचने में कामयाब
- आखिर में सेंसेक्स 85,720 और निफ्टी 26,215 पर हुआ बंद
- दोनों सूचकांकों के लिए ये दूसरे सबसे ऊंचे बंद स्तर हैं। इससे पहले इनका ऐतिहासिक उच्चतम स्तर 24 सितंबर 2024 को दर्ज किया गया था।

आईटी, निजी बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी रही। इस दौरान बीएसई के सेंसेक्स पहली बार 86,000 अंक के अपने शिखर तक पहुंचा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक पहली बार 26,300 अंक तक पहुंचने में कामयाब रहा।

बाजार की शुरुआत गुरुवार को बढ़त के साथ हुई और बीच कारोबार में एक समय सेंसेक्स 446 अंक उछलकर 86,055.86 अंक पर पहुंच गया था। अंत में यह 110.87 अंक की बढ़त में 85,720.38 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 सूचकांक भी बीच 105 अंक चढ़कर 26,310.45 अंक पर पहुंचा, लेकिन अंत में 10.25 अंक ऊपर 26,215.55 अंक पर बंद हुआ।

उद्गार

मुख्यमंत्री योगी ने गाजियाबाद के तरुण सागरम् तीर्थ मुरादनगर में गुफा मंदिर का किया शुभारंभ

भारत की परंपरा संतों-महापुरुषों के त्याग-बलिदान की गाथा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले- राम मंदिर में पूरी दुनिया ने भारत के सनातन वैभव को देखा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा है। भारत के अंदर आज भी पवित्र उपासना विधियां श्रद्धाभाव के साथ कार्य करते हुए इस व्यवस्था को बढ़ा रही हैं।

कहा, तीन दिन पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य को पूरा करने के महायज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ भगवा ध्वज का आरोहण संपन्न हुआ। देश के साथ पूरी दुनिया ने भारत के इस सनातन वैभव को देखा और अनुभव किया।

सीएम योगी गुरुवार को तरुण सागरम् तीर्थ, मुरादनगर (गाजियाबाद) पहुंचे। उन्होंने यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत 100 दिन में निर्मित गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। योगी ने भगवान पार्श्वनाथ जी और संत तरुण सागर जी महाराज का स्मरण किया। सीएम ने 'मेरी बिटिया' व 'अंतर्मना दिव्य मंगल पाठ' पुस्तक का विमोचन भी किया। योगी ने कहा कि ऋषि-मुनि परंपरा ने जो संदेश दिया है, हम उसे आत्मसात करते हैं तो यह विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व उपाध्याय मुनि पीयूष सागर जी महाराज की दिनचर्या को देखा। 557 दिन की कठोर साधना, 496 दिन का निर्जल उपवास, तप, अनुशासन व आत्मसंयम का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला है। यह चीजें दिखाती हैं कि यदि हम संकल्प ले लें तो जो कुछ हमें बाहर दिखाई दे रहा है, वह सब कुछ इस शरीर में अनुभव होते हुए भी दिखाई देगा। प्रसन्न सागर जी महाराज की साधना के माध्यम से यह देखने व अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तरुण सागरम् तीर्थ में गुफा मंदिर का किया शुभारंभ।

सिक्योरिटी क्लियरेंस लेकर उद्घाटन की तैयारी करें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गौतम बुद्ध नगर के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने शीघ्रातिशीघ्र सिक्योरिटी क्लियरेंस प्राप्त करने के साथ संबंधित एजेंसियों को उद्घाटन समारोह की तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने पाया कि एयरपोर्ट को अभी तक एयरोड्रम लाइसेंस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने निर्देश दिया कि ब्यूरो आफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी और सीआईएसएफ अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर सभी सुरक्षा मानकों को तत्काल पूरा किया जाए और शीघ्रातिशीघ्र सिक्योरिटी क्लियरेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी की जाए।

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की समीक्षा

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

जंबूरी में देश-विदेश की लड़कियों ने दिखाया हुनर, बनी वैश्विक पहचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लड़कियों की भागीदारी आयोजन की उपलब्धि के तौर पर दर्ज की जा रही

अमृत विचार: राजधानी के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में एशिया-प्रशांत देशों व देश के कोने-कोने से 32,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। इस दौरान लड़कियों की भागीदारी भी खास रही जो इस आयोजन की उपलब्धि के तौर पर दर्ज की जा रही है।

प्रतिभागी लड़कियों ने अभूतपूर्व आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व किया, जो भारत की स्काउटिंग और गाइडिंग के लिए एक सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है। आयोजन के दौरान, युवा स्काउट्स और गाइड्स ने हाई रोप चैलेंजेस, ग्राउंड-लेवल साहसिक गतिविधियों, रचनात्मक कला क्षेत्रों और आधुनिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए डिजाइन की गई कई वर्कशॉप्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार, नेतृत्व और प्रौद्योगिकी के सत्रों में प्रतिभागी लड़कियों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। जंबूरी को वैश्विक आयाम प्रदान करते हुए, सऊदी अरब, मालदीव, श्रीलंका, पोलैंड, अमेरिका, बांग्लादेश, मलेशिया और नेपाल से आये प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुए हैं। जिनमें से कई देशों की लड़कियों की मजबूत टुकड़ियां भी शामिल रहीं।

लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में आयोजित गतिविधियों में शामिल प्रतिभागी।

गांवों में लगने वाले मेलों को भव्य बनाएगा बजट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नगर की तरह ग्राम पंचायतों को बजट देने की तैयारी
- पंचायती राज निदेशालय ने मांगी मेलों की रिपोर्ट

अमृत विचार : ग्रामीण मेलों के लिए ग्राम पंचायतों को बजट देने की तैयारी है, ताकि आयोजनों और भव्य तरीके से मनाया जा सके। पंचायती राज निदेशालय ने प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से ऐसे 50 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने वाले पारंपरिक मेलों की रिपोर्ट मांगी है, जो शासन को भेजी जाएगी।

ग्राम पंचायतों में गंगा स्नान मेला, महाशिवरात्रि एवं श्रावण मास मेला, जन्माष्टमी मेला, दशहरा मेला समेत अन्य पारंपरिक मेले आयोजित होते हैं। इनके लिए ग्राम पंचायतों के पास बजट नहीं होता। न ही वित्तीय संसाधन जुटा पाते हैं। वर्षों से चंदा व अन्य स्रोत से आयोजन होते आ रहे हैं। इन मेलों के लिए कोई बजट व प्राविधान नहीं है। जबकि नगर के नियम हैं और बजट की व्यवस्था है। ठीक नगर की तरह ग्राम पंचायतों में मेला के लिए बजट और नियम सरकार बना रही है। ताकि चंदा न करके बजट से पारंपरिक आयोजन भव्य तरीके से कराए जा सकें।

न्यूज ब्रीफ

इप्सेफ ने पीएम को दोबारा भेजा पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र ने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया है कि देशभर के सरकारी कर्मचारी-शिक्षकों की समस्याओं का मिल बैठकर समाधान निकाला जाए। कर्मचारियों में निरंतर असंतोष बढ़ता जा रहा है। पढ़े-लिखे युवा वर्ग को आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार तो दिया जा रहा है, परंतु उन्हें जीने लायक वेतन व अन्य जीवन-यापन सुविधा नहीं मिल पा रही हैं। इप्सेफ की ओर से प्रधानमंत्री को दोबारा पत्र भेजा गया है। इप्सेफ अध्यक्ष ने गुरुवार को पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी से मांग की है कि यूपीएस-एनपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाल की जाए। देशभर के शिक्षकों को टीईटी परीक्षा से मुक्ति दिलाएं। आउटसोर्स कर्मचारी को पदवार न्यूनतम वेतन व अन्य सुविधाएं तथा रिक्त पदों पर नियुक्तियों में वरीयता दी जाए।

पीएफ सेवा शिविरों में सुनी शिकायत

अमृत विचार, लखनऊ : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ की ओर से निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और लखीमपुर खीरी समेत छह जनपदों में व्यापक पीएफ सेवा शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य क्षेत्र के पीएफ सदस्यों, पेंशनरों और नियोक्ताओं की शिकायतों का स्थल पर ही निस्तारण करना तथा सेवाओं को सीधे हितधारकों तक पहुंचाना रहा। हरदोई के संडीला स्थित बालाजी वेफर्स परिसर में आयोजित विशेष शिविर में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता ने उपस्थित होकर प्राप्त शिकायतों की सुनवाई की और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

17 जिलों में 50 प्रतिशत काम पूरा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 17 जिलों में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इन जिलों में औरैया, अम्बेडकरनगर, चित्रकूट, बाराबंकी, पीलीभीत, सहारनपुर, अमरोहा, मुरादाबाद, बस्ती, रामपुर, चंदौली, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बरेली, आजमगढ़, फिरोजाबाद और एटा शामिल है, जहां 50 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि राज्य में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य तेज गति से प्रगति पर है।

किसानों को अनुदान पर दिए जाएंगे सोलर पंप

40521 सोलर पंप का होगा वितरण, 15 तक करें आवेदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार पीएम कुसुम योजना के तहत प्रदेश के किसानों को अनुदान पर 40521 सोलर पंप उपलब्ध कराने जा रही है। इसका लाभ लेने के लिए किसानों को 15 दिसंबर तक कृषि विभाग की वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in पर आवेदन करना होगा। अनुदान पर सोलर पंप उन्हीं किसानों को मिलेगा, जो विभाग की इस वेबसाइट पर पंजीकृत होंगे। किसानों का चयन ई-लॉटरी के जरिए होगा।

इस योजना में किसानों को 9 प्रकार के सोलर पंप पर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में बड़ी राशि की छूट मुहैया कराई जा रही है। इसमें केंद्र व राज्य सरकार का अलग-अलग अंश भी होगा। 2 एचपी डीसी, एसी सरफेस पंप पर राज्य सरकार द्वारा 56737 रुपये व केंद्र सरकार द्वारा 41856 रुपये का अनुदान मुहैया कराया जायेगा। दोनों पंपों पर कुल 98593 रुपये अनुदान स्वरूप किसानों को प्रदान मिलेंगे। 2 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर केंद्रांश व राज्यांश के रूप में किसानों को 1,00,215 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। 2 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप 99,947 रुपये का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

3 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर 1,33,621 रुपये व 3 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,32,314 रुपये का अनुदान मिलेगा। इसमें राज्य की ओर से 77,618 रुपये व केंद्र सरकार की ओर से 54696 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। 5 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,88,038 रुपये का अनुदान किसानों को प्राप्त होगा। वहीं 7.5 एचपी एसी व 10 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर किसानों को अलग-अलग अनुदान के रूप में सर्वाधिक 2,54,983 रुपये का लाभ मिलेगा। दोनों पंपों पर अलग-अलग अनुदान भी मिलेगा।

राज्य सरकार द्वारा 1,40,780 व केंद्र सरकार द्वारा 1,14,203 रुपये का अनुदान पंजीकृत किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) के अंतर्गत योगी सरकार ने किसानों से 15 दिसंबर तक आवेदन करने की अपील की है। किसानों को अनुदान पर सोलर पंप की ऑनलाइन बुकिंग www.agriculture.up.gov.in पर जाकर 'अनुदान हेतु सोलर पंप की बुकिंग करें' लिंक पर जाकर करनी होगी। ऑनलाइन बुकिंग के साथ किसानों को टोकन मनी के रूप में पांच हजार रुपये जमा करने होंगे। बुकिंग कन्फर्म होने के बाद पंजीकृत मोबाइल पर किसानों को सूचना प्राप्त हो जाएगी। इसके बाद किसानों को अनुदान के बाद बची अवशेष धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी।

सत्यापन में बोरिंग न मिली तो धनराशि होगी जब्त

कृषि विभाग के मुताबिक, किसानों द्वारा बैंक से ऋण लेकर किसान अंश जमा करने पर कृषि अवस्थापना निधि (एआईएफ) के अंतर्गत केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा तीन-तीन फीसदी (कुल छह फीसदी) की छूट ब्याज में प्रदान किए जाने का प्रावधान है। विभाग के मुताबिक 2 एचपी के लिए 4 इंच, 3 व 5 एचपी के लिए छह इंच व 7.5 एचपी व 10 एचपी के लिए 8 इंच की बोरिंग अनिवार्य है। यह बोरिंग स्वयं किसान की होगी। सत्यापन के समय बोरिंग न पाए जाने पर टोकन मनी की धनराशि जब्त होगी और आवेदन निरस्त माना जा सकता है।

फर्जी अंकपत्र मामले में पूर्व रजिस्ट्रार की भूमिका संदिग्ध

मंडलायुक्त बस्ती की जांच में खुलासा, शासन को भेजी गई रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कुशीनगर में आलिम परीक्षा के टेबुलेशन रजिस्टर-2014 में सिर्फ 45 परीक्षार्थी के नाम

अमृत विचार: मदरसा शिक्षा परिषद में वर्ष 2014 के आलिम और कामिल अरेबिक परीक्षाओं से जुड़े फर्जी अंकपत्र प्रकरण में मंडलायुक्त बस्ती की जांच रिपोर्ट ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा कर दिया है। इस मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। मंडलायुक्त बस्ती अखिलेश सिंह ने शासन को इसकी विस्तार से रिपोर्ट भेजी। जिसमें मदरसा गौसिया फैजुल उलूम मझहरवा कुशीनगर द्वारा पेश की गई टेबुलेशन रजिस्टर-2014 में केवल 45 परीक्षार्थियों के नाम व अनुक्रमांक दर्ज थे। जिसमें साबिर अली अंसारी का नाम और उनका अनुक्रमांक 4050266 मौजूद नहीं था। कामिल अरेबिक तृतीय वर्ष में भी जाकिर हुसैन का नाम तो दर्ज मिला, लेकिर परिणाम में फेल दर्शाया गया था। इसके बाद रजिस्ट्रार कार्यालय की प्रस्तुत टेबुलेशन रजिस्टर में उसे पास दिखाया गया।

रजिस्ट्रार कार्यालय से उपलब्ध टेबुलेशन रजिस्टर (टीआर) पर न किसी सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर थे, न पेज नंबरिंग, न प्रमाणीकरण था। लगता है कि यह दस्तावेज किसी आधिकारिक प्रक्रिया से गुजरा ही न हो। इसके विपरीत मदरसा प्रधानाचार्य द्वारा भेजी गई टीआर पूरी तरह हस्ताक्षरित और सत्यापित थी। प्रस्तुत अंकपत्रों पर भी परिषद कर्मियों के हस्ताक्षरों के बजाय मदरसा लिपिक अनवर हुसैन और प्रधानाचार्य अब्दुल शकूर के हस्ताक्षर मिले। इससे साफ है कि अंकपत्र कूटरचित थे। इन्हें मदरसे के भीतर ही तैयार किया गया। इस पूरे मामले में संदिग्ध पहलू तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की कार्यशैली रही। 8 जुलाई 2022 को उनके कार्यालय द्वारा दोनों अंकपत्रों को असत्य बताते हुए पत्र जारी किया गया। मात्र 18 दिन बाद 26 जुलाई 2022 को वहीं रजिस्ट्रार ने इन अंकपत्रों को सत्य घोषित कर दिया। संबंधित कनिष्ठ सहायक ने टिप्पणी बदलकर इसे "टंकण त्रुटि" बताया, लेकिन न तो इस बदलाव के पीछे कोई तथ्य थे और न कोई कारण। तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने इस असंगति पर कोई सवाल उठाना तो दूर, बिना किसी जांच-पड़ताल के संशोधित सत्यापन आख्या पर हस्ताक्षर कर दिए। जांच रिपोर्ट ने इसे साफ शब्दों में "किसी कार्य के पश्चात विचार" की श्रेणी में रखा और कहा कि यह बदलाव न तो स्वाभाविक था, न प्रक्रियात्मक।

खुद को बताते हैं मुख्यमंत्री का सहपाठी

विभाग में इस बात की चर्चा है कि पूर्व रजिस्ट्रार व वर्तमान उपनिदेशक मुरादाबाद स्वयं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सहपाठी बताते हैं। प्रशासनिक गलियारों और विभाग में इसी के दम पर अपनी धौंस दिखाते हैं। पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट का विवादों से पुराना नाता है। कई मामलों में उन पर गंभीर आरोप लग चुके हैं।

परीक्षा संबंधित अभिलेख मुख्यालय पर नहीं

जांच में यह सामने आया कि वर्ष 2014 की परीक्षाओं से संबंधित आवेदन पत्र, उत्तरपुस्तिकाएं और अन्य अभिलेख जिला मुख्यालय पर उपलब्ध ही नहीं हैं। परिषद के रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अभिलेख "बेंडर को दे दिए गए थे और वापस नहीं मिले" जांच रिपोर्ट में न केवल असंतोषजनक बताया गया, बल्कि इसे गंभीर लापरवाही का उदाहरण माना गया। ऐसे अप्रमाणिक, बिना हस्ताक्षर वाले अभिलेखों के आधार पर तत्कालीन रजिस्ट्रार का दो-दो सत्यापन जारी करना उनकी भूमिका को और अधिक संदिग्ध बनाता है। इन तथ्यों के आधार पर प्रदेश शासन ने रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट को 12 फरवरी 2024 को निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यावाही का आदेश दिया। हालांकि बाद में जांच जारी रहते हुए जगमोहन सिंह बिष्ट को बहाल कर दिया गया। साथ ही उपनिदेशक मुरादाबाद के पद पर तैनाती दे दी गई।

यूपी पवेलियन के स्टालों से जमकर खरीदारी

अमृत विचार, लखनऊ: इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2025 का गुरुवार को समापन हो गया। इस बार लगभग 150 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से प्रदेश के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिससे लगभग 5 करोड़ रुपये की बिक्री। दरअसल, पिछले कुछ दिनों में आयोजित प्रदर्शन के दौरान लखनऊ की चिकनकारी, फिरोजाबाद का ग्लास वर्क, वाराणसी की रेशमी साड़ियां, सहारनपुर की लकड़ी की कारीगरी, भदोही-मिर्जापुर की कालीनें, खुर्जा की सिरेमिक्स और अलीगढ़ के मेटल उत्पादों ने दर्शकों को प्रदेश की विविध शिल्प पहचान से परिचित कराया। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने मेले के समापन के अवसर पर इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2025 में उत्तर प्रदेश पवेलियन का दौरा किया। मंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इकाईयों व भागीदारों को पुरस्कृत भी किया।

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में उत्पादों को देखते हुए मंत्री राकेश सचान।

विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं अब 10 से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसआईआर के दबाव में बेसिक शिक्षा विभाग ने बदली तारीख

अमृत विचार : प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया के चलते परिषदीय विद्यालयों (कक्षा 1 से 8 तक) की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं का कार्यक्रम बदल दिया है। पहले यह परीक्षाएं 28 नवंबर से शुरू होने वाली थीं, लेकिन अब संशोधित तिथि के अनुसार परीक्षाएं 10 दिसंबर से आयोजित की जाएंगी। बेसिक शिक्षा विभाग के निदेशक द्वारा नई परीक्षा तिथि का आदेश बुधवार को सभी जिलों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को जारी कर दिया गया है।

बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, एसआईआर कार्य में बड़ी संख्या में शिक्षक, बीएलओ और अन्य विद्यालय स्तर के कर्मचारी लगे हुए हैं। ऐसे में शिक्षकों की उपलब्धता कम होने और विद्यालयों में परीक्षा संचालन पर संभावित प्रभाव को देखते हुए तिथि में परिवर्तन किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि संशोधित समय-सारिणी से विद्यालयों को तैयारी का पर्याप्त अवसर मिलेगा और परीक्षाओं का संचालन भी सुचारू तरीके से हो सकेगा।

मतदाता गणना प्रपत्रों की जानकारी उपलब्ध कराए आयोग : श्याम लाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, अनियमितता के आरोप

अमृत विचार : सपा ने राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर एसआईआर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की शिकायत की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा भेजे गए ज्ञापन पत्र में मांग की गयी है कि जिलों में मतदाताओं को वितरित तथा वापस लिये गए गणना प्रपत्रों की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। ताकि पार्टी के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) छूटे हुए मतदाताओं तक पहुंचकर 4 दिसंबर 2025 से पहले फॉर्म भरवा सकें।

प्रदेश अध्यक्ष द्वारा गुरुवार को भेजे गए ज्ञापन में सभी जिलों में बीएलओ ऐप के माध्यम से सबमिट किए गए प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और तृतीय श्रेणी के मतदाताओं से जुड़ी पूरी रिपोर्ट तत्काल प्रदान की जाने की मांग की है। साथ ही आरोप लगाए हैं कि आजमगढ़ के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र में मतदेय स्थल 194 पर तैनात बीएलओ ने आधे मतदाताओं को ही गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए। वहीं अलीगढ़ में ऑनलाइन सबमिशन के दौरान गड़बड़ियां और फतेहपुर के खागा और हुसैनगंज क्षेत्रों में बीएलओ मतदाताओं तक पहुंच ही नहीं रहे हैं और अधिकांश गणना प्रपत्र गलत तरीके से श्रेणी तृतीय में भरे जा रहे हैं।

इतना ही नहीं, अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने आरोपों में यह भी बताया कि सिद्धार्थनगर के इटवा क्षेत्र में 50 प्रतिशत से अधिक बूथों पर 2003 की मतदाता सूची ही उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण सही श्रेणी वाले मतदाताओं को भी तृतीय श्रेणी में डाला जा रहा है। शाहजहांपुर की कटरा विधानसभा में मतदेय स्थल संख्या-26 पर अभी तक गणना प्रपत्र वितरित न होने की शिकायत की गई है।

एक करोड़ मुआवजे की मांग, सपा देगी 2 लाख

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसआईआर के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों के समर्थन में उतरे सपा प्रमुख

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर कार्य में लगातार दिए जा रहे असंभव लक्ष्य को प्राप्त करने में बीएलओ कर्मचारियों में मानसिक दबाव बढ़ रहा है और कई कर्मचारी गंभीर स्थिति में पहुंच रहे हैं। भारी दबाव कर्मचारियों को जान देने को मजबूर कर रहा है। इसलिए चुनाव आयोग से अपेक्षा है कि मृतक के परिवारजनों को एक-एक करोड़ का मुआवजा मिले, साथ ही सपा दो-दो लाख रुपये का आर्थिक सहयोग पीड़ित परिवार को देगी।

अखिलेश ने भरा एसआईआर फार्म : मतदाता सूची में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया पर लगातार सवाल उठा रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को स्वयं एसआईआर फॉर्म भर दिया और दूसरों को भी फॉर्म भरने की सलाह दी। फार्म भरने की जानकारी सोशल मीडिया इंस्ट्राग्राम पर साझा करते हुए उन्होंने जनमानस से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपना-अपना एसआईआर कराएं, कुछ भी समस्या या गड़बड़ी दिखाई दे तो हमें सूचित करें।

कफ सिरप तस्करी में मास्टरमाइंड का करीबी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एसटीएफ ने लखनऊ के ग्वारी चौराहे से पकड़ा
- आरोपी से जुड़ी है झारखंड की फर्म देवकृपा

अमित सिंह

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी मामले में सिंडिकेट के फरार मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल का करीबी अमित सिंह टाटा लखनऊ से गिरफ्तार हो गया। एसटीएफ के एएसपी लालप्रताप सिंह की टीम ने आरोपी को ग्वारी चौराहे के पास से दबोचा। झारखंड की देवकृपा फर्म आरोपी की बताई जा रही है। इसके पिता अशोक सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। सिरप कांड में उसकी तलाश एसटीएफ काफी लंबे समय से कर रही थी। गिरोह का मास्टरमाइंड वाराणसी का शुभम जायसवाल है, जो वर्तमान में दुबई भाग गया है। इस गिरोह का खुलासा सोनभद्र पुलिस ने 18 अक्टूबर को किया। इसके बाद 4 नवंबर को गाजियाबाद से सौरभ त्यागी गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी होते ही शुभम विदेश भाग गया।

एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह के मुताबिक, अमित सिंह टाटा मूलतः जौनपुर के सुरेरी स्थित सीटूपुर गांव का रहने वाला है। वर्तमान में उसने वरूणा इंक्लेव सिकरौल कैंट में अपना ठिकाना बनाया रखा था। आरोपी के पास से मोबाइल, फार्च्युनर, आधार कार्ड व नकदी समेत कई अहम दस्तावेज बरामद किये गये हैं। फेन्सेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त अन्य दवाओं को नशे के रूप में प्रयोग करने हेतु इनका अवैध भंडारण एवं व्यापार करने तथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, असम, पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में आपूर्ति करने की सूचना एसटीएफ को मिल रही थी। इस पर टीम ने साक्ष्य जुटाने शुरू किये। गिरोह का सरगना कायस्थ टोला प्रह्लाद घाट वाराणसी का शुभम जायसवाल है। वह देश छोड़कर भाग चुका है।

वाराणसी को बनाया केंद्र : एसटीएफ के अनुसार अमित ने पूछताछ में बताया कि गिरोह के सरगना के इशारे पर वाराणसी में ड्रग लाइसेंस बनवाकर फर्म खोल दी। मेरे नाम से श्री मेडिकल फर्म खुलवाई। इसका भी सारा लेन-देन शुभम जायसवाल व उसके साथी देखते थे। बनारस की फर्म में दो-तीन महीने ही फेन्सेडिल का व्यापार होना बताया। उसके बाद एबॉट कंपनी द्वारा फेन्सेडिल कफ सिरप बनाना बंद हो गई।

जांच में खुलती गई तस्करी गिरोह की परतें

एएसपी लाल प्रताप सिंह ने बताया कि 12 नवंबर को सहारनपुर के सदर बाजार स्थित शास्त्री नगर निवासी विभोर राणा व विशाल सिंह को गिरफ्तार किया गया था। उनसे पूछताछ के बाद अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा का नाम सामने आया था। जांच में सामने आया कि आजमगढ़ के नरवे निवासी विकास सिंह के जरिए वाराणसी के कायस्थ टोला प्रहलाद निवासी शुभम जायसवाल से उसकी जान-पहचान हुई थी। विकास सिंह ने बताया था कि शुभम जायसवाल का एबॉट कंपनी की फेंसेडिल कफ सीरप का शैली ट्रेडर्स के नाम से बड़ा कारोबार रांची, झारखंड में है। कोडीन युक्त फेंसेडिल कफ सीरप नशे के रूप में प्रयोग होता है, जिसकी काफी डिमांड पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में है। धनबाद में देवकृपा मेडिकल एजेंसी के नाम से जनवरी 2024 में फर्म बनवाई थी। फर्म का सारा लेन-देन शुभम जायसवाल, उसके पार्टनर व सीए देखता था। धनबाद के बिजनेस में उसने पांच लाख रुपये लगाए थे। उसे इन लोगों ने लगभग 20-22 लाख रुपये दिए। इस दौरान धनबाद दो से तीन बार ही गया था।

प्रतिबंधित दवाओं का व्यापार करने वाली 87 फर्मों के निरस्त होंगे लाइसेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कोडीन युक्त कफ सिरप एवं नारकोटिक्स के अवैध व्यापार के खिलाफ एफएसडीए की कार्रवाई

अमृत विचार : मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उप्र. ने राज्य में कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य नारकोटिक एवं प्रतिबन्धित श्रेणी की दवाओं के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय और वितरण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राज्यव्यापी छापेमारी के दौरान सबसे ज्यादा वाराणसी में 28 फर्मों के साथ कुल 87 फर्मों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई, इन सभी के लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उप्र. आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने गुरुवार को बताया कि सूचना मिलने पर औषधि विभाग की टीमों ने राज्यभर में औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खुलासा हुआ कि कई फर्में अस्तित्व में ही नहीं हैं, केवल अवैध बिलिंग पॉइंट के रूप में संचालित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि कई प्रतिष्ठानों में भंडारण की पर्याप्त और मानकनुरूप व्यवस्था ही नहीं थी, क्रय-विक्रय अभिलेख नहीं मिले। इसके अलावा कई प्रतिष्ठानों में प्रतिबन्धित कोडीनयुक्त कफ सिरप एवं नशीली दवाओं की अनधिकृत बिक्री हो रही थी। आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने बताया कि पकड़ी गई फर्मों में वाराणसी की राधिका इंटरप्राइजेज, हरी फार्मा के अमित जैसवाल समेत कुल 28 फर्में शामिल हैं, इसके अलावा जौनपुर की 12, कानुपर नगर की आठ, राजधानी लखनऊ की तीन इसके अलावा चंदौली, बहराइच, सुल्तानपुर, भदोही, प्रयागराज व गाजीपुर आदि जिलों से कुल 36 फर्मों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गयी है।

न्यूज ब्रीफ

महिला ईएमटी के साथ अभद्रता का आरोप

राजपुर। एंबुलेंस सेवा के पुखरायां लोकेशन के ईएमई पर 102 एंबुलेंस वाहन की एक लेडीज इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने का आरोप है। पीड़िता का आरोप है कि ईएमई ने उसके हाथों से उसका मोबाइल जबरियां छीन लिया। उसे विगत कई महीनों से नाजायज तरीके से परेशान करके अपमानित किया जा रहा है। एंबुलेंस नोडल प्रभारी डिप्टी सीएमओ डॉ आदित्य सचान ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है।

विवाहिता बच्चे के साथ हुई लापता

शिवली। एक विवाहिता शौच के लिए गई थी। तभी से अपने बच्चे के साथ लापता हो गई है। पिता ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई है। कोतवाली शिवली के सिंहपुर गांव की रहने वाले नारदमुनि ने पुलिस को बताया कि उसकी विवाहिता पुत्री रंजना तीन माह से बीमार चल रही थी। तब से मायके में रह रही है। 24 नवंबर की शाम को खेतों पर शौच को गई थी। तभी से बच्चे के साथ लापता हो गई है। काफी खोजबीन के बाद उसका पता नही चल पाया।

आज जिले के दौरे पर रहेंगे प्रभारी मंत्री

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री और जिले के प्रभारी डा0 संजय कुमार निषाद 28 नवंबर को जनपद कानपुर देहात का भ्रमण करेंगे। उनके निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 10 :10 बजे वह निरीक्षण भवन पहुंचेंगे। यहां भारतीय जनता पार्टी जिला कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसके बाद 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में भाग लेंगे। दोपहर 1 :30 बजे मूसानगर पहुंचेंगे।

खेल स्पर्धा के दूसरे दिन हुईं प्रतियोगिताएं

सिकंदरा। कस्बे के नुमाइश मैदान पर युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में विधानसभा सिकंदरा के विधायक खेल स्पर्धा हुई। इसके दूसरे दिन गुरुवार को विभिन्न खेल विधाएं एथलेटिक्स कबड्डी भारोत्तोलन बैडमिंटन वॉलीबॉल आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें 100 मीटर बालक सबजूनियर में वैभव बाजपाई ,बालिका में सोनम देवी,800 मीटर बालक में अनुपम पाल,बालिका में अंजली,जूनियर 200 मीटर बालक में पंकज ,बालिका में शिवानी,400 मीटर में अतुल,बालिकाओं में सोनिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद में रिहान, बैडमिंटन में रचित कटियार एवं गौरव ने डबल्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

युवक को अदालत में नहीं किया पेश एसओ से मांगी रिपोर्ट

कानपुर देहात। गजनेर के गांव मदा का पुरवा निवासी रोहित सिंह द्वारा अपने छोटे भाई रवि सिंह (25 वर्ष) को उठाए जाने और पुलिस द्वारा उसे किसी भी न्यायालय में पेश न करने के आरोप पर सीजेएम की कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया है। एसओजी प्रभारी तथा थानाध्यक्ष गजनेर से 28 नवंबर तक रिपोर्ट तलब की गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान के माध्यम से दाखिल प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि 18 नवंबर को दोपहर लगभग एक बजे एसओजी कानपुर देहात टीम युवक को घर की दुकान से उठाकर पहले थाना गजनेर ले गई, जहां कुछ समय रखने के बाद उसे किसी अज्ञात स्थान पर ले जाने की जानकारी मिली। इसके बाद से न तो परिवार को उसकी स्थिति की कोई सूचना दी गई और न ही किसी न्यायालय में उसका चालान प्रस्तुत किया गया। परिजनों द्वारा थानो,एसओजी कार्यालय तथा जिला के न्यायालयों में खोज करने के बावजूद युवक की अभिरक्षा का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला।

डीएम ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

कानपुर देहात। गुरुवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह ने विभिन्न पार्टी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस की सीसीटीवी व्यवस्था, साफ सफाई, रखरखाव आदि का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए। ईवीएम वेयर हाउस में साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव पर ध्यान दिया जाए। नियमित अंतराल पर निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का अनुपालन करने के निर्देश दिए।

गल्ला व्यापारी की हत्या में एक के खिलाफ रिपोर्ट

फॉलोअप

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः अरशदपुर गांव के गल्ला व्यापारी राजाबाबू राजपूत (22) की हत्या में पिता संतराम ने बिहारीपुरवा गांव के नीलू के खिलाफ हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पिता का कहना की नीलू ने सोमवार को शिवली बुलाया था।लड़के के पास डेढ़ लाख रुपए थे। इसे वह बैंक में जमा करने गया था।

राजा बाबू जब देर शाम तक घर नही लौटा तो उसके मोबाइल पर संपर्क किया। मोबाइल बंद बता रहा है। सुबह घटना की जानकारी हुई। लड़के का मोबाइल व पैसा भी गायब था। नीलू ने हत्या कर शव फेंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चोटों का खुलासा हुआ था। हालांकि मृतक राजाबाबू के परिजन शुरू से ही हत्या किए जाने का आरोप लगा रहे थे।

शव से सुसाइड नोट मिलने से पुलिस भी पशोपेश में थी। इधर, पुलिस ने सर्विलांस का भी सहारा लिया। इंस्पेक्टर प्रवीण यादव ने बताया कि मृतक के पिता ने नीलू के खिलाफ हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कार्रवाई की जा रही है।

'बीएलए को सक्रिय योगदान को प्रेरित करें'

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः एसआईआर को लेकर गुरुवार को माती के कलेक्ट्रेट सभागार में अहम बैठक हुई। इसमें मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी ने एसआईआर से संबंधित सभी प्रावधानों एवं नवीनतम प्रक्रियाओं की जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पुनः विस्तार से प्रदान की। उन्होंने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे अपने बीएलए को सक्रिय रूप से योगदान देने हेतु प्रेरित करें, ताकि मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में पूर्ण सहयोग मिल सके।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते जिलाधिकारी कपिल सिंह। अमृत विचार

बैठक में अवगत कराया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चार नवंबर से चार दिसंबर तक बीएलओ प्रत्येक मतदाता को दो प्रतियों में गणना प्रपत्र उपलब्ध करा रहा है। मतदाता द्वारा भरे गए प्रपत्रों में से एक प्रति बीएलओ प्राप्त करेगा तथा दूसरी प्रति मतदाता के पास सुरक्षित रहेगी। एईआरओ एवं बीएलओ को पूरे कार्य में पारदर्शिता, शुद्धता एवं समयबद्धता बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक अपना सहयोग प्रदान करें ताकि जनपद की मतदाता सूची शुद्ध, एवं त्रुटिरहित रूप से समय पर तैयार की जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, विभिन्न पार्टी के प्रतिनिधिगण बीजेपी से श्याम बिहारी शुक्ला, समाजवादी पार्टी से शेखू खान, बृजमोहन यादव, कांग्रेस पार्टी से गोविंद यादव, आम आदमी पार्टी से रोहित यादव आदि मौजूद थे।

एसआईआर में त्रुटि या लापरवाही अक्षम्य

■ **कानपुर देहात :** एसआईआर को लेकर गुरूवार को माती के कलेक्ट्रेट सभागार में अहम बैठक हुई। इसमें मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने एसआईआर से संबंधित सभी प्रावधानों एवं नवीनतम प्रक्रियाओं की जानकारी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को पुन : विस्तार से प्रदान की। उन्होंने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे अपने बीएलए को सक्रिय रूप से योगदान देने हेतु प्रेरित करें, ताकि मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में पूर्ण सहयोग मिल सके। बैठक में अवगत कराया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चार नवंबर से 4 दिसंबर तक बीएलओ प्रत्येक मतदाता को दो प्रतियों में गणना प्रपत्र उपलब्ध करा रहा है। मतदाता द्वारा भरे गए प्रपत्रों में से एक प्रति बीएलओ प्राप्त करेगा तथा दूसरी प्रति मतदाता के पास सुरक्षित रहेगी। एईआरओ एवं बीएलओ को पूरे कार्य में पारदर्शिता, शुद्धता एवं समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए।

ट्रैक्टर की चपेट में आए दो भाई, एक की मौत

औरंगपुर गहदेवा रोड पर हुआ हादसा, पिता को खाना देने खेत जा रहे थे साइकिल सवार भाई

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः औरंगपुर गहदेवा मार्ग पर सड़क के दोनों और खड़े झाड़ झंखाड़ों के कारण एक बच्चे की दुर्घटना में जान गई। गुरुवार सुबह साइकिल से अपने पिता के खेतों पर खाना देने गहदेवा मार्ग पर जा रहे दो सगे भाइयों की साइकिल को मिट्टी भर कर जा रहे ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी। इससे एक भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी ककवन ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत बताया उसकी असामायिक मौत पर उसके परिवार में कोहराम मच गया है।

किशन।

औरंगपुर गहहदेवा निवासी प्रेम शंकर कठेरिया का पुत्र किशन 7 अपने बड़े भाई सुमित के साथ साइकिल पर बैठकर गुरुवार सुबह गहदेवा मार्ग पर अपने पिता को सिकहिला ग्राम स्थित खेतों पर खाना देने जा रहा था। जमनी बाग के निकट एक मिट्टी भर कर जा रहे ट्रैक्टर चालक ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी जिससे सुमित का छोटा भाई किशन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल सीएचसी ककवन ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत बताया। इसकी सूचना ग्रामीणों ने तिस्ती चौकी में एवं यूपी 112 डायलकर पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव के पंचनामा आदि की आवश्यक कार्रवाई की । किशन की असामयिक मौत पर उसकी मां आशा, पिता प्रेम शंकर ,दादी रामकली, भाई सुमित व अमित, विवाहित बहन प्रियंका एवं अविवाहित निशा का रो रो कर बुरा हाल है।

एक चक्कर मिट्टी ढोने के बाद दूसरी बार गुजरा ट्रैक्टर : घटना को लेकर चौकी प्रभारी तिश्ती राजेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। ट्रैक्टर को मिट्टी ट्रॉली सहित कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में लिया गया है। वह पहले चक्कर मिट्टी डालकर दूसरा चक्कर भर कर ले जा रहा था। एसडीएम सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि वह एसआईआर के कामों में व्यस्त हैं फिर भी इस संबंध में खनन वैध या अवैध की जानकारी कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर खड़ा ट्रैक्टर। अमृत विचार

हादसे में घायल किशोर की मौत

■ **पुखरायां।** भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में किशोर की मौत हो गई। वह मंगलवार को देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुआ था। इलाज के लिए उसे कानपुर ले जाया गया। वहां उसने दम तोड़ दिया। बताया गया कि नोनापुर गांव निवासी कामता प्रसाद डीजे एवं लाइट हाउस में काम के लिए घर से निकला था। झांसी-कानपुर हाइवे पर लश्करी बाबा मजार के पास वह हादसे का शिकार हुआ था। गुरुवार को परिजनों ने कारवाई की मांग को लेकर हंगामा किया।

सड़क हादसे में सब्जी विक्रेता घायल, इलाज के दौरान मौत

रसूलाबाद : सड़क हादसे में घायल सब्जी विक्रेता की इलाज के लिए कानपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर कहींजरी चौकी इंचार्ज ने पंचायतनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मल्लहनपुरवा निवासी किसान एवं सब्जी विक्रेता विक्रम 55 मंगलवार शाम को कहिंजरी बाजार से सब्जी बेचकर पैदल घर जा रहे थे। तभी रसूलाबाद कानपुर मार्ग पर सड़क पार करते समय अनियंत्रित स्कूटी ने जोरदार टक्कर मार दी । हादसे में विक्रम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सूचना पर परिजन व पुलिस आनन फानन सीएचसी विक्रम को सीएचसी ले गए। जहां ईएमओ ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत चिंताजनक देखते हुए हैलट कानपुर रेफर कर दिया लेकिन परिजन आर्थिक तंगी के चलते उन्हें घर ले गए और बुधवार को रुपए का इंतजाम करने के बाद इलाज के लिए कानपुर ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही विक्रम की मौत हो गई। अनहोनी घटना से परिजनों में कोहराम मच गया पत्नी पान कुमारी, बेटा प्रियांशु ,बेटी सोनम समेत परिजन में बिलखने लगे। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। मौके पर कहींजरी चौकी इंचार्ज योगेंद्र कुमार शर्मा को भेजकर पंचायत नामा की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

विक्रम।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, कोहराम

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः रनियां थाना क्षेत्र के किशरवल गांव में गुरुवार को एक युवक ने छत में लगे पंखे के कुंडे के सहारे रस्सी से फांसी लगाकर जान दे दी। काफी देर तक युवक की कोई हलचल नहीं दिखी तो घरवालों ने कमरे के अंदर झांका तो वहां का नजारा देख उनकी चीख निकल पड़ी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भिजवाया।

किशरवल गांव निवासी रामकुमार राठौर एक प्राइवेट फैक्ट्री में मजदूरी करते है। उनका बेटा दीपक उम्र करीब बाइस वर्ष पिछले कुछ दिनों से घर पर ही था। इससे पहले वह भी फैक्ट्री में काम करता था। परिजनों के मुताबिक गुरुवार को रामकुमार ड्यूटी चले गए। मां गुड्डी और बहन निकेता परसौली का मेला देखने के लिए गए हुए थे।

करीब चार बजे वापस आने के बाद दीपक की कोई हलचल न होने पर छत पर बने कमरे में देखा तो उसका शव लटका था। परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी गांव में फैलते ही स्थानीय लोगों का मजमा लग गया। इधर, घटना की सूचना डायल 112 व रनियां पुलिस को दी गई। जानकारी पर इंस्पेक्टर रनियां शिवनारायण सिंह तथा फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। इस संबंध में इंस्पेक्टर एसएन सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

किशरवल गांव में घटना के बाद जांच करती पुलिस। अमृत विचार

सड़क की चढ़ाई के कारण रहता हादसे का खतरा

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः रसूलाबाद आजाद चौक पर लहरापुर से आने वाले मार्ग की चौराहे की निकट सीधी चढ़ाई होने के कारण आए दिन अनेक ट्रैक्टर चालक विषम स्थिति में फंस जाते हैं। पूरे चौराहे पर जाम लग जाता है। लोग तमाशबीन होकर यह नजारा देखते हैं। इस स्थिति में पीछे आ रहे लोग और ट्रैक्टर चालक के साथ कभी भी भयानक हादसा हो सकता है। क्षेत्रीय नागरिकों ने कई बार इस संबंध में स्थानीय अधिकारियों से इसकी शिकायत की किंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। लगता है अधिकारियों को किसी बड़े हादसे की दरकार है।

क्षेत्रीय नागरिकों कुलदीप कुशवाहा आदि अनेक लोगों ने बताया कि रसूलाबाद आजाद चौक से मिलने वाले लहरापुर रोड की चौराहे के निकट सीधी खड़ी चढ़ाई है। इससे भार वाहन ट्रैक्टरों का आए दिन अगला हिस्सा ऊपर उठ जाता है और चालक की असावधानी से कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना कर सकती है क्योंकि आगे जा रहे भार वाहन के पीछे कई अन्य वाहन चालक लगे होते हैं। ऐसी ही एक घटना गुरुवार को हुई, 15 मिनट तक ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को निकालने के लिए जूझता रहा और लोग तमाशबीन होकर देखते रहे। अवर अभियंता डीके पाल ने बताया कि लहरापुर रसूलाबाद मार्ग पर रोड धंस गया है गिट्टी भरवा कर समस्या को दूर किया जाएगा।

मुंगीसापुर में रोज की समस्या बना जाम

संवाददाताः डेरापुर तहसील क्षेत्र के मुंगीसापुर चौराहे पर जाम रोज की बात हो गई। जाम के कारण अक्सर करीब दो घंटे तक छोटे-बड़े वाहन, पैदल यात्री और स्कूली बच्चे फंसे रहते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि चौराहे हाईवे पुल के नीचे ट्रैफिक व्यवस्था ठीक न होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति रहती है। सप्ताह में शुक्रवार के दिन यह समस्या और गंभीर हो जाती है, क्यों कि इस दिन साप्ताहिक पशु बाजार लगती है। स्कूल की छुट्टी का समय होने के कारण भी यहां भीड़ बढ़ जाती है, जिससे समस्या अक्सर बनी रहती है। दुकानदारों ने बताया कि लगातार लगने वाले जाम के कारण व्यापार प्रभावित होता है। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस ने वाहनों को किनारे करवाकर और व्यवस्था बनाकर रास्ता साफ कराया।

भंडारे में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः सनातन धर्म प्रचार समिति रनियां के तत्वावधान में आयोजित 19वें धार्मिक अनुष्ठान में गुरुवार को समापन पर विशाल भंडारा आयोजित किया गया। देर शाम तक चले भंडारे में हजारों लोगों ने पूरी श्रद्धा भाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया।

कस्बा रनियां के सदर बाजार रोड पर सेठ रामचरण गुप्ता के परिसर में आयोजित 19वें श्रीविष्णु महायज्ञ, श्रीमद्भागवत, मानस एवं संगीत सम्मेलन का बीते 19 नवंबर को कलश यात्रा के साथ भव्य शुभारंभ हुआ था। 20 नवंबर से कथा प्रारंभ हुआ था। कार्यक्रम में चित्रकूट धाम से कामदगिरि पीठाधीश्वर स्वामी रामस्वरुपार्य महाराज सहित विभिन्न स्थानों से यहां पहुंचे कथा वाचकों द्वारा रामकथा कस्बा वासियों को श्रवण कराई गई। इसके अलावा छतरपुर से लोकगीत एवं भजन गायक पं रविकांत तिवारी ने भजनों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में श्रोताओं की भारी भीड़ उमड़ी।

गुरुवार को कार्यक्रम के समापन पर परिसर में विशाल भंडारा आयोजित किया गया, जो कि देर शाम तक अनवरत जारी रहा। इस दौरान समिति के प्रबंधक पप्पू शर्मा, संयोजक सोनू गुप्ता, मुख्य व्यवस्थापक विष्णु कुमार गुप्ता सहित संजय गुप्ता, विकास शर्मा, अभिषेक शर्मा, विकास शर्मा, रोशन शर्मा, अश्विनी गुप्ता, धर्मेन्द्र गुप्ता, राज गुप्ता, प्रेम गुप्ता आदि रहे।

प्रसाद परोसते संयोजक सोनू गुप्ता आदि। अमृत विचार

एसआईआर में उत्कृष्ट योगदान के लिए बीएलओ का सम्मान

रसूलाबादः रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 225 के बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) रामचंद्र को उनके उत्कृष्ट एसआईआर कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। उप जिलाधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी ने उन्हें माल्यार्पण कर उनके समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

रामचंद्र को सम्मानित करते एसडीएम।

बीएलओ रामचंद्र ने मतदाता विवरण सत्यापन, डिजिटाइजेशन, फॉर्म संग्रहण और आवश्यक दस्तावेजों की जांच जैसे महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्यों को समय बद्धता और पूर्ण निष्ठा के साथ संपन्न किया।

दिखाई प्रतिभा

दिव्यांग बच्चों की खेलकूद स्पर्धा में प्रतिभागियों ने दिखाया दम-खम

छूकर पहचानो स्पर्धा में बिलहा की शिवानी अव्वल

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः गुरुवार को उच्च माध्यमिक विद्यालय बिलहा में दिव्यांग बच्चों की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह के अध्यक्षता में संपन्न हुई इन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उत्साह के साथ बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और पुरस्कार पाए।

इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में छूकर पहचानों प्रतियोगिता में बिलहा की शिवानी ने प्रथम, संविलयन विद्यालय पूरनपुरवा की प्रांसी ने द्वितीय व पूर्व माध्यमिक विद्यालय असालतगंज के आदित्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय रजपूर्वा की वैष्णवी प्रथम,रजपूर्वा की रोशनी द्वितीय एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय करियावर की दृश्यांशू में तृतीय स्थान प्राप्त किया। सुलेख प्रतियोगिता में प्रिंस ने प्रथम, राज ने द्वितीय एवं शिवा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही चित्रकला प्रतियोगिता में कीर्ति ने प्रथम सचिन ने द्वितीय व अर्जुन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जब कि रंगोली प्रतियोगिता में रिया ने प्रथम ,शीतल ने द्वितीय और नंदिनी ने तृतीय स्थान पाया। इस अवसर पर अन्य उपस्थित जनों में बिलहा के प्रधानाध्यापक इसरार ,नागेंद्र वर्मा, कुंवर पाल, रामकुमार विशेष शिक्षक अजय कुमार, अनुपम कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

कुर्सी दौड़ में बच्चों ने किया उम्दा प्रदर्शन। अमृत विचार

छूकर देखो प्रतियोगिता में दिखी प्रतिभा।

पंख पोर्टल के तहत जैसलपुर में कॅरियर मेले का आयोजन

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः राजपुर ब्लॉक क्षेत्र के राजकीय हाईस्कूल जैसलपुर में उत्तर प्रदेश पंख पोर्टल के अंतर्गत आयोजित कॅरियर मेले शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अपर आयुक्त केसी पांडेय, पूर्व प्रधानाध्यापक वीरेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथियों में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सलिल सचान और पूर्व प्रवक्ता डॉ. सुदामा प्रसाद अकेला एवं प्रधानाचार्य शबाना ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

पंख पोर्टल की जानकारी विद्यालय के नोडल सहायक अध्यापक अजय कुमार कश्यप ने दी। कार्यक्रम में कक्षा 10 के बाद छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न शैक्षिक विकल्पों, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और करियर के नए आयामों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। विशेषज्ञ वक्ताओं ने छात्रों को अपनी रुचि, योग्यता और भविष्य की संभावनाओं के अनुसार विषय एवं कॅरियर चुनने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि केसी पाण्डे ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में सही कॅरियर चयन ही उज्ज्वल भविष्य की नींव है। उन्होंने छात्रों को अपनी क्षमताओं को पहचानकर आगे बढ़ने की सलाह दी। डॉ. सलिल सचान ने चिकित्सा एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला।

डॉ. सुदामा प्रसाद अकेला ने विज्ञान, कला एवं वाणिज्य से जुड़ी संभावनाओं को विस्तार से बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाध्यापक वीरेंद्र सिंह ने की और पंख पोर्टल की उपयोगिता को बताया। डॉ आशीष मिश्रा ने कहा कि यह पोर्टल छात्रों को करियर चुनने में डिजिटल रूप से सशक्त बनाता है।

प्रतियोगिता के दौरान मौजूद छात्राएं व शिक्षक आदि। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

विधायक ने गणना प्रपत्र भरवाने के दिये निर्देश

बांगरमऊ, उन्नाव, अमृत विचार : स्थानीय इंदिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरुवार को तहसील प्रशासन द्वारा मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2025 के अंतर्गत नगर के सभी बूथों के अलग-अलग कैम्प लगाए गए। क्षेत्रीय विधायक श्रीकान्त कटियार कैंपों में पहुंचकर बीएलओ व बीएलए से मिले और सभी मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरवाकर जमा करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बांगरमऊ नगर के बूथ संख्या 184 से 220 बूथ तक के कैम्प लगाए गए हैं।

स्लाटर हाउस में लगी आग से हड़कंप

बिछिया, उन्नाव, अमृत विचार : दही थानांतर्गत औद्योगिक क्षेत्र के साइट-1 स्थित एक स्लाटर हाउस में शॉर्टसर्किट से उठी चिंगारी से आग लग गई। दूसरी मंजिल पर लपटें उठती देख फैक्ट्री कर्मियों में हड़कंप मच गया। श्रमिकों को बाहर निकालकर वहां मौजूद फायर फाइटिंग उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास शुरू हुआ। करीब 1 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। सूचना पर दही पुलिस व दमकल की दो गाड़िया भी पहुंची। लेकिन आग पर काबू पाए जाने की सूचना पर वापस लौट गई।

बेटी को भगा ले जाने की दर्ज कराई रिपोर्ट

सफीपुर, उन्नाव, अमृत विचार : हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि लखनऊ के मलिहाबाद थानाक्षेत्र के रमनगरा गांव निवासी विपिन पुत्र गुड्डू रैदास उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया है। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

मुठभेड़ में दो गोतस्कर घायल, 20 गोवंश बरामद

दोनों के पैर में लगी गोली, गो-तस्करी की सूचना पर पुरवा पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम कर रही थी चेकिंग

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: गो-तस्करी की सूचना पर पुरवा कोतवाली पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम के साथ वाहन चेकिंग कर रही थी। तभी डीसीएम सवार बदमाशों का पुलिस से आमना-सामना हो गया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। तलाशी में पुलिस को डीसीएम में तस्करी कर ले जाए जा रहे 20 गोवंश मिले।

बता दें कि गो-तस्करी का इनपुट मिलने पर पुरवा कोतवाल अमरनाथ यादव एसओजी प्रभारी जयप्रकाश यादव व सर्विलांस टीम के साथ मिर्री चौराहा पर वाहनों की चेकिंग लगाए थे। तभी सामने से आई एक डीसीएम को पुलिस कर्मियों रोकने का प्रयास किया तो चालक गति बढ़ाकर भागने लगा। इस पुलिस ने डीसीएम का पीछा कर मिर्री खेड़ा रोड पर नहर पुलिया के पास स्थित धर्मकांटा के सामने उसे रोक लियो। खुद को घिरता देख डीसीएम सवार दो लोग पुलिस टीम पर फायर कर पैदल भागने लगे। जवाबी फायरिंग में भाग रहे दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से गिरकर घायल हो गए। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम उस्मान पुत्र हाशिम निवासी थाना मितौली जिला लखीमपुर खीरी व जयप्रकाश पुत्र देवकी नंदन निवासी सूरजपुर बघौरा थाना सफदरगंज बाराबंकी बताया। उन्होंने माना कि वे गौ-तस्करी करते हैं। डीसीएम में 20 गोवंश लादकर वह पुरवा से बिहार प्रांत जा रहे थे। पुलिस ने उनके पास तमंचा व कारतूस भी बरामद किया।

मुठभेड़ में घायल हुए गो-तस्करों को ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

नवंबर में हुई 4 मुठभेड़ों में 7 बदमाश हुए घायल

संवाददाता, उन्नाव : नवंबर माह में पुलिस से गो तस्करों की हुई चार मुठभेड़ों में 7 अपराधी घायल हुए है। बीते 17 नवंबर को आसीवन पुलिस ने चौधरी खेड़ा पुल के पास मुठभेड़ में फर्रुखाबाद निवासी सनी बंदरिया व हरदोई के राजा बाबू पकड़ा था। इनपर 10-10 हजार का इनाम घोषित था। वहीं 13 नवंबर को सदर कोतवाली क्षेत्र में दिनदहाड़े लखनऊ निवासी आरती की चेन लूट कर भागे बदमाश संतोष लोध को अगले दिन हुई मुठभेड़ के गिरफ्तार कर जेल भेजा था। थाना बारासगवर में 25 अक्टूबर को सराफा व्यापारी अखिलेश की दुकान से चोरों ने लाखों के जेवर पार किए थे। जिनकी तलाश में जुटी पुलिस चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को 3 नवंबर की रात मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था।

विधायक श्रीकांत कटियार का स्वागत करते बालाराव गुप्ता। ● अमृत विचार

स्वदेशी से मजबूत होगी अर्थव्यवस्था: विधायक

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बेहटा मुजावर स्थित आम्रपाली आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत मंडल युवा सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक श्रीकान्त कटियार ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। आज भारत रक्षा के क्षेत्र में लड़ाकू विमान तेजस, युद्धपोत, आईएनएस विक्रांत, अग्नि, पृथ्वी व ब्रह्मोस मिसाइलें बना रहा है। कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनने पर ही विकसित भारत बनेगा। कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बालाराव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष संदीप सिंह, भाजयुमो जिलामंत्री विवेक राजपूत, अरुणेंद्र पटेल, जयपाल पटेल व शिखर कटियार आदि कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया।

प्रतियोगिता से पहले कराएं ट्रायल

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में जिला खेल कार्यालय में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक हुई। इसमें विधायक-सांसद स्पर्धा प्रतियोगिता में होने वाली व्यवस्था पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने खेल विधाओं के चयन पर विचार विमर्श, आने वाले खिलाड़ियों के लिए भोजन, जलपान, स्वच्छ पेयजल, खेल महोत्सव में खिलाड़ियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा, सुरक्षा व प्रकाश व्यवस्था आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं के सम्बंध में कमेटी से चर्चा कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं के आयोजन से पहले ट्रायल कराएं। बच्चों का एक टेस्ट कराया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में भी खेल के प्रति लोगों में रुचि बढ़े जागरूक किया जाए। इसमें अधिक से अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग करें। प्रतियोगिताओं में इसके लिए अधिक से अधिक राजस्ट्रेशन कराया जाए। जिलाधिकारी ने स्टेडियम में ड्रेनेज, शौचालय, सर्विस लेन, खेलकूद कोच की व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाओं के लिए संघ के पदाधिकारियों की मांग पर जरूरी कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया।

बैठक में खिलाड़ियों की समस्याएं सुनते जिलाधिकारी गौरांग राठी। ● अमृत विचार

● जिला खेल प्रोत्साहन समिति की बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी गंभीर

शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में फोरलेन पर धोबी पुलिया के पास तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर घायल हो गया। हादसा बुधवार देररात 12 बजे उस समय हुआ जब दोनों युवक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक डीसीएम में फंसकर काफी दूर तक सड़क पर घिसटती चली गई। जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए।

पोनी रोड स्थित राजाराम साहू के मकान में मूलरूप से देवरिया पोस्ट निधुवामऊ, थाना मिश्रिख, जिला सीतापुर निवासी मुन्ना (35) अपनी पत्नी काजल और बेटा करन, बेटी मीरा के साथ किराये पर रहता था और फ्लेक्स बोर्ड लगाने का काम करता था। उसका साथी उमेश पुराना गंगापुल क्षेत्र का रहने वाला है। दोनों बुधवार रात मरहला चौराहा स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। लौटते समय बाइक जैसे ही धोबी पुलिया के पास पहुंची, पीछे से आ रही तेज रफ्तार

गमगीन खड़ी पत्नी और बच्चे व इनसेट में मुन्ना की फाइल फोटो। ● अमृत विचार

● डीसीएम में फंसकर बाइक काफी दूर तक घिसटती चली गई

डीसीएम ने बाइक में सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मुन्ना की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पत्नी काजल और बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि डीसीएम चालक पुलिस हिरासत में है और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। मृतक की पत्नी की तहरीर पर डीसीएम चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

फीता काटकर कक्ष का लोकार्पण करते शिक्षक विधायक। ● अमृत विचार

शिक्षक विधायक ने किया कक्ष का लोकार्पण

उन्नाव, अमृत विचार : सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज मोती नगर में नवनिर्मित कक्ष का उद्घाटन शिक्षक विधायक राजबहादुर सिंह चंदेल ने फीता काटकर किया। इसमें आयोजित समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ तथा गणेश वंदना, स्वागत गीत, कक्षा 11 की छात्रा वैष्णवी सोनवानी व मानवी कक्षा 10 की छात्रा के साथ वाद विवाद प्रतियोगिता भी सम्पन्न हुई। विद्यालय में शिक्षण कार्य कर चुके कृष्णा कुमार बाजपेयी, पूर्व प्रवक्ता-हिन्दी, मनीष तिवारी, सिराज भौतिक विज्ञान संतोष त्रिपाठी, कल्पना, श्रीकांत मिश्रा, ममता श्रीवास्तव, दिलीप, अजय, प्रमिला, जोया, स्नेहा आदि शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। प्रबंधक नवीन भारतीय ने कहा कि यह कक्ष शिक्षक विधायक निधि से तैयार कराया गया है। उन्होंने मुख्य अतिथि का आभार जताते हुए उन्हें स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया।

गैस सिलेंडर में ब्लास्ट से मकान हुआ धराशायी

हसनगंज उन्नाव

अमृत विचार: हसनगंज कस्बे में गुरुवार सुबह एक घर में गैस सिलेंडर में ब्लास्ट होने से अफरा-तफरी मच गई। घटना आर्यावर्त ग्रामीण बैंक के सामने स्थित मोहल्ले में उस समय हुई जब स्थानीय निवासी ज्ञानेंद्र सिंह के घर में अचानक जोरदार धमाका हुआ। ब्लास्ट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और आसपास के कई घरों की खिड़कियां तक हिल गईं।

धमाका होते ही आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और तुरंत इसकी जानकारी हसनगंज पुलिस व अग्निशमन विभाग को दी। सूचना पर हसनगंज फायर बिग्रेड की टीम व पुलिस मौके पर पहुंची। ब्लास्ट की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि घर के हिस्से उड़कर दूर-दूर तक फैल गए और दीवारों में छेद हो गए। सौभाग्य से जिस समय यह हादसा हुआ घर के सभी परिजन सुरक्षित बाहर निकल गए थे। जिससे जनहानि से बचाव हो सका। पड़ोसियों ने बताया कि धमाके की आवाज सुन ऐसा लगा कि जैसे कोई बड़ा विस्फोट हुआ हो। लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए और पूरा इलाका दहशत में आ गया। फायर बिग्रेड की टीम ने लगातार पानी डालकर आग को फैलने से रोकने में जुटी रही। आग

मकान में लगी आग बुझाते दमकल कर्मी। ● अमृत विचार

● आसपास के मकानों की खिड़कियों के भी टूटे शीशे

बुझाने के बाद दमकल विभाग ने क्षतिग्रस्त हिस्सों की जांच की और अनुमान लगाया कि गैस रिसाव के चलते यह बड़ा ब्लास्ट हो सकता है। घटना के समय घर में खाना बनाने की तैयारी चल रही थी। रिसाव कब शुरू हुआ इसकी जांच पुलिस व फायर विभाग द्वारा की जा रही है। प्रारंभिक रिपोर्ट में सामने आया कि सिलेंडर के रेगुलेटर या पाइप में खराबी के कारण गैस जमा हो गई थी। जिसने चिंगारी लगते ही भयानक विस्फोट का रूप ले लिया। कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि सिलेंडर में आग लगने से धमाका हुआ है। घटना की जांच की जा रही है।

लखनऊ में राष्ट्रपति के आगमन से शहर में बदला रहेगा यातायात

उन्नाव, अमृत विचार: लखनऊ में शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को देखते हुए यातायात विभाग ने शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम व बेहतर बनाने के लिए डायवर्जन व्यवस्था लागू की है। यातायात प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि यह डायवर्जन रात 11 बजे से 28 नवम्बर को कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रहेगी। बताया कि दही चौकी पुरवा तिराहा मोड़ से अम्बेडकर नगर, बस्ती, सन्तकबीर नगर, गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज, कुशीनगर, बलिया, गाज़ीपुर, आज़मगढ़ आदि की ओर जाने वाले भारी वाहन दही चौकी पुरवा तिराहा मोड़ से पुरवा, मौरावां, बछरावां, हैदरगढ़ से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए गंतव्य को जा सकेंगे। वहीं, गदनखेड़ा फ्लाई ओवरब्रिज के नीचे से अम्बेडकर नगर बस्ती संतकबीर नगर, गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज, कुशी नगर, बलिया, गाज़ीपुर, आज़मगढ़ आदि की ओर जाने वाले भारी गदनखेड़ा फ्लाई ओवर ब्रिज के नीचे से बीघापुर, लालगंज, गुरुबक्शगंज, बछरावां से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए गंतव्य को जा सकेंगे।

● डायवर्जन व्यवस्था देररात 11 बजे से 28 नवम्बर कार्यक्रम समाप्ति तक रहेगी प्रभावी

क्षतिग्रस्त पेयजल पाइप लाइन का काम शुरू

● अमृत योजना: आरओबी पिलर से 10 फीट दूर डाली जाएगी नई पाइप लाइन

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार: लगभग छह माह पहले सरैयां स्कूल के पास रेलवे ओवरब्रिज के पिलर की पायलिंग के दौरान क्षतिग्रस्त हुई अमृत योजना की भूमिगत पेयजल पाइपलाइन को अब एक नए मार्ग से बिछाने का कार्य शुरू हो गया है। जल निगम द्वारा गुरुवार से यह कार्य प्रारंभ कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, पिछले पिलर के निर्माण कार्य के दौरान रेलवे की कार्यदायी एजेंसी गिरिराज कंस्ट्रक्शन द्वारा पाइपलाइन को नुकसान पहुँचाया गया था। इस घटना के बाद जल निगम ने रेलवे को इसकी सूचना दी और बिना अनुमति के कार्य करने पर आपत्ति जताई। इस मामले को लेकर रेलवे बोर्ड ने जल निगम को हर्जाना भी अदा किया था। अब नई योजना के तहत, जल निगम पुराने स्थान से दस फीट दूर, आरओबी पिलर के पीछे से नई भूमिगत पाइपलाइन बिछाएगा। जल निगम के सहायतक अभियंता अमित कुमार ने बताया कि यह पाइपलाइन गंगा बैराज से सीधे सरैयां रेलवे क्रॉसिंग तक भूमिगत ही आती है। क्रॉसिंग को पार करने के बाद इसे मरहला चौराहे तक लाया जाएगा, जहां इसे शुक्लागंज की मुख्य पाइपलाइन से जोड़ दिया जाएगा।

आरओबी के पास जल निगम द्वारा शुरू कराया गया पाइप लाइन डालने का काम। ● अमृत विचार

सड़क दुर्घटना में चली गयी युवक की जान

संवाददाता उन्नाव

● मलिहाबाद मार्ग पर बरगदिया बाबा मंदिर के पास हुई घटना

अमृत विचार: हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के मटरिया गांव निवासी उदयभान सिंह (30) पुत्र स्व. जयचंद बुधवार को किसी काम से धौरा गांव गया था। जहां से लौटते समय कोतवाली क्षेत्र के मोहान-मलिहाबाद मार्ग पर बरगदिया बाबा मंदिर के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गया।

चर्चा रही कि उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसली थी। सूचना पर चचेरा भाई पहुंचा लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। उदयभान के माता-पिता की मौत हो चुकी है। अभी उसकी शादी नहीं हुई थी। वह दो भाइयों में छोटा था। बड़ा भाई इंद्रपाल परिवार सहित लखनऊ में रहता है। उसने बताया कि उदयभान खेती का काम देखता था और घर में अकेला रहता था। पड़ोसी चचेरे भाई शैलेश के यहां खाना खा लेता था।

कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया युवक की मौत की सूचना मिली थी। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हसनगंज में तेंदुए की दस्तक से हड़कंप

हसनगंज, उन्नाव

अमृत विचार: खेत गए किसानों ने तेंदुआ देखा तो आसपास के गांवों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने देररात तक कॉम्बिंग की। लेकिन कोई पता नहीं चल सका। गुरुवार को कांबिंग के दौरान तेंदुए के पंजे के निशान मिलने पर जांच के लिए भेजा गया है।

बता दें कि बीती बुधवार देरशाम किसान खेतों से वापस आ रहे थे तभी उन्हें समदपुर भावा व रसूलपुर बकिया गांव के बीच तेंदुए की चहलकदमी दिखी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे रेंजर राजवीर सिंह सेंगर व डिप्टी रेंजर सुभाष चंद्र ने ग्रामीणों के साथ देररात तक जंगल में कांबिंग की। लेकिन तेंदुए का कुछ पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह दोबारा कांबिंग के दौरान तेंदुए के पंजे के निशान मिलने पर वन विभाग ने पुष्टि के लिए उसकी फोटो एक्सपर्ट के पास भेजी है। फिलहाल वन विभाग ने आसपास के गांवों के किसानों को सतर्क रहने के लिए आगाह किया है। उन्होंने कहा है कि शाम व रात में खेत जाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें व अकेले बाहर जाने से परहेज करें। रेंजर राजवीर सिंह सेंगर ने बताया कि तेंदुआ नहीं दिखा है। फुटप्रिंट एक्सपर्ट के पास जांच को भेजे गये हैं। रिपोर्ट आने पर पुष्टि होगी कि वह तेंदुआ है या अन्य कोई जानवर है।

जांच करती वन विभाग की टीम। ● अमृत विचार

● वन विभाग ने की कांबिंग लेकिन नहीं चला कुछ पता

समझौता इस एमओयू से वैश्विक साझेदारी को मिलेगी नई मजबूती, समझौते से छात्र-फैकल्टी विनिमय, संयुक्त शोध परियोजनाओं को मिलेगा सहयोग

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का ऑस्ट्रेलिया की न्यूकैसल विश्वविद्यालय संग एमओयू

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश की पहली निजी एआई-ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश कैंपस ने अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, शोध व स्किल डेवलपमेंट को नई गति देने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूकैसल के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता छात्र-फैकल्टी विनिमय, संयुक्त शोध परियोजनाओं, अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं और उद्योग-अनुकूल स्किल ट्रेनिंग कार्यक्रमों में सहयोग को समर्पित है।

एमओयू के तहत छात्रों को सेमेस्टर एक्सचेंज, शॉर्ट-टर्म इंटर्नशिप, ग्लोबल ट्रेनिंग, वर्कशॉप और विभिन्न संस्कृतियों व आधुनिक शिक्षा मॉडल को समझने का वैश्विक अनुभव प्राप्त होगा। वहीं शिक्षकों के लिए को-टीचिंग, संसाधन आदान-प्रदान और संयुक्त शोध गतिविधियों के अवसर खुलेंगे। दोनों संस्थान भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर एआई, साइबर सुरक्षा, सतत विकास, इंजीनियरिंग, हेल्थ, आईटी, एनवायरमेंटल साइंस एवं साइंस-टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में इनोवेशन आधारित रिसर्च को बढ़ावा देंगे। एमओयू समारोह में यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूकैसल का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल उपस्थित रहा, जिसमें प्रो वाइस-चांसलर (ग्लोबल) डॉ. एलेक्ज़ेंडर वोनिन्स्की, डीन एवं हेड (स्कूल ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड फिजिकल साइंसेस) प्रो. करेन ब्लैकमोर और इंटरनेशनल डायरेक्टर डॉ. गुरप्रीत शामिल रहे। दल ने सीयू यूपी की एआई-ड्रिवन लैब्स, हाइटेक इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षण मॉडल का निरीक्षण कर उसकी सराहना की। समझौते पर सीयू यूपी की ओर से मैनेजिंग डायरेक्टर जय इंदर सिंह संधू और न्यूकैसल यूनिवर्सिटी की ओर से डॉ. वोनिन्स्की ने औपचारिक हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर जय इंदर सिंह संधू ने कहा कि यह साझेदारी छात्रों व शोधकर्ताओं को विश्वस्तरीय शिक्षा, स्किल और शोध के अवसर प्रदान कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगी। डॉ. एलेक्ज़ेंडर वोनिन्स्की ने कहा, मैं यहाँ आकर खुश हूँ और सीयू यूपी से प्रभावित हूं। अगले मई से हम स्टूडेंट एक्सचेंज, पाठ्यक्रम विकास, को-टीचिंग और फैकल्टी सहयोग पर काम शुरू करेंगे। भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध मजबूत हैं और हम । साइबर सुरक्षा, सतत विकास व नवाचार जैसे क्षेत्रों में साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। यह साझेदारी हमें उत्साहित करती है। कार्यक्रम में प्रो-वाइस-चांसलर प्रो. डॉ. टी.पी. सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. अजय कुमार यादव, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (इंटरनेशनल अफेयर्स) डॉ. राजन शर्मा सहित विभिन्न स्कूलों के डीन, डायरेक्टर्स और एचओडी मौजूद रहे। सभी ने इसे सीयू यूपी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

एमओयू के दौरान चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उप्र व यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूकैसल के प्रतिनिधि।

अलग-अलग स्थानों पर ऑटो पलटने से सात लोग घायल

बिछिया उन्नाव, अमृत विचार: सदर कोतवाली व दही थानाक्षेत्र में ऑटो पलटने से 7 लोग घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया। जहां से एक ऑटो चालक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया।

अजगैन कोतवाली क्षेत्र के जनसार गांव निवासी अजय (24) आटो चालक है। गुरुवार सुबह 10 बजे वह सवारी बैठाकर उन्नाव आ रहा था। तभी लखनऊ-कानपुर हाईवे पर दही थानांतर्गत केंद्रीय विद्यालय पुल पर अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो पलट गया। जिससे इसमें बैठी गुड़िया (40) पत्नी रामबाबू निवासी गांव पतारी सदर कोतवाली, उसकी बेटियां प्रियंका व प्रियांशी, जनसार गांव निवासी नैंसी पुत्री उमेश दीक्षित व इसी गांव के उज्ज्वल पुत्र आजाद घायल हो गए। जिन्हें दही पुलिस ने जिला अस्पताल भेजा। वहीं सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला तालिब सरांय निवासी शाकिर पुत्र जावेद ऑटो से अपने परिवार की महिलाओं को लेकर रसूलाबाद एक रिश्तेदार की शादी में जा रहा था। कोतवाली क्षेत्र के उन्नाव-हरदोई मार्ग पर दोस्तीनगर चौकी के पास तेज रफ्तार बाइक से टकराकर ऑटो पलट गया। इसमें शाकिर गंभीर घायल हो गया। हेड इंजरी के चलते उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया।

www.amritvichar.com

अमृत विचार

कानपुर महानगर

कानपुर, शुक्रवार,28 नवंबर 2025

सुविचार

प्रकृति अपरिमित ज्ञान का भंडार है, पत्ते-पत्ते में शिक्षापूर्ण पाठ हैं, परंतु उससे लाभ उठाने के लिए अनुभव आवश्यक है।

-हरिऔध

कानपुर के प्रमुख समाचार

- जेसीपी की पाती पर पलटवार, पुलिस बैकफुट पर- II
- सेना को साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण देगा आईआईटी- III
- एसआईआर में लापरवाही, सहायक बीएलओ निलंबित- IV

आज का मौसम

आसमान साफ रहने की संभावना है तथा धूप खिलने से दिन का तापमान राहत भरा रहेगा।

25.7°	08.2°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 37	सूर्यास्त 05 : 16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

डॉ.शाहीन को गुपचुप तरीके से कानपुर लाई एनआईए और एटीएस, छानबीन के बाद लौटी

डॉ. शाहीन के नेटवर्क से साक्ष्य जुटाने में जुटीं एजेंसियां

आतंक के आका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिल्ली धमाके की आरोपी डॉ. शाहीन के कॉटेक्ट और कनेक्शन खंगालने के बाद एनआईए व एटीएस अब साक्ष्य जुटाने में जुटी है। शाहीन को रिमांड पर लेकर टीम दो दिन से यूपी के कई जिलों में घूमी। कानपुर, लखनऊ व वाराणसी में सुरागरसी की, लेकिन पता नहीं चला। कानपुर से तीन और लखनऊ से दो लोगों को एजेंसी ने हिरासत में लेकर दिल्ली की स्पेशल सेल हो सौंपा है। हिरासत में लिए गए लोगों की शाहीन के साथ एजेंसी को फुटेज मिली थी। एजेंसी ने कानपुर व प्रयागराज जाने वाले टोल की फुटेज भी चेक की। जो कारें खरीदी गईं थी, उनकी जानकारी भी जुटाई।

सुरक्षा एजेंसी के सूत्रों के हवाले से हिरासत में लिए गए लोगों के साथ डॉ. शाहीन की बीते अगस्त में फुटेज मिली है। जम्मू-कश्मीर नंबर वाली थार की भी फुटेज मिली। थार में शाहीन के साथ चार लोग दिखे, जो कश्मीरी ऐसे दिख रहे हैं। सभी कश्मीरी हैं, इस बारे में एजेंसी शाहीन से पूछताछ कर रही है। इसके अलावा इटावा एक्सप्रेस वे स्थित ढाबे के बाद बारा टोल पर कानपुर आते दिखी थार में वेपन भी दिखे। सोमवार व मंगलवार को शाहीन को एजेंसी गुपचुप कानपुर लाई और थार से वह कहां गई, इसकी पुष्टि की। शाहीन के बयान अनुसार तीन लोगों को सुरक्षा एजेंसी ने हिरासत में लिया। वहीं कानपुर में खरीदी गईं कारों की भी जानकारी ली। साथ ही सुरक्षा एजेंसियों ने लखनऊ व प्रयागराज जाने वाले टोल की फुटेज भी चेक की। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार जैश-ए-मुहम्मद की लेडी विंग कमांडर शाहीन का भय उससे जुड़े लोगों में है।

कानपुर में जब डॉ. शाहीन को लेकर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया तो आमना-सामना होते ही तीनों ने आपा कहकर सलाम किया। लखनऊ में भी इसी तरह के दृश्य सामने आए। समय के अभाव में सुरक्षा एजेंसी नोएडा चली गईं, लेकिन गुपचुप सुरागरसी जारी है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे है।

वहीं शाहीन ने जो स्लीपर सेल कानपुर व लखनऊ में बताए, उनके घरों में ताले लटक रहे हैं। हिरासत में लिए लोगों ने खुद को स्लीपर सेल के घर सिर्फ आना-जाना ही बताया, लेकिन सामना होते ही जो रुझान दिखे वह संदेह के लिए काफी हैं। हिरासत में लिए गए तीनों मूलरूप से जौनपुर के हैं, सवाल यह है कि कानपुर में क्या कर रहे थे। अपना पेशा मजदूरी बताया, लेकिन उनके घरों में एसी के साथ सुख के सभी साधन मिले।

डॉ.शाहीन।

- डॉ.शाहीन से सामना कराने के बाद तीन संदिग्ध दिल्ली की स्पेशल सेल को सौंपे गए
- कानपुर देहात और प्रयागराज रूट पर टोल के फुटेज चेक कर कारों की जानकारी भी जुटाई

आईबी को अभी हथियारों की तलाश

आईबी की ऑपरेशनल विंग और एजेंसी की लोकल यूनिट को कानपुर व लखनऊ में आधुनिक हथियारों की तलाश है। जिसमें टीम जुटी है। जो फुटेज बारा टोल प्लाजा और ढाबे के पास मिले, उनमें एक थार के पीछे वाली व आगे की सीट के बीच में बॉक्स दिखा। एजेंसी का मानना है कि इस बॉक्स में आधुनिक हथियार हो सकते हैं। थार का चालक कशमीरी लिबास में दिखा है। शाहीन और उसके संगठन जैश के निशाने पर कुछ लीडर थे, यह नाम इंटेलीजेंस ने शासन को दे दिए थे। जिसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। एक बड़ी बात है कि सुरक्षा एजेंसियों ने अब तक न तो यूपी पुलिस से कोई जानकारी साझा की और अपना लोकल नेटवर्क भी यूज नहीं किया। जिन लोगों हिरासत में लिया अपने स्थान पर पहुंचने के बाद ही जानकारी साझा की।

कानपुर छोड़ने के बाद बदला अंदाज

एजेंसी के सूत्रों के अनुसार डॉ. शाहीन ने कानपुर से जाने के बाद अपना रहन-सहन भी बदल दिया। यहां रहकर भले ही आम लोगों के सामने शांत और शालीन दिखती रही, लेकिन कानपुर से जाने के बाद पूरी तरह वेस्टर्न कल्चर में नजर आई। लोगों के सामने दीन-ईमान की बात, विंग में शामिल करने के लिए महिलाओं को इस्लाम का वास्ता देने की फितरत का अंदाज बिल्कुल अलग रहा। हालांकि उसकी यह आदत घरवाले भांप गए थे, शायद इसीलिए ही किनारा कर लिया था, जबकि उसका भाई परवेज उसके साथ ही रहा।

‘मंगल भवन’ में गरीब कर सकेंगे अच्छी शादी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में अत्याधुनिक मंगल भवन बनकर तैयार हो गया है, जिसका 30 नवंबर को उद्घाटन कराने की तैयारी है। अल्प आय वर्ग के परिवार मांगलिक कार्यक्रमों के लिए महज 11 हजार रुपये देकर मंगल भवन बुक कर सकेंगे।

2500 वर्ग मीटर में अत्याधुनिक भवन के निर्माण में दो करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यह किसी महंगे गेस्ट हाउस से कम नहीं है। यहां ठंड से बचाव के लिए ब्लोअर लगाए गए हैं और गर्मी के मौसम में उमस से राहत देने के लिए सेंट्रल एसी लगाए गए हैं। गरीब परिवारों की मदद के लिए जेसीआई कानपुर इंडस्ट्रियल और नगर निगम के संयुक्त प्रयासों से ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में मंगल भवन का निर्माण किया गया है। ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुसार निर्मित यह भवन पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और आधुनिकता का आदर्श नमूना प्रस्तुत करेगा। निर्माण खर्च जेसीआई मेम्बर्स के सीएसआर फंड से किया गया है। हॉल, आधुनिक रसोईघर, पार्किंग, सौर ऊर्जा की सुविधाएं हैं। भवन विवाह और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए बुक होगा। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने शिलान्यास में महापौर प्रमिला पांडेय और जेसीआई प्रेसीडेंट की प्रशंसा भी की थी।

मंगल भवन। अमृत विचार

- अल्प आय वर्ग के परिवारों को ही मिल सकेगा भवन का फायदा

सामूहिक विवाह के साथ होगी शुरुआत

जेसीआई प्रेसीडेंट प्रणीत अग्रवाल ने बताया कि भवन की शुरुआत सामूहिक विवाह से होगी। इस प्रोजेक्ट ने इंटर नेशनल पहचान बनाई है। पिछले दिनों शहर आए जेसीआई वर्ल्ड वाइस प्रेसिडेंट हिरोकी टोमोरी (जापान) ने भी सराहना की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार और संगठन ऐसे परिवर्तन ला सकते हैं।

सिटी ब्रीफ

नेगी गेस्ट हाउस में जीएसटी का छापा

कानपुर। आवास विकास स्थित नेगी गेस्ट हाउस में गुरुवार को राज्य जीएसटी की टीम ने छापेमारी की। विभाग की टीम कई गाड़ियों से गेस्ट हाउस में पहुंची और कार्यालय को सील कर दिया। जिसके बाद टीम गेस्ट हाउस के दस्तावेजों की जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि गेस्ट हाउस संचालकों की ओर से लंबे समय से टैक्स जमा नहीं किया जा रहा था। जिसको लेकर विभाग की ओर से कई बार संचालकों को नोटिस भी जारी किए गए थे। नोटिस के बाद भी संचालाकों ने इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया। जिसके बाद टीम ने गुरुवार को निरीक्षण किया। जीएसटी अधिकारियों ने बताया कि नेगी गेस्ट हाउस के संचालक पिछले कई सालों से टैक्स जमा नहीं कर रहे थे।

दूध में व्हाइटनर की मिलावट पकड़ी

कानपुर। सहायक खाद्य) आयुक्त की टीम ने घाटमपुर में मूसानगर रोड पर जगतपुर स्थित लीला डेरी चिलिंग सेंटर पर छापा मारा। यहां दूध के अलावा ट्राइ सोडियम नाइट्रेट, नॉन डेरी बेस्ड बेवरेज व्हाइटनर, तथा स्किम्मड मिल्क पाउडर मिला। टीम ने दूध के दो नमूने सहित कुल 5 नमूने लिए। शेष बचा 98 किलोग्राम ट्राइ सोडियम नाइट्रेट, 250 पैकेट स्किमड मिल्क पाउडर, 25 पैकेट नॉन डेरी बेस्ड व्हाइटनर सीज किया। गंभीर मिलावट की आशंका पर कुल 7000 लीटर दूध की बिक्री को जब्त करते हुए जांच के लिए सैंपल भेजा गया है। जांच टीम ने घाटमपुर थाने में रिपोर्ट कराया है।

परीक्षा में छात्रा नकल करते पकड़ी गई

कानपुर। सीएसजेएम विश्वविद्यालय की सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में 33,034 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। इनमें 14136 छात्र और 18898 छात्राएं शामिल थीं। 1613 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जिनमें 958 छात्र एवं 655 छात्राएं हैं। एक छात्रा को अनुचित साधन प्रयोग में पकड़ा गया। विश्वविद्यालय परीक्षा सातों जनपदों में सुचारु रूप से सम्पन्न हुई।

19 दिन डिजिटल अरेस्ट रिटायर्ड इंजीनियर से 42.50 लाख की ठगी

जेट एयरलाइंस के संस्थापक से जुड़ी मनी लॉड्रिंग का हवाला देकर डराया-धमकाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शातिर साइबर ठगों ने पॉवर ग्रिड से सेवानिवृत्त इंजीनियर को डिजिटल अरेस्ट कर 19 दिन में 42.50 लाख रुपये की ठगी की। शातिर ने खुद को सीबीआई में तैनात आईपीएस अफसर बताकर घुड़की दी। जेट एयरलाइंस के संस्थापक नरेश गोयल से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले का हवाला देकर इंजीनियर को रौंब में लिया और 19 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में डरा-धमकाकर रखा।

बर्रा के जूही कला स्थित एक अपार्टमेंट में रहने वाले पॉवर ग्रिड से सेवानिवृत्त इंजीनियर राजेंद्र प्रसाद के अनुसार सात अगस्त को उनके मोबाइल पर एक अनजान व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को सीबीआई में तैनात आईपीएस अधिकारी बताया। परिचय देने के बाद उसने कहा कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल करके मुंबई के केनरा बैंक में फर्जी खाता खोला गया, जिसका उपयोग जेट एयरलाइंस के संस्थापक के मनी लॉड्रिंग मामले में हुआ है। इसके बाद शातिर ने डराने के लहजे में घुड़की दी कि सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के लिए वीडियो कॉल पर उपस्थित भी रहना होगा।

उन्होंने अपनी बात रखनी चाही तो शातिर ने डरा लिया और कहा कि लगातार वीडियो कॉल पर रखना होगा और इस अवधि में किसी से बात नहीं होगी। इसके बाद साइबर ठग ने कहा कि जांच के दौरान उनके सभी खातों में जमा रकम आरबीआई के बताए गए खातों में ट्रांसफर करनी होगी। जांच प्रक्रिया पूरी होने पर 72 घंटे में अंदर उनका पैसा फिर खातों में वापस कर दिया जाएगा। डर के कारण इंजीनियर ने 11 से 21 अगस्त के बीच पांच बार में कुल 42.50 लाख रुपये बताए गए मुंबई के विभिन्न बचत और चालू खातों में आरटीजीएस कर दिए। ठगी का अहसान होने पर पुलिस व साइबर सेल में शिकायत की।

- व्हाट्सएप कॉल करने वाले शातिर ने खुद को सीबीआई का आईपीएस अफसर बताया
- 11 से 21 अगस्त के बीच 5 बार में बचत और चालू खातों में आरटीजीएस

मुनाफे का लालच देकर 4 लाख रुपये ठगे

कानपुर। किदवईनगर में निवेश कर मुनाफा कमाने का लालच देकर शातिरों ने युवक को जाल में फंसाया। विश्वास में लेकर मोबाइल एप के जरिए निवेश कराया और चार लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने दो महिलाओं समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। जूही सफेद कालोनी निवासी गगन श्रीवास्तव ने बताया कि वह सात साल से मोदी केयर से जुड़े है। मोदी केयर प्रोडक्ट खरीदने के दौरान ही 2024 में उनकी मुलाकात डिस्ट्रीब्यूटर वनिका तूली से हुई थी। वनिका ने एमएल कंपनी में निवेश कर लाभ कमाने का लालच दिया। बताया कि कंपनी में मोबाइल एप के जरिए निवेश कर पैसा कमा सकते हैं। वह लालच में आ गए। 17 मई 2025 को वनिका के कहने पर 15 हजार रुपये निवेश कर दिया। इसके बाद कंपनी के आगरा ब्रांच से रविंद्र कपूर, संचालक संदीप भाटिया और मीरा ने दूसरों का पैसा निवेश कराकर कमीशन भी देने का झांसा दिया। इस पर उन्होंने 21 जुलाई 2025 तक करीब चार लाख रुपये निवेश कराए, लेकिन किसी को भी मुनाफे की रकम नहीं मिली। इस पर उन्होंने रकम मांगी तो आरोपियों ने मोबाइल स्विचऑफ कर लिया। ठगी का अहसास होने पर पुलिस से शिकायत की। किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर वनिका तूली, रविंद्र कपूर, संदीप भाटिया और मीरा के खिलाफ ठगी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट का जज बनकर बैठा जालसाज

सेवानिवृत्त इंजीनियर राजेंद्र प्रसाद के अनुसार रकम ट्रांसफर के दौरान ही 18 अगस्त को शातिर ने फर्जी ऑनलाइन सुप्रीम कोर्ट में हियरिंग भी कराई। व्हाट्सए वीडियो कॉल होने से एक व्यक्ति जज बनकर बैठा दिखाई दिया। उसने कहा कि तुम्हारी धनराशि जांच में सही पाई गई है। हियरिंग के दौरान वकील बनकर खड़े शातिरों ने अनेकों सवाल किए। किसी भी जवाब पर आपत्ति भी नहीं जताई।

वकील की फीस एक लाख मांगने पर हुआ संदेह

इंजीनियर राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि पैसे ट्रांसफर व ऑनलाइन हियरिंग के बाद 26 अगस्त को शातिर ने एक लाख रुपये की वकील फीस मांगी, तब जाकर पूरे मामले पर संदेह हुआ। क्योंकि हियरिंग में वकील फीस कभी सुनी नहीं थी। संदेह पुख्ता तब हुआ जब नोएडा में नौकरी करने वाला उनका बेटे घर पहुंचा और उसने कॉल कटवाकर तुरंत साइबर थाने में शिकायत कराई।

कोई भी जांच एजेंसी डिजिटल अरेस्ट नहीं करती। खुद को प्रभावशाली बताकर डर और भ्रम पैदा करके यह ठगी की गई है। शातिर इसी तरह मानसिक रूप से नियंत्रित करने की रणनीति अपनाते हैं। रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

-दीपेंद्र नाथ चौधरी, डीसीपी साउथ

नगर निगम की टीम के सामने विरोध जताते पनकी के उद्यमी। अमृत विचार

पनकी में नगर निगम टीम का विरोध

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। औद्योगिक क्षेत्र पनकी में गुरुवार को उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई जब कानपुर नगर निगम की टीम बकाया वसूलने पहुंची। टीम भारी दल बल के साथ उद्योगों पर बीते तीन वर्षों का बकाया गृहकर दिखाते हुए सीलिंग की कार्यवाही करने के लिए पहुंची थी। इसकी सूचना मिलते ही इण्डियन इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल मौके पर पहुंचा। उद्यमियों ने कानपुर नगर निगम की इस कार्रवाई का कड़े शब्दों में विरोध किया।

संस्था के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 तक कानपुर नगर निगम द्वारा उद्यमियों को भेजे गए सभी बिल और गृहकर समय पर जमा कर दिए गए हैं। इसके बावजूद इस वर्ष कानपुर नगर निगम द्वारा गृहकर में अचानक अत्यधिक वृद्धि करते हुए उसकी डिमाण्ड वित्तीय वर्ष 2022-23 से लागू दिखायी जा रही है, जो पूरी तरह अनुचित है।

इस सम्बन्ध में वित्तीय वर्ष 2022-23 व 2023-24 व 2024-2025 में न तो पहले कोई नोटिस दिया गया और न यह स्पष्ट किया गया कि किस नियम या धारा के अंतर्गत यह कर बढ़ोत्तरी पीछे से लागू की गई है। उन्होंने कहा कि उद्यमी पहले से ही कई वित्तीय चुनौतियों से गुजर रहे हैं, ऐसे समय में पीछे से बढ़ाए गए टैक्स की वसूली करना उद्योगों पर अनावश्यक दबाव डालने जैसा है।

सीलिंग की धमकी अस्वीकार्य

संस्था के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने कानपुर नगर निगम की इस कार्यवाही को अनुचित, गैर-पारदर्शी और उद्यमियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली बताया। कहा कि उद्यमी उद्योग का संचालन कर न केवल रोजगार दे रहे हैं, बल्कि प्रदेश और देश के विकास के लिए समय पर टैक्स भी जमा कर रहे हैं। ऐसे में उद्योगों के सामने सीलिंग का डर दिखाना और फोर्स के साथ पहुंचकर उन्हें दबाव में लाने का प्रयास न केवल गलत है, बल्कि उद्यम समुदाय का मनोबल तोड़ने वाला भी है।

टैक्स मांगने का नियम बताएं

संस्था के अध्यक्ष आरके अग्रवाल ने कहा कि कानपुर नगर निगम पहले यह स्पष्ट करे कि किस कानून, धारा या अधिनियम के अंतर्गत पीछे के वर्षों से गृहकर बढ़ाया गया है। यदि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो यह कार्रवाई कानून विरोधी और दमनकारी मानी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि संस्था किसी भी परिस्थितियों में किसी उद्योग की सीलिंग नहीं होने देगी और ऐसी किसी भी अवैध कार्रवाई का कड़ा विरोध कियाजाएगा। इस मौके पर संस्था प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से संस्था के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल, अध्यक्ष आरके अग्रवाल, हर्षल अग्रवाल, जय हेमराजानी, दिनेश बरासिया, विक्रांत अग्रवाल, विशाल नड्डा, संदीप सावलानी सहित बड़ी संख्या में उद्यमियों ने विरोध दर्ज किया।

देखेगी दुर्दशा

झांसी नगर निगम के मुख्य अभियंता के नेतृत्व में आएगी टीम, 4 दिसंबर तक देनी होगी रिपोर्ट

शहर की सड़कों की हकीकत देखने आएगी शासन की टीम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में खुदी सड़कें बड़ी समस्या है। एक ओर सड़क बनती है दूसरे तरफ से नए कार्य के लिए बनी बनाई सड़कें खोद दी जाती है। यही वजह है कि पूरे शहर में गड्ढे ही गड्ढे हैं। बरसात के बाद भी बड़ी तादात में सड़कें छलनी हो गईं। नगर निगम और पीडब्ल्यूडी विभाग अपनी-अपनी सड़कों पर पैचवर्क कर जरूर रहा है, लेकिन यह पैचवर्क ज्यादा टिक नहीं पा रहे। जलनिगम की ओर से डाली जा रही पाइप लाइनों की वजह से सड़कों की सबसे ज्यादा दुर्दशा है। इससे शहर जनता परेशान है। अब शासन ने गड्ढामुक्त सड़कों की हकीकत के लिए टीम गठित की है।

बरसात खत्म होने के बाद शासन की ओर से दीपावली से पहले सड़कों के गड्ढों को भरने के आदेश दिए गए थे। इसके लिए नगर निगम और पीडब्ल्यूडी ने कुल 441 सड़कों पर 1092 किलोमीटर में हुए गड्ढों को भरने के लिए 17.48 करोड़ रुपये खर्च भी किए। इसके अलावा रामादेवी से आईआईटी तक जीटी रोड के गड्ढों को भरने के लिए अलग से बजट लगाया गया। लेकिन, बावजूद इसके आज भी शहर की कई प्रमुख सड़कें चलने लायक नहीं हैं। कंपनीबाग से रावतपुर चौराहे आने वाली सड़क पर राहगीरों का चलता दूभर है। यहां खोदाई के बाद दिनभर धूल उड़ रही है। जीटी रोड पर एक तरफ तो सड़क ठीक है, लेकिन दूसरी ओर थोड़ी-थोड़ी दूर पर गड्ढे हैं। जिसपर राहगीर हिचकोले खा रहे। दक्षिण में साकेत नगर दीप टॉकीज तिराहे से परागडेयरी तक एक तरफ की पट्टी पर पाइप लाइन डालने का कार्य किया जा रहा है, इससे सड़क पूरी तरह से बंद है। खोदाई कार्य की वजह से दिनभर यहां धूल उड़ रही है। मरियपुर से नजीराबाद थाने की ओर जाने वाली सड़क पर भी डॉट नाले के धंस जाने की वजह से कई जगह सड़क खुदी हुई है यहां सड़क को मोटरेबुल नहीं किया गया है।

सर्वोदय नगर के पास मुख्य मार्ग पर खोदा गया बड़ा गड्ढा।

कई जगहों पर खुदी पड़ीं सड़कें। अमृत विचार

- शासन की ओर से 17 सदस्सीय टीम का किया गया गठन

नगर पंचायत और पालिका क्षेत्र में भी निरीक्षण

झांसी नगर निगम के मुख्य अभियंता राजवीर सिंह शहर की सड़कों को देखने शहर आएंगे। शासन की ओर से गठित टीम के तहत उन्हें नगर निगम कानपुर सीमा की सड़कों का जायजा लेने की जिम्मेदारी दी गई है। नगरीय निकाय निदेशालय के निदेशक अनुज कुमार झा ने आदेश जारी कर कहा है कि अधिकारी 3 दिसंबर तक हर हालत में आवंटित नगर निगम क्षेत्र व आस-पास की नगर पालिका व पंचायत का रैंडम स्थलीय निरीक्षण करें और 4 दिसंबर को अपनी रिपोर्ट देने के निर्देश भी दिए हैं।

इन इलाकों की सड़कों पर गड्ढे

सचान चौराहे से शास्त्री नगर, बर्रा के विभिन्न इलाके, उस्मानपुर, निराला नगर, साकेत नगर पार्क के पास, ब्रह्मनगर चौराहे से ईदगाह तक मार्ग, बर्रा में रामगोपाल चौराहे से साउथ गार्डेन तक आदि।

20 लाख आबादी को पानी की आपूर्ति ठप

कानपुर। भैरो घाट पंपिंग स्टेशन का विद्युत पैनल बदलने के कार्य की वजह से उत्तर क्षेत्र में जलापूर्ति ठप रही। गुरुवार को करीब बीस लाख की आबादी को पीने का पानी न मिलने से हाहाकार मच गया।

पुराना कानपुर से सिविल लाइंस, सिविल लाइंस से पी रोड होते हुए दर्शनपुरवा, दर्शनपुरवा से स्वरूप नगर होते हुए तिलक नगर और यहां तक कि बेकनगंज और चमनगंज तक पानी की सप्लाई नहीं हुई। कई इलाकों में सबमर्सिबलों पर बाल्टियों में पानी भरने गए लोगों को कतार सी लग गई। जहां सबमर्सिल नहीं थे वहां लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ा। सुबह से रात आठ बजे तक जलकल और नगर निगम के कंट्रोल रूम के फोन नंबरों पर घंटी बजती रही। जलकल ने इस काम के लिए सिर्फ बुधवार की शाम तक का शट डाउन लिया था। गुरुवार की सुबह से जलापूर्ति सामान्य रूप से बहाल होनी थी मगर ऐसा नहीं हुआ।

वारंट जारी होने के बाद कोर्ट पहुंचे सुरेंद्र मैथानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सड़क दुर्घटना के मुकदमें में लंबे समय से गवाही देने नहीं पहुंचने पर सीजेएम सूरज मिश्रा की ओर से गैरजमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी होने के बाद गुरुवार को गोविंद नगर से भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 2 जनवरी की तारीख तय की है।

बतादें कि वर्ष 2011 में बेनाझाबर में एक हादसे में भाजपा विधायक के करीबी रिश्तेदार की मौत हुई थी। इसकी रिपोर्ट स्वरूपनगर थाने में दर्ज हुई थी। उसी मुकदमे के सिलसिले में भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी के बयान दर्ज होने हैं।

भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी ने 2011 में स्वरूपनगर थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि उनके रिश्तेदार पुनीत ढिमरी को बेनाझाबर में एक टेंपो ने टक्कर मारी थी। हादसे में पुनीत की मौत हो गई थी। उन्होंने मुस्ताक अली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामला सीजेएम कोर्ट में ट्रायल पर है। बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट ने कई बार समय दिया, लेकिन विधायक कोर्ट नहीं पहुंचे। जिसके बाद गुरुवार को सीजेएम कोर्ट ने विधायक के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी करते हुए गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के आदेश दिया। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तिथि दो जनवरी तय की है।

कोर्ट पहुंचे विधायक सुरेंद्र मैथानी।

सिटी ब्रीफ

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गया जेल

कानपुर। जाजमऊ में महिला के साथ लिव इन में रह रहे प्रेमी ने उसकी 13 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म किया। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जाजमऊ में किराए पर रहने वाली महिला ने जाजमऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पति से अलग होने के बाद वह कुछ सालों से 13 वर्षीय बेटी के साथ भेलपूरी का ठेला लगाने वाले अजीत नामक युवक के साथ लिव इन में रह रही थी। लेकिन पिछले एक साल से महिला के काम पर जाने के बाद आरोपी उनकी बेटी को डरा धमकाकर उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को पकड़कर पीड़िता का मेडिकल कराया था। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि गुरुवार को आरोपी को जेल भेजा गया है। साथ ही पीड़िता के मजिस्ट्रेटी बयान भी दर्ज कराए जाएंगे।

मारपीट का वीडियो वायरल, रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। रावतपुर में गाली-गलौज का विरोध करने पर आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर युवक को जमकर पीटा। बीच-बचाव करने वालों को भी मारा। घटना का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने संज्ञान लिया और आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। रावतपुर गांव के आनंदनगर निवासी गौरव गुप्ता ने बताया कि 24 नवंबर की रात करीब 12 बजे वह दादी मां होटल के पास से गुजर रहा था। तभी इलाके का असजद खान अपने 5-6 साथियों के साथ बैडमिंटन खेलते दिखा। आरोप है कि देखते ही असजद उनसे गाली-गलौज करने लगा। विरोध पर दोस्तों के साथ मिलकर मारापीटा। कुछ ही देर में और दोस्त आ गए। बीच-बचाव करने आए लोगों को भी पीटा। मारपीट के दौरान पीड़ित की सोने की चेन गिर गई। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

महिला का ऑटो में छूटा पर्स, पुलिस ने वापस कराया

कानपुर। रेलबाजार में एक महिला का रुपये व जेवर से भरा पर्स ऑटो में छूट गया। पीड़िता ने थाने में शिकायत की। पुलिस ने ऑटो चालक से संपर्क कर पर्स वापस कराया। रेलबाजार थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि कल्याणपुर की महिला नाजिया इरफान बीती 24 नवंबर को अपने बच्चों के साथ रेलबाजार में किसी रिश्तेदार के यहां आई थीं। टाटमिल चौराहा पर ऑटो से उतरने के बाद अपना पर्स भूल गई थी। बैग में करीब 42 हजार रुपये और 70 ग्राम के सोने के जेवर थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक कर ऑटो चालक को तलाशा और पर्स वापस कराया। पर्स पाकर महिला ने पुलिस के कार्य की प्रशंसा कर धन्यवाद दिया।

नशीला बिस्किट खिला कर चेन व अंगूठी लूटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रामादेवी चौराहा पर बस में सवार यात्री को बेहोश कर बनाया शिकार
- बहराइच डिपो की बस में सवार था, इलाज के बाद रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार। चकेरी में रामादेवी चौराहा पर जहरखुरान ने रोडवेज बस में सवार यात्री को नशीला बिस्किट खिलाकर बेहोश कर दिया। उसकी दो सोने की अंगूठी और चेन लूट ले गए। लखनऊ पहुंचने पर बस के कंडक्टर ने यात्री को बेहोशी की हालत में पुलिस के सुपुर्द किया। उपचार के बाद पीड़ित ने चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लखनऊ के गोमतीनगर सरस्वती अपार्टमेंट निवासी विनोद कुमार सिंह के अनुसार बीती 15 नवंबर को वह कानपुर किसी काम से आए थे। दोपहर करीब दो बजे वह लखनऊ जाने के लिए रामादेवी चौराहा पर बहराइच डिपो की बस में सवार हुए। विनोद ने बताया कि उनके बगल में एक युवक आकर बैठा और बिस्किट खाने लगा। युवक ने दबाव डाला तो एक बिस्किट उन्होंने भी खा लिया। जिसके कुछ देर बाद वह बेहोश हो गए। इसके बाद आरोपी युवक उनकी सोने की दो अंगूठी और चेन लूटकर रास्ते में उतर गया। विनोद ने बताया कि उनके बेटे ने उनकी लोकेशन लेने के लिए कई बार फोन भी किया, लेकिन बेहोश होने के कारण फोन नहीं उठा। लखनऊ पहुंचने पर कंडक्टर ने उनका फोन उठाया तो बेटे को बेहोश होने की जानकारी दी।

बेटे के कहने पर कंडक्टर उन्हें लखनऊ स्थित मटियारी पुलिस चौकी में उतार दिया। परिजनों ने पुलिस से संपर्क कर अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के बाद विनोद कुमार ने चकेरी थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की तलाश की जा रही है।

जेसीपी की पाती पर पलटवार, पुलिस बैकफुट पर

शैलेश अवस्थी, कानपुर

- जेसीपी की चिट्ठी पर भड़कीं महिला आयोग की सदस्य
- अनीता गुप्ता ने महिला आयोग की अध्यक्ष से की शिकायत

अमृत विचार। संयुक्त पुलिस आयुक्त विनोद कुमार सिंह की ओर से थाने के निरीक्षण के मुद्दे पर राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता को लिखी गई चिट्ठी और फिर उनके पलटवार करने के बाद मामले के पटाक्षेप की चर्चा गुरुवार को बेहद गरम रही। पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने भी सफाई दी कि गलतफहमी हो गई थी, जिसे दूर कर लिया गया है।

गौरतलब है कि संयुक्त पुलिस आयुक्त विनोद कुमार सिंह ने अनीता गुप्ता को लिखे पत्र में कहा कि "पुलिस विभाग के कार्य, व्यवस्था एवं आंतरिक कार्यप्रणाली से संबंधित निरीक्षण आपके अधिकार क्षेत्र में सम्मलित नहीं है, अतः भविष्य में ऐसे किसी भी निरीक्षण से बचा जाना अपेक्षित है, ताकि पुलिस विभाग अपनी संवैधानिक एवं प्रशासनिक ज़िम्मेदारियों का निर्वहन बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से कर सके। यह भी लिखा कि 'आप अपने प्रदत्त अधिकारों एवं शक्तियों के अंतर्गत ही कार्य करें।' यह चिट्ठी वायरल हुई और अनीता गुप्ता को जैसे ही मिली, वह बेहद नाराज हो गईं और इसे अपना अपमान मानते हुए संयुक्त पुलिस आयुक्त विनोद सिंह पर जुबानी पलटवार किया। उन्होंने चिट्ठी की भाषा को अभद्र बताते हुए महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान से शिकायत की। सूत्र बताते हैं कि इसके बाद बबीता चौहान और पुलिस आयुक्त रघुवीरलाल के बीच इस मुद्दे पर वार्ता हुई, जिसमें उन्होंने चिट्ठी में लिखी कटु भाषा का भी जिक्र किया और इसे अनुचित बताया। पुलिस आयुक्त ने उन्हें भरोसा दिया कि वह खुद इस मामले को देखेंगे और उचित रास्ता निकालेंगे। पुलिस आयुक्त रघुवीरलाल ने संयुक्त पुलिस आयुक्त विनोद सिंह से बातचीत की और फिर खुद चिट्ठी को पढ़ा। इसके बाद भाजपा के कुछ नेताओं ने भी दोनों पक्षो से बातचीत की। यह मामला प्रदेश के पुलिस महानिदेशक तक पहुंचा। बताया जाता है कि हर पक्ष से बातचीत के बाद मामले का पटाक्षेप हो गया। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल का कहना है कि महिला आयोग की अध्यक्ष तक बात पहुंच गई है, वही देखेंगी।

पहले भी हुए टकराव

- कानपुर देहात के अकबरपुर थाना प्रभारी पर कार्रवाई को लेकर राजमंत्री प्रतिभा शुक्ला और उनके पति पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी ने धरना दिया था, लेकिन थानेदार का सिर्फ दूसरे थाने में तबादला ही किया गया। इसके पहले विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने ग्वालटोली थाने में कार्यकर्ताओं के साथ बैठे थे।

पुलिस आयुक्त बोले- गलतफहमी हो गई थी, अब सब ठीक है

- पुलिस आयुक्त रघुवीरलाल ने मीडिया को बताया कि जेसीपी ने पत्र लिखा था। कुछ गलतफहमी हो गई थी। महिला आयोग की अध्यक्ष से भी मेरी बात हुई है। चिट्ठी में कटुभाषा की शिकायत है। जेसीपी से भी बात की है और पूरी जानकारी ली है। महिलाओं के सम्मान और उन्हें न्याय के लिए हम तालमेल से काम करेंगे। अब सब ठीक है।

अनीता गुप्ता ने कहा- निरीक्षण नहीं जानकारी करने थाने गईं थीं

- महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता का कहना है कि मैं थाने में निरीक्षण नहीं, महिला उत्पीड़न के मामले की जानकारी करने गई थी, थानेदार ने तो खुद मुझे रजिस्टर दिखाया था। अध्यक्ष बबीता जी को पूरी बात बता दी है। वह दिल्ली जा रही हैं, लौटने पर वार्ता होगी। इस मुद्दे पर मेरी न तो सीपी और न ही जेसीपी से कोई वार्ता हुई है। जो हुआ, वह आहत करने वाला है।

पति को वीडियो कॉल कर गले लगाई मौत

शराब पीने के लिए ठेका गए पति को वीडियो कॉल पर दिखाया फंदा और बोली खुदकुशी करने जा रही हूं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मोना की मां कैलाशी और बहन को समझाती पुलिस। अमृत विचार

मोनिका उर्फ मोना।

मोना की सहेलियों ने पति को घेरकर पीटा।

- जब तक पति ठेके से घर पहुंचा, तब तक फंदा लगाकर दे दी जान
- आए दिन कलह, पिटाई और रोक-टोक से आहत होकर उठाया कदम

अमृत विचार। रावतपुर में आए दिन की कलह और मारपीट से ऊबी महिला ने पति को वीडियो कॉल कर पंखे के कुंडे में कसा फंदा दिखाया और बोली, अब बहुत हुआ, आत्महत्या करने जा रही हूं। शराब पीने के लिए ठेके पर मौजूद पति भागा-भागा घर पहुंचा, लेकिन तब तक वह फंदे लटक चुकी थी और उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव निकाला। गुरुवार को पोस्टमार्टम हाउस में करीब चार घंटे तक हंगामा चला। पुलिस ने भरोसा देकर शांत कराया।

मूलरूप से कानपुर देहात जिले का रहने वाला शुभम दिवाकर यहां रावतपुर के शिवपुरी छपेड़ा पुलिया के पास रहता है। दिहाड़ी मजदूरी करने वाले शुभम ने सात साल पहले लक्ष्मीपुरवा झाड़ वाली गली निवासी 28 वर्षीया मोनिका उर्फ मोना से प्रेम विवाह किया था। परिजनों के बेदखल करने के बाद वह आदर्श नगर में किराए पर रहने लगा। इस समय उसके दो बच्चे आयशा और रचित हैं। मोना की बड़ी बहन पूनम का आरोप है कि शुभम शराब का लती है। आए दिन मोना से शराब के लिए पैसे मांगता था और मना करने पर पीटता था।

बहन पूनम के अनुसार जब परिवार के खर्च पर संकट आया तो मोना ने बच्चों को देखकर वेलकम गर्ल की नौकरी शुरू की। मायके से भी कोई सहारा नहीं है। पिता की 18 साल पहले मौत हो चुकी है। पूनम भी विधवा है, जो लक्ष्मीपुरवा में रहकर बुजुर्ग मां कैलाशी की देखभाल करती है। मां कैलाशी ने बताया कि मंगलवार को शुभम ने बेटी मोना के साथ मारपीट की थी। इस पर मोना ने रावतपुर थाने में तहरीर देकर के बाद बच्चों को लेकर लक्ष्मीपुरवा उनके पास आ गई थी।

इसके बाद शुभम के फोन करने पर बुधवार की सुबह मोना छपेड़ा पुलिया गई तो पति ने उससे फिर मारपीट की। दिन भर मारपीट करने के बाद शाम वह शराब पीने चला गया। इसी बीच जिंदगी से ऊबी मोना ने जान देने का फैसला कर लिया। मोना ने शाम छह बजे वीडियो कॉल किया तो शुभम शराब के ठेके में मौजूद था। वीडियो कॉल में मोना ने उसे फंदा दिखाया और फिर फंदे पर लटक गई। शुभम के अनुसार जब वह घर पहुंचा मोना की मौत हो चुकी थी। डॉयल 112 ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा।

पोस्टमार्टम हाउस में हंगामा, सहेलियों ने पीटा

- गुरुवार को मोनिका उर्फ मोना के शव का पोस्टमार्टम होना था। मोना के मायके वाले और सहेलियां भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंची थीं। मोना के परिजनों और सहेलियों ने आए दिन मारपीट का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। पति शुभम ने विरोध किया तो उसकी पिटाई भी की। हंगामे की सूचना पर रावतपुर थाने से पुलिस पहुंची और परिजनों को कार्रवाई का भरोसा दिलाकर शांत कराया। करीब चार घंटे हंगामा चला। शव के अंतिम संस्कार और बच्चों की देखभाल को लेकर बातचीत हुई। मायके वालों ने शुभम के खिलाफ तहरीर दी।

शुभम बोला, सहेलियां मोना को भड़काती थीं

- पति शुभम ने कहा कि मैं भी खासा परेशान था। मोना बच्चों को लेकर 15-15 दिन लक्ष्मीपुरवा मायके में रहती थी। मोना और बच्चों के बारे में उसे कुछ पता नहीं होता था। फोन करने पर नाराज होती थी। उसे खुद रोज होटल में खाना पड़ता था। उसका कहना है कि साथ में काम करने वाली सहेलियां मोना को भड़काती थीं। इसी वजह से आए दिन कलह होने लगी थी। वह बोला कि अगर पत्नी घर-परिवार की जिम्मेदारी समझती तो यह नौबत नहीं आती।

गुजैनी की मॉडल रोड पर बहा हजारों लीटर पानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गुजैनी एफ ब्लॉक जोनल पंपिंग स्टेशन मोड़ पर लीकेज

अमृत विचार। मॉडल रोड गुजैनी एफ ब्लॉक जोनल पंपिंग स्टेशन मोड़ पर पाइप लाइन में बड़ा लीकेज हो गया है। वॉटर वर्कर्स गुजैनी से पानी सप्लाई चालू होने पर हजारों लीटर पानी बह गया। इससे पूरी मॉडल रोड खराब होने की कगार पर पहुंच गई।

जन जागृति मंच के अध्यक्ष एवं दूर संचार सलाहकार समिति के सदस्य पंडित विनोद मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2005 में एक करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा उत्तर प्रदेश की पहली मॉडल रोड गुजैनी में बनवाई गई थी। सड़क बनने के एक माह के भीतर जल निगम द्वारा बड़े पाइप डालने के नाम पर पूरी मॉडल रोड को बीचो-बीच खोद दिया गया था। कई वर्ष सड़क दुर्दशाग्रस्त पड़ी रही। वर्ष 2017 के अंतिम माह में एक करोड़ की लागत से दोबारा सड़क का निर्माण कराया गया और जल निगम के लीकेज के कारण सड़क दूसरी बार फिर ध्वस्त हो गई। 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान एक करोड़ की लागत से फिर रातों-रात मॉडल रोड बनाया गया। लेकिन फिर से दूसरे ही दिन टेंपो स्टैंड गुजैनी चौराहे पर लीकेज बनाने के नाम पर सड़क फिर खोद कर लीकेज को बनाया गया। जोनल पंपिंग स्टेशन एफ ब्लॉक गुजैनी मोड़ पर भवन संख्या 24 के सामने पूरी सड़क खराब हो गई है।

गुजैनी की मॉडल रोड पर बहता पानी। अमृत विचार

ट्रक-ट्रैक्टर में भिड़ंत, हेल्पर की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

घटना की जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार। सेन पश्चिम पारा में वाहन को ओवरटेक करने के चक्कर में तेज रफ्तार ट्रक सामने से आ रहे ट्रैक्टर से भिड़ गया। ट्रैक्टर पर सवार हेल्पर की मौत हो गई, जबकि गंभीर घायल चालक आईसीयू में भर्ती है। हादसे की खबर परिजनों में कोहराम मच गया।

बिधनू के रामजीपुरम निवासी 44 वर्षीय अनिल राजपूत ईंट-भट्ठा के ट्रैक्टर पर हेल्पर थे। परिवार में पत्नी ममता और दो बेटे अरूण, कृष्णा व एक बेटी मुस्कान है। परिजनों ने बताया कि बुधवार रात डेढ़ बजे अनिल ट्रैक्टर चालक संजय के साथ ईंट लादकर जा रहे थे। बिनगवां मौरंग मंडी के पास थे, तभी घाटमपुर की तरफ जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सामने चल रहे वाहन को ओवरटोक किया और सामने से आ रहे ट्रैक्टर से सीधा भिड़ गया।

वाहनों की भिड़ंत में ट्रैक्टर सवार अनिल व संजय उछलकर दूर जा गिरे। ट्रैक्टर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और दोनों को समीप के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां अनिल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि संजय को आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

नौबस्ता में प्रधान के बंद घर का ताला तोड़ चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नौबस्ता के देवकीनगर निवासी विनय प्रताप सिंह सेमरुवा के प्रधान हैं। उनके पिता विजय सिंह राणा और मां किरन सिंह यहां रहती हैं। घर में और अंकुर चतुर्वेदी की टाइल्स की दुकान है।

प्रधान विनय ने बताया कि बुधवार को वह शादी में परिजनों के साथ गांव गए थे। गुरुवार सुबह अंकुर दुकान खोलने पहुंचा तो गुल्लक खुली और सामान बिखरा देख सन्न रह गया। चोर बाउंड्री पर चढ़कर पहले खंड की बालकनी पर पहुंचे और खिड़की की ग्रिल, कांच तोड़कर अंदर घुसे। भूतल की सीढ़ियों पर लोहे का दरवाजा देख चोरों ने आंगन का जाल काटा और साड़ी बांध नीचे उतरे। अंदर से लगा अंकुर की दुकान का कांच का दरवाजा तोड़ा। लॉकर के एक लाख रुपये, करीब पांच लाख के जेवर गायब थे। एसीपी चित्रांशु गौतम ने कहा कि प्रधान की तहरीर पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज की है। सीसीटीवी कैमरे में कैद तीनों चोरों की तलाश के लिए टीमें लगी हैं। जल्द चोरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

हादसे में मां की मौत, बेटा आईसीयू में

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सीता।

पोस्टमार्टम पहुंचे कैलाश चंद्र और बेटी सोनम।

अमृत विचार। बेटी की शादी का कार्ड बांटने इलाहाबाद जा रही महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल बेटा आईसीयू में भर्ती है। हादसे की खबर पर शादी वाले घर में कोहराम मच गया। एक दिसंबर को शादी होनी थी। महाराजपुर थाने की पुलिस सीसीटीवी फुटेज से वाहन का पता लगा रही है।

बिधनू थाना क्षेत्र के रामजीपुरम निवासी कैलाशचंद्र लखनऊ में ईंट भट्ठा पर मुंशी हैं। परिवार में 50 वर्षीय पत्नी सीता और तीन बेटे सुमित, अमित, विनोद व दो बेटियां पूनम, सोनम हैं। परिजनों ने बताया कि 19 नवंबर की दोपहर सीता बेटे अमित के साथ बाइक से इलाहाबाद रिश्तेदारों के यहां शादी का कार्ड देने जा रही थीं। दोनों महाराजपुर पहुंचे थे तभी थाने के पास पीछे से आए तेज गति वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। मां-बेटे उछलकर दूर जा गिरे। सूचना पर पुलिस ने दोनों को हैलट में भर्ती कराया, जहां बुधवार रात सीता की मौत हो गई, जबकि अमित की हालत गंभीर बनी है। पूनम के पति उपेंद्र ने बताया कि साली सोनम की एक दिसंबर को शादी थी। जिसकी तैयारियों पूरा परिवार जुटा था। मौत से शादी वाले घर में चीख-पुकार मची है।

रोडवेज कंडक्टर ने फांसी लगा दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चुन्नीगंज डिपो कार्यशाला में कार्यरत कर्मचारी ने कलह के चलते परिसर के सरकारी आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार को ड्यूटी पर नहीं गए तो साथी बुलाने पहुंचे तो घटना का पता चला। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर जांच-पड़ताल की।

मूलरूप से आजमगढ़ के पल्थी गांव निवासी 30 वर्षीय प्रशांत गौतम रोडवेज में नियमित परिचालक थे। मौजूदा तैनाती चुन्नीगंज बस डिपो के कार्यशाला में डीजल अनुभाग में थी। परिवार में पत्नी चंद्रकला और दो बेटे हैं। साले राजेंद्र गौतम ने बताया कि कार्यशाला परिसर के आवास में रहते थे। बुधवार को रेस्ट डे था। गुरुवार को जब ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो साथियों ने फोन किया। कॉल रिसीव न होने पर घर पहुंचे। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद खिड़की की जाली तोड़ी तो अंदर शव लटकता दिखा। एआरएम रामलवट, आरएम महेश कुमार पहुंचे। पुलिस पूछताछ में साले ने पारिवारिक कलह बताई। कर्नलगंज थाना प्रभारी विनीत चौधरी ने बताया कि फिलहाल पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। अगर पीड़ित परिवार कोई तहरीर देता है तो उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

समस्या कब सुलझेगी

गोविंद नगर में जाम, बाजार धड़ाम

सहालग के मौके पर बढ़ी समस्या, व्यापारी बोले, -जाम की वजह से व्यवसाय पर बुरा असर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंद नगर बाजार में हाल ही में डिप्टी सीएम के जाम में फंसने के बाद शहर में जाम को लेकर परेशानी खुलकर सामने आ गई है। हालात यह है कि जाम के डर की वजह से लोगों ने प्रमुख बाजारों की ओर रुख करना कम कर दिया है। गोविंद नगर के व्यापारी जाम की वजह से बाजार के प्रभावित होने की बात कह रहे हैं। उनका कहना है कि बाजार में जाम की वजह से इस बार सहालग पर कारोबार प्रभावित हो रहा है। बाजार के व्यापारी कारोबार बेहतर तरह से चल सके इसके लिए जाम की समस्या से निजात की मांग कर रहे हैं।

गोविंद नगर बाजार के व्यापारियों का कहना है कि जागेश्वर अस्पताल के सामने डिवाइडर बंद होने से वाहन सवारों को काफी घूमकर आना पड़ता है। इस वजह से अक्सर शाम के बाद बाजार की रोड पर वाहनों का लोड अधिक हो जाता है। यदि इस समस्या से छुटाकारा मिल जाए तो काफी हद तक वाहन सवाहरों को सहूलियत हो सकेगी।

इसके अलावा बाजार में पार्किंग व्यवस्था न होने की वजह से भी रोड पर वाहन खड़े हो जाते हैं। इससे रोड में वाहनों के निकलने की जगह काफी सीमित हो जाती है। जाम लगने की प्रमुख वजहों को यदि दूर कर दिया जाए तो खरीदार वापस बाजार की ओर रुख करने लगेगा। इससे बाजार में खरीदारी भी बढ़ेगी।

क्या बोले व्यापारी

जाम से बाजार आने वाले खरीदार या तो आने-जाने का अपना समय बदल देते हैं या फिर दुसरी बाजारों की ओर रुख कर लेते हैं। जाम की वजह से सहालगों पर होने वाली खरीदारी पर काफी असर पड़ा है। जाम की यदि समस्या बाजार से हट जाए तो बाजार का कारोबार दुरुस्त हो जाएगा।

-मोहित सेठी

रिटेल व्यापारी ऑनलाइन कारोबार से पहले ही परेशान हैं। बाजार में यदि जाम की स्थिति रहेगी तो खरीदार दुकान भी आना छोड़ देंगे। इससे व्यापारियों को काफी परेशानी होगी। सहालग का कारोबार तो इस बार कम हुआ। उम्मीद है कि भविष्य में बाजार में जाम का हल निकलेगा।

-अनीता दीक्षित

जब खरीदारों का बाजार आने का समय होता है उस वक्त बाजार में जाम की स्थिति पैदा होती है। ऐसे में यदि खरीदार कई दुकानों में जाना भी चाहे तो समय बचाने के लिए वह एक या दो दुकानों तक ही पहुंच पाता है। ऐसे में बाजार में औसत खरीदारी कम हो जाती है। इससे व्यापार पर सीधा असर पड़ता है।

-गगन आहुजा

जाम का हल निकालने के लिए कई बार प्रयास हुए। फिर से पहले जैसी स्थिति खड़ी हो जाती है। जाम से बाजार आने वाला हर खरीदार परेशान होता है। कई ऐसे होते हैं तो आधी खरीदारी के बाद वापस लौट जाते हैं। बाजार को सहूलियत मिलनी चाहिए। जा से छुटकारा जरूरी है। -देव मिश्रा

बाजार में जाम के हालात होने पर ही लोग ऑनलाइन कारोबार की ओर रुख करते हैं। यदि बाजार में खरीदारों को सुविधा मिले तो वे ऑनलाइन से बचें। बाजार में खरीदारों को सहूलियत मिलना जरूरी है। सुविधा न मिलने से बाजार से खरीदार धीरे-धीरे दूर होता जाएगा।

-आशीष त्रिपाठी

ऑनलाइन विकल्प होने से खरीदार अब सहूलियत चाहने लगा है। कोई नहीं चाहता कि वे बाजार आकर परिवार के साथ जाम में फंसे। भीड़ या जाम होने से वह दूसरी बाजारों की ओर से रुख कर लेता है। बाजार में खरीदारी इससे प्रभावित होती है।

-अमितेश चिंदा

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

गौरव तिवारी।

जिम्मी भाटिया।

गौरव अध्यक्ष और जिम्मी सचिव बने

कानपुर। रोटरी क्लब कानपुर में बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक हुई। इसमें आगामी सत्र 2026- 2027 के लिए रोटेरियन गौरव तिवारी को अध्यक्ष और जिम्मी भाटिया को सचिव चुना गया। शिवांगी राज लूथरा को उपाध्यक्ष और अंकित अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में अध्यक्ष गौरव अग्रवाल सचिन संजय मल्होत्रा,दीपक अग्रवाल, जितेन गुप्ता, बीके त्रिपाठी, अनुराग जैन, आशीष चौहान, शोएब एहसान, गौरव शुक्ला आदि है।

जागेश्वर मंदिर के पास चौड़ी होगी सड़क

कानपुर। उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के आदेश पर केडीए की टीम ने मैनावती मार्ग से सिंहपुर तक सर्वे किया। अधिशासी अभियंता अमन तिवारी और सहायक अभियंता सीपी पांडेय की अगुवाई में टीम ने 130 निर्माण हटाने के लिए चिह्नित किए। यहां 30 मीटर सड़क चौड़ी की जाएगी। जागेश्वर मंदिर के पास 18 मीटर तक चौड़ी होगी। साथ ही जागेश्वर मंदिर मैनावती मार्ग से सिंहपुर जाने वाले रास्ते में गंगा बैराज को जोड़ने वाले दो मार्गों का चौड़ीकरण व दुरुस्त किया जाएगा। 3 .5 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण की जाएगी। 30 करोड़ रुपये से सड़क का निर्माण होगा।

गोपाल अवस्थी को दी गई श्रद्धांजलि

कानपुर। भाजपा कानपुर महानगर के प्रथम अध्यक्ष रहे गोपाल अवस्थी को गुरुवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। नवीन मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में महानगर के सभी वरिष्ठ एवं पुराने दिग्गज नेता बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और अपने प्रिय नेता को नमन किया। जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित के साथ ही डॉ. श्यामबाबू गुप्ता, प्रकाश शर्मा , रविन्द्र पाटनी, दिनेश राय, दीपू पांडे, हरीश मात्रेजा, सुरेश अवस्थी, शीलू पांडेय, नीरज दीक्षित, एनडीए संयोजक सुरेश गुप्ता, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, किशनलाल सुदर्शन, पूनम कपूर, अनुराग शर्मा आदि रहे।

यूपी ने त्रिपुरा को सात विकेट से हराया

कानपुर। बीसीसीआई की अंडर-23 टी-20 महिला क्रिकेट चैंपियनशिप में यूपी ने त्रिपुरा को सात विकेट से पराजित किया। जीत के साथ ही यूपी ने अंकतालिका में एक स्थान की बढ़त हासिल करते हुए 8 अंक के साथ दूसरा स्थान अपने नाम किया। तमिलनाडु तीन मैचों में तीन जीत के साथ 12 अंक लेकर पहले पायदान पर है। रोहतक के लाहली स्थित चौधरी बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में त्रिपुरा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 91 रन बनाए। टीम से अनामिका दास ने सर्वाधिक 29, सेबिका दास ने 13 रन बनाए, तो गेंदबाजी में यूपी की ओर से कानपुर की गरिमा यादव ने दो, संध्या ने दो, खुशी त्यागी, भूमि सिंह ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूपी की टीम ने 14 .4 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 93 रन बनाकर मैच जीता।

चैम्पियनशिप में हिस्सा लेगी यूपी टीम

कानपुर। अरुणाचल प्रदेश में 10 से 14 दिसंबर के बीच होने वाली राष्ट्रीय माउंटेन बाइक साइकिलिंग चैम्पियनशिप में उत्तर प्रदेश की टीम भी हिस्सा लेगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश साइकिलिंग एसोसिएशन की ओर से उप्र की टीम का चयन ट्रायल के आधार पर गुरुवार को किया गया। यह चयन 23 नवंबर को हुए ट्रायल के आधार पर किया गया। ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उप्र की सीनियर पुरुष, सब जूनियर बालक, यूथ बालक, सीनियर महिला व जूनियर महिला टीम में चयनित कर दिया गया। उप्र साइकिलिंग एसोसिएशन के महासचिव आरके गुप्ता ने बताया कि ट्रांस गंगा सिटी में हुए ट्रायल में कानपुर, प्रयागराज, उप्र पुलिस, लखनऊ, मेरठ, अयोध्या, हरदोई सहित कई जिलों के 40 से ज्यादा साइकिलिस्ट ने हिस्सा लिया।

कार्यकारिणी का गठन

कानपुर। श्री जयतु जगदीश मण्डल महिला की ओर से गुरुवार को कार्यकारिणी का गठन हुआ। आयोजन मेंसत्र (2025-27) के लिए हेमा ओमर को अध्यक्षा, रीता गुप्ता को महामंत्राणी व अर्चना गुप्ता को कोषाध्यक्षा मनोनीत किया गया। इसके बाद वहां मौजूद सभी सदस्याओं ने शेष कार्यसमिति का चयन किया ।

सेना को साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण देगा आईआईटी

आईआईटी कानपुर का प्रमुख साइबर सुरक्षा अनुसंधान और नवाचार केंद्र है सी3आईहब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सी3आईहब आईआईटी और भारतीय सेना के बीच समझौता पत्र पर हुए हस्ताक्षर
- प्रशिक्षण में खतरों की समझ बढ़ाने के साथ निपटने की सक्षम क्षमता विकसित होगी

अमृत विचार। देश की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सी3आईहब, आईआईटी कानपुर ने मुख्यालय सेंट्रल कमांड भारतीय सेना के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इसके तहत सेना की यूनिट्स और फॉर्मेशन्स के लिए उन्नत साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। यह प्रशिक्षण सी3आईहब द्वारा प्रदान किया जाएगा, जो आईआईटी कानपुर का प्रमुख साइबर सुरक्षा अनुसंधान और नवाचार केंद्र है।

संस्थान की ओर से बताया गया कि इस कार्यक्रम में दो तीन-महीने के विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल शामिल हैं। इसका उद्देश्य सेना के जवानों में आधुनिक साइबर खतरों की समझ को बढ़ाना, साइबर हमलों से निपटने की क्षमता विकसित करना और डिजिटल क्षेत्र में संचालन संबंधी तैयारी को और मजबूत बनाना है। इस सहयोग के माध्यम से साइबर सुरक्षा तकनीकों को सेना के औपचारिक प्रशिक्षण में शामिल किया जाएगा। जिससे सेंट्रल कमांड के पूरे क्षेत्र में डिजिटल सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। एमओयू पर हस्ताक्षर कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा, चीफ ऑफ स्टाफ, मुख्यालय सूर्य कमांड और प्रो. सोमित्र सनाध्या, प्रोग्राम डायरेक्टर, सी3आईहब मौजूद रहे।

दस्तावेज पर डॉ. तनीमा हाजरा, सीईओ, सी3आईहब ने संस्थान की ओर से हस्ताक्षर किए। प्रो. सोमित्र सनाध्या ने कहा कि यह सहयोग सी3आईहब के मिशन को मजबूत करता है, जिसके तहत उन्नत साइबर शोध को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण कौशलों में बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेना को डिजिटल युद्ध के क्षेत्र में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान करना हमारे लिए गर्व की बात है यह साझेदारी डिजिटल रक्षा को नई दिशा प्रदान करती है और यह दर्शाती है कि भारतीय सेना आधुनिक सूचना युद्ध के दौर में हमेशा एक कदम आगे रहने के लिए प्रतिबद्ध है।

हस्ताक्षर करने के बाद समझौता पत्र दिखाते सेना और आईआईटी के अधिकारी। अमृत विचार

शहर को कल मिलेंगे 440 सफाई कर्मचारी

कानपुर। नगर निगम की सदन की बैठक के लिए गुरुवार को दिनभर तैयारी चलती रही। 29 नवंबर को होने वाले सदन को लेकर साफ-सफाई के साथ ही प्रस्ताव भी तय हो गए। सदन की बैठक में दो प्रस्ताव के साथ ही पार्षदों की ओर से दिए गए दो टेबुल प्रस्ताव पर चर्चा होगी।

गुरुवार को बैठक के लिए कार्यसूची को अंतिम रूप दिया गया। प्रस्ताव की कॉपी शुक्रवार तक सभी 110 पार्षदों को दे दी जाएगी। महापौर प्रमिला पांडेस ने बताया कि प्रभारी अधिकारी संपत्ति की ओर से प्रस्तुत नानाराव पार्क फूलबाग स्थित श्री श्याम महोत्सव स्थल के संचालन व आवंटन के लिए शुल्क निर्धारण एवं नियम व शर्तों को लेकर संशोधित प्रस्ताव सदन में पेश किया जायेगा। दूसरा प्रस्ताव गृहकर की दरों को लेकर पेश होगा। हालांकि, 30 सितंबर तक 10 फीसदी छूट की तिथि को बढ़ाने पर सदन की बैठक में चर्चा हो सकती है।

इसके साथ ही पिछली कार्यकारिणी की बैठक में पार्षद यशपाल ने पार्कों के विकास संबंधी टेबुल प्रस्ताव दिया था। चौथा प्रस्ताव 110 वार्डों में सेवानिवृत्त एवं मृतक से रिक्त स्थानों पर 4-4 सफाई कर्मचारियों की तैनाती को लेकर रखा जायेगा। कार्यकारिणी ने इसे स्वीकृति दे दी है।

'बाबा बड़े दयालु हैं, जिंदगी में आई बहार'

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दो दिन पहले तक ग्वालटोली के अहिराना स्थित कल्लू गुप्ता के किराये वाले घर में मायूसी, उदासी और चिंता का वास था, लेकिन गुरुवार को वहां का माहौल बेहद खुशनुमा दिखा। मीडिया, नाते-रिश्तेदारों और अफसरों की चहल-पहल दिखी।

आर्थिक अभाव में जीवनयापन कर रहे कल्लू की मूक-बधिर बेटी योगी आदित्यनाथ की इस कदर भक्त थी कि उनसे मिलने उनका खुद के हाथों से बनाया चित्र लिए बिना किसी को बताए घर से अकेले पैदल उनके मिलने लखनऊ पहुंच गई। पिता ने गुमशुदगी कि रिपोर्ट लिखाई। दो दिन पहले लखनऊ पुलिस का फोन आया कि बेटी सलामत है, उसे ले जाएं। कल्लू तत्काल पत्नी गीता के साथ लखनऊ पहुंचे और बिटिया को ले आए।

उनके आते ही मुख्यमंत्री ऑफिस से फ़ोन आया कि मुख्यमंत्री आपसे मिलना चाहते हैं, परिवार सहित आ जाइए। कल्लू बताते हैं वह पहुंचे तो मुख्यमंत्री जी ने बहुत आत्मीयता से हालचाल पूछे। बेटी के सिर पर हाथ रख आशीष दिया और पूरे परिवार को उपहार में वस्त्र भेंट किए। बेटी की पूरी पढ़ाई करवाने,

बिटिया को आशीर्वाद देते सीएम योगी।

- पैदल चलकर लखनऊ पहुंची मूकबधिर बच्ची को मिला दुलार

आपरेशन करवाने के आश्वासन के साथ उसे टैबलेट और मोबाइल फोन भी दिया। बेटी ने योगी जी को चित्र भेंट किए तो वह बेहद खुश हुए और कहा कि चिंता न करें, सब ठीक हो जाएगा।मुख्यमंत्री से आशीर्वाद लेकर लौटी ख़ुशी की का कोई ठिकाना नहीं है। वह सबको मुख्यमंत्री से मिली भेंट दिखाती है और रह-रह कर उसकी आंखे ख़ुशी से नम हो जाती हैं। यही हाल उसकी मां गीता, पिता कल्लू गुप्ता और भाई जगत का है। अधिकारियों ने भी उनसे संपर्क किया है। ख़ुशी की पढ़ाई, इलाज और परिवार के लिए आवास का इंतज़ाम किया जा रहा है। पैदल 90 किमी लखनऊ जाने में उसके पैरों पर छाले पड़ गए, लेकिन इसे वह तपस्या मानती है।

विद्यालय में अपने हुनर का प्रदर्शन करते बच्चे। अमृत विचार

बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कानपुर। श्री सनातन धर्म एजुकेशन सेंटर में जूनियर स्पोर्ट्स डे का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बच्चों ने खेल प्रतिभा दिखाई। बच्चों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत मदर अर्थ के प्रभावशाली प्रवेश से हुई, जिन्होंने पृथ्वी को बचाने और सुरक्षित रखने की अपील की गई। इसके बाद छात्रों द्वारा जिमनास्टिक, ताइक्वांडो और स्केटिंग के रोमांचक प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। प्रधानाचार्य शोभा दास ने खेल, मूल्यों और पर्यावरण जागरूकता के महत्व पर जोर देते हुए बच्चों के समग्र विकास और सतत शिक्षा के उद्देश्य को साझा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नीरु सिंह, शिक्षा विशेषज्ञ उपस्थित रहीं। मैनेजर राजीव सोनी, प्रेसिडेंट सुरेन्द्र धवन, कोषाध्यक्ष विनय अजमानी, कुंज बिहारी सहित अन्य मौजूद रहे।

भक्ति के बिना प्रभु राम की कृपा नहीं

कानपुर। श्री पंचमुखी हनुमान मन्दिर पनकी धाम में पंचकुण्डात्मक पंचमुखी हनुमान महायज्ञ में महन्त महामण्डलेश्वर जितेन्द्र वास शास्त्री ने शुरुआत की। कार्यक्रम में प्रमुख यज्ञावार्य पं अमित कुमार अग्निहोत्री ने वेदिक मर्योचारण के मध्य यज्ञ आरम्भ किया। 10 दिवसीय धर्मिक कार्यक्रमों कथा वाचक सुरेश चन्द्र तिवारी मत्य ने कहा कि जहां पर श्रद्धा और विश्वास होता है वहीं सफलता प्राप्त होती है। बिना विश्वास के भक्ति नहीं होती, भक्ति के बिना श्री राम जी कृपा नहीं और श्री रामजी की कृपा के बिना मनुष्य स्वप्न में भी शांति नहीं पाता। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पं दिवाकर शुक्ला, पं बालकदाम ब्रहम्बारी, पं सुरेशानन्य, आचार्य कुल चन्द्र शुक्ला आदि मौजूद रहे।

नोटिस के विरोध में व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को केडीए सचिव से मिला। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने व्यापारिक समस्याओं से संबंधित मांगों का ज्ञापन भी दिया। इस दौरान व्यापारी श्याम नगर व अन्य क्षेत्रों में व्यापारियों को नोटिस दिए जाने का विरोध कर रहे थे।

प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा के नेतृत्व में पहुंचे व्यापारियों ने नोटिस को अनुचित बताया। महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी ने सचिव से कहा कि व्यापारियों के पास इतना पैसा नहीं है कि वो इतनी जल्दी पैसा जमा करें। इसको सरलीकरण किया जाए। इसी तरह श्याम नगर व्यापार मंडल के चेयरमैन महेंद्र गुप्ता ने कहा की हर क्षेत्र में एक कार्यशाला का आयोजन किया जाये और सबसे पहले श्याम नगर क्षेत्र में कार्यशाला का आयोजन किया जाए जिससे लोगो को किस हिसाब से शमन एवं व्ययसायिक एवं अन्य शुल्क जमा करना यह पता चल सके।

केडीए सचिव को ज्ञापन सौंपते व्यापारी नेता। अमृत विचार

श्याम नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष अवनीश शुक्ला ने कहा कि शमन और व्यावसायिक शुल्क को कम करके उसको किस्तों में लिया जाए क्योंकि व्यापारी ऑनलाइन व्यापार से ही इतना ज्यादा प्रभावित

- कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी केडीए सचिव से मिले

है। इस दौरान सचिव अभय कुमार पाण्डेय ने आश्वासन दिया कि कहा कि यह व्यवस्था आप सभी व्यापारियों को सुविधा के लिए शासन द्वारा 24 मीटर या उससे ज्यादा चौड़ी सड़को पर 31 फीसदी शुल्क जमा कर के व्यावसायिक करा ले एवं सभी जितने भी जिनको भी नोटिस मिले अपने-अपने जो मुख्य बिंदु हैं वह बनाकर कर साल से पहले हमारे अधिकारियों को दिया जाए। जिससे कार्यशाला वाले दिन हम उन बिन्दुओं का निस्तारण कर सके। इस दौरान अध्यक्ष सुनील बजाज, जिला मंत्री महेंद्र गुप्ता, अवनीश शुक्ला, पवन वर्मा, अनूप शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

ईपीएफओ का निधि आपके निकट

कानपुर। ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर द्वारा निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान 15 जिलों में हुआ। इस दौरान सभी जिला नोडल अधिकारियों एवं टीम सदस्यों ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना पर विशेष बल दिया। इसी तरह डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अद्यतनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रतिभागियों को चार श्रम संहिताओं के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

मध्य प्रदेश के आईएएस पर कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा की एक बैठक गुरुवार को केन्द्रीय कार्यालय गांधी नगर में हुई। बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय अध्यक्ष शिव सहाय मिश्र ने की। बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री महेश कुमार मिश्रा ने मध्य प्रदेश के प्रान्तीय अध्यक्ष संतोष वर्मा के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के प्रान्तीय अध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा ने ब्राह्मण समाज की बेटियों के बारे में अनुचित टिप्पणी सार्वजनिक मंच से की है। उनकी बातें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। जिससे ब्राह्मण समाज की प्रतिष्ठा पर आंच आ रही है। उनके इस कृत्य से सामाजिक भाई चारा सौहार्द्र बिगड़ने की स्थिति भी निर्मित होने की आशंका है। ब्राह्मण समाज उनकी बातों से काफी आक्रोशित है। संतोष वर्मा एक प्रशासनिक अधिकारी हैं, उन्हें सभी नियम कानून का ज्ञान होने के बाद भी ऐसी बात कहना उनकी संकीर्ण मानसिकता को प्रदर्शित करता है। उन पर तत्काल अपराध पंजीकृत हो एवं उन पर कठोर प्रशासनिक कार्यवाही कर समाज को न्याय दिलाने की कोशिश हो। एख स्वार से कार्रवाईकी मांग की गई। बैठक में सुनील चन्द्र तिवारी, अशोक कुमार मिश्र, भीभ शंकर मिश्र, अभय शंकर दुबे, केके पाण्डेय, अरविन्द मिश्र, हरीश बाजपेई, अनुराग दीक्षित सहित अन्य मौजूद रहे।

ब्राह्मण महासभा की बैठक में भाग लेते पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्रों मो0 आसिम, मो0 बिलाल एवं पुत्री जुनैरह गुलजार के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा गलत नाम समीरा त्रुटिवश अंकित हो गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा सही नाम तसनीम अय्यूब अंकित है। अतः मेरे पुत्रों एवं पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में भी मेरा सही नाम तसनीम अय्यूब दर्ज किया जाये। **तसनीम अय्यूब पत्नी गुलजार अली सिद्दीकी निवासिनी**– 119/162/1, खण्डारी बाजार, लालबाग, लखनऊ

सूचना

मेरी पुत्री को शगुन तिवारी एवं खुशी तिवारी दोनों नाम से जाना एवं पहचाना जाता है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। **राजेंद्र कुमार तिवारी ग्राम – घोपतपुर पोस्ट नौबस्ता मुड़िला जिला बलरामपुर**

सूचना

मैं, ओम प्रकाश पुत्र मैकू लाल कुशवाहा, निवासी मकान संख्या 588–D, शिवकटरा, कानपुर नगर, यह घोषणा करता हूं कि मेरा नाम ओमप्रकाश उर्फ रामचंद्र है। उपरोक्त दोनों नामों से मैं जाना और पहचाना जाता हूं।

सूचना

मैं **रोमा चौधरी पुत्री श्री श्री कुमार चौधरी निवासिनी मकान नं0 591, गोमती हास्पिटल के पीछे, पांचोपीरन रोड, गोमती नगर पूरब, नई बस्ती, पोस्ट–के0एन0आई0, थाना कोतवाली नगर, तहसील सदर, जनपद–सुलतानपुर उ0प्र0** कक्षा–10 परीक्षा सन् 2010 की टी0सी0 (स्थानान्तरण प्रमाण पत्र) जो आपके विद्यालय से प्राप्त की थी, जो कहीं खो गयी है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम NIHARIKA RANI AGRAWAL W/O AKASH MITTAL था जो कि आज दिनांक 20/10/2025 को मैने अपना नाम बदलकर NIHARIKA MITTAL W/O AKASH MITTAL रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। निवासी मोहल्ला वजीरबाग थाना कोतवाली नगर बहराइच, यूपी

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण पत्र में मेरा नाम त्रुटिवश AJAY KUAMR MAURYA दर्ज हो गया है जो कि गलत है मेरा सही नाम AJAY KUMAR MAURYA पुत्र RAj KUMAR Maurya है। CSC-23 isc -25 (uid/index no.7809545) निवासी– C -146 sec-j अलीगंज लखनऊ

सूचना

मैने अपना नाम KM TASNEEM KAUSER से बदलकर TASNEEM KAUSER रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-WAQUAR ANWER FAIZ ADD-AKRAHRA AKARAHARA DIST-SIDDHARTH NAGAR-272201 (U.P.)

सूचना

मै **सूरज शर्मा पुत्र राजकिशोर नि. ग्रा. व पोस्ट दुकनहा लालगंज रायबरेली।** मेरी एलआईसी पालिसी 236504695 में मेरा और मेरे पिता का नाम सूरज विश्वकर्मा पुत्र राजू विश्वकर्मा अंकित है, जबकि आधार कार्ड आदि प्रपत्रों में सूरज शर्मा पुत्र राजकिशोर अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे हैं।

सूचना

सूचित हो मैं सलमान अब्बास पुत्र सैय्यद सरकार आलम निवासी–म0नं0–392/54, सुल्तान बहादुर रोड, काजमैन, सआदतगंज, जिला लखनऊ का हूं। मेरे कुछ दस्तावेज में (SALMAN ABBAS) व पिता का नाम (SYED SARKAR ALAM) अंकित है। जबकि अन्य दस्तावेजों में (SYED SALMAN) व पिता का नाम (SARKAR ALAM) अंकित है, दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं, जबकि मेरा सही नाम (SALMAN ABBAS) है व पिता का सही नाम (SYED SARKAR ALAM) है। इसे मान्य किया जाये। –शपथी

तैयारी | भाजपा ने छावनी, बाबूपुरवा, ओमपुरवा, श्याम नगर में चलाया संपर्क अभियान

छावनी जीतने के लिए वोटों पर फोकस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा ने 2027 विधान सभा चुनाव से पहले ही विधानसभा क्षेत्रों में पैठ बनाना शुरु कर दिया है। पार्टी का उन सीटों पर विशेष फोकस है जहां 2022 विधानसभा चुनाव में पार्टी को सफलता नहीं मिली थी। इनमें से एक सीट छावनी भी है।

भाजपा दक्षिण जिला संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों की टीम को एक सप्ताह के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) अभियान के माध्यम से छावनी विधानसभा क्षेत्र में उतार दिया है। छावनी विधानसभा क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक अपनी सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इन पदाधिकारियों को घर-घर संपर्क कर एक एक मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गुरुवार को भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने छावनी, बाबूपुरवा, ओमपुरवा, श्याम नगर में संपर्क अभियान चलाया।

घर घर जाकर लोगों से मुलाकात कर एससीआर संबंधी जैसे सभी को गणना प्रपत्र मिला कि नहीं, गणना प्रपत्र भरने में आने वाले परेशानियों के बारे में जानकारी ली। लोगों ने बताया कि महिलाओं के मायके वालों को पिता और माता का डिटेल ढूंढने में दिक्कत आ रही है। 2003 की मतदाता सूची में परिजनों का नाम नहीं मिल पा रहा है। जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्ष, मंडल कमेटी, बूथ अध्यक्ष, बूथ कमेटी एवं बूथ प्रवासी से विशेष बातचीत की। उन्होंने कहा कि चुनावों के समय हम जिस तरह मिलकर काम करते हैं एसआईआर अभियान में भी उसी तरह सक्रियता, सामूहिकता और उत्साह के साथ जुटना है। एसआईआर में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न करें ।

बीएलए टू , बूथ अध्यक्ष तथा बूथ प्रवासी प्रतिदिन बूथ पर मौजूद रहे और यह सुनिश्चित करें कि बूथ के सभी लोगों के भरे हुए गणना प्राप्त जमा हो जाएं। मतदाताओं के गणना प्रपत्र जमा करना, नए मतदाताओं के नाम जुड़वाना मृत, स्थानांतरित और बोगस मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटवाना है। बूथ पर भाजपा विचार परिवार के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं। इन लोगों से संपर्क कर उन्हें भी एसआईआर अभियान में सक्रिय करें। यहां गणेश शुक्ला, जसविंदर सिंह, सनी जायसवाल,सुमित तिवारी, ओपी आर्या, आलोक वर्मा, पार्षद अभिनव शुक्ला गोलू, अमरीश जायसवाल जितेंद्र रावत, सचिन शुक्ला, मनु भाटिया, पंकज भाटिया, संजय बंसल आदि मौजूद रहे।

संपर्क अभियान में भाजपा के जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह व अन्य ।छावनी जीतने के लिए वोटों को जुड़वाने पर फोकस। अमृत विचार

- सीसामऊ और आर्यनगर विधानसभा क्षेत्र में भी अपने वोटर जुड़वाने की तैयारी

कॉरिडोर-2 की मेट्रो पहुंची शहर

कानपुर। मेट्रो कॉरिडोर-2 (सीएसए - बर्रा-8) के लिए तैयार पहली मेट्रो ट्रेन गुरुवार को शहर पहुंची। सीएसए परिसर स्थित निर्माणाधीन डिपो में मेट्रो ट्रेन की सुरक्षित रूप से अनलोडिंग की गई। लगभग 40 टन वजनी अत्याधुनिक कोचों को विशेष क्रेनों की सहायता से सावधानीपूर्वक ट्रैक पर उतारा गया। मेट्रो की प्रत्येक ट्रेन में 3 कोच हैं। कॉरिडोर-2 के लिए ऐसी कुल 10 ट्रेनों की आपूर्ति प्रस्तावित है, और यह उनमें से पहली डिलीवरी है। कानपुर मेट्रो ट्रेनों को 'मेक इन इंडिया' परिकल्पना के तहत गुजरात के सावली स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में तैयार किया जा रहा है। कॉरिडोर-1 के लिए 29 मेट्रो ट्रेनें गुरूदेव चौराहा स्थित मेट्रो डिपो में पहले ही आ चुकी हैं। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने टीम को बधाई देते हुए कहा, कि कानपुर मेट्रो कॉरिडोर-2 के लिए ट्रेनों का आगमन एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

सिटी ब्रीफ

धक्का-मुक्की में ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

कानपुर। अनवरगंज स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर कन्नौज के ठठिया नयापुरवा निवासी 30 वर्षीय मजदूर बृजेश कुमार की मौत हो गई। पिता राकेश कुमार ने बताया कि बेटा पुणे में नौकरी करता था। वह उत्कर्ष एक्सप्रेस से काम पर जा रहा था। बुधवार को अनवरगंज स्टेशन पर बेटा भीड़ अधिक होने के कारण गेट पर खड़ा था। तभी भीड़ की धक्कामुक्की के कारण ट्रेन से गिर गया। उसकी मौत हो गई।

जैविक खेती और श्रीअन्न पर जोर

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थित लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी, तिलहन मेला एवं उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार योजना के अंतर्गत मिलेट्स रेसिपी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने की। इस दौरान बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर मुख्य अतिथि तथा सीडीओ दीक्षा जैन विशिष्ट अतिथि रहीं। मेले में कृषि विभाग, बीज, कृषि रक्षा, मृदा परीक्षण, रेशम, उद्यान, इफ्को, जैविक खेती सहित सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के स्टाल लगाए गए। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे किसानों ने योजनाओं से जुड़ा साहित्य प्राप्त कर आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी ली। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने श्रीअन्न एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान कर किसानों से कृषि क्षेत्र में हो रही नवीन प्रगति से लगातार अपडेट रहने की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने कहा कि अत्यधिक रसायनों और उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से वायु, जल और मृदा प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं भी सामने आ रही हैं। उन्होंने किसानों से कम क्षेत्रफल से जैविक खेती करने की अपील की।

शिव के ईष्ट हैं प्रभु राम

कानपुर। वसुधा विहार जरौली विकास एवं जन कल्याण समिति की ओर से आयोजित राम कथा में कथावाचक भरत शरण जी महाराज ने शिव-पार्वती विवाह की कथा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम के ईष्ट शिव हैं और शिव के ईष्ट भगवान श्रीराम। इस अवसर पर संयाजेक प्रबोध मिश्र, राजेश तिवारी, ओम कुमार त्रिपाठी, सोनू तिवारी, अनुज आदि रहे।

एसआईआर में लापरवाही बरतने पर बीएलओ सस्पेंड

कैंट के भाग संख्या 176 में बूथ लेवल ऑफिसर थे सहायक अध्यापक कमल सिंह

संवाददाता, बिल्हौर

बेहतर कार्य पर बीएलओ प्रज्ञा वाजपेयी का हुआ सम्मान। अमृत विचार

अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और निर्वाचन अधिनियम की अवहेलना करने के आरोप में एक सहायक अध्यापक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से की गई है।

अपर नगर मजिस्ट्रेट (द्वितीय) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) 216 कानपुर कैंट विधानसभा की संस्तुति पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह की ओर से निलंबन आदेश जारी किया गया है। निलंबित किए गए सहायक अध्यापक कमल सिंह बिल्हौर विकास खंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पातिन निवादा में कार्यरत थे।ईआरओ ने पत्र के माध्यम से बीएसए को अवगत कराया था कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक विधानसभा की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। सहायक अध्यापक कमल सिंह को भाग संख्या 176 में बूथ लेवल ऑफिसर के रूप में नामित किया गया था। आरोप है कि उनके द्वारा निर्वाचन कार्य में कोई रुचि नहीं ली जा रही थी और लगातार निर्देशों की अवहेलना की जा रही थी।

निलंबित बीएलओ के सुपरवाइजर ने बताया कि संबंधित अध्यापक बिना पूर्व सूचना या अनुमति के पिछले कई दिनों से जनपद के बाहर थे। उनकी अनुपस्थिति के कारण एसआईआर का महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहा था। इन कृत्यों को निर्वाचन कार्य के प्रति घोर उदासीनता मानते हुए निर्वाचन अधिनियम 1950 के अंतर्गत निलंबन की संस्तुति की गई।

"बीएलओ ऑफ द डे" बनीं प्रज्ञा वाजपेयी

- **कानपुर।** विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने पर कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ दी मॉडल इंटर कॉलेज खलासी लाइन के भाग संख्या 306 की बीएलओ प्रज्ञा वाजपेयी को 'बीएलओ ऑफ द डे' घोषित किया गया। गुरुवार को सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपायुक्त उद्योग अजनीश प्रताप सिंह तथा सहायक प्रबंधक रश्मिकला ने बीएलओ प्रज्ञा वाजपेयी को प्रशस्ति पत्र, शॉल व माल्यार्पण कर सम्मानित किया। समारोह में उनके कार्य की सराहना करते हुए अधिकारियों ने इसे अन्य बीएलओ के लिए प्रेरणादायक बताया।

जिमनास्टि टूर्नामेंट में भाग लेने वाले बच्चे। अमृत विचार

नन्हे खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। दिल्ली पब्लिक स्कूल बर्रा में अंतर्विद्यालयी जिम्नास्टिक टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राध्यापक डॉ महेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता की शुरुआत प्रधानाचार्या जयंती मित्रा तथा मुख्य अतिथि डॉ महेंद्र सिंह ने की। प्रतियोगिता में 21 विद्यालयों से आई टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में दुर्गा प्रसाद विद्या निकेतन, एलेन हाउस रूमा, फ्लोरेट्स इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल आजाद नगर, स्वराज इंडिया, दिल्ली पब्लिक स्कूल किदवई नगर, गौरव मेमोरियल स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल बर्रा, साउथ सिटी पब्लिक स्कूल, सुपर इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल सर्वोदय नगर की टीमें प्रमुख थीं। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में दिल्ली पब्लिक स्कूल आजाद नगर ने अपनी दावेदारी सिद्ध की। प्रथम उपविजेता के रूप में माउंट लिट्रा ज़ी स्कूल रहा तथा द्वितीय उपविजेता के रूप में विज़डम वुड पब्लिक स्कूल ने अपना स्थान बनाया। बालक वर्ग में दिल्ली पब्लिक स्कूल किदवई नगर ने अपना वर्चस्व स्थापित किया। प्रथम उपविजेता के रूप में दिल्ली पब्लिक स्कूल बर्रा ने अपनी दावेदारी सिद्ध की तथा द्वितीय उपविजेता के रूप में एच. डी. इंटरनेशनल स्कूल रहा।

आशीर्वाद देने पहुंचीं राज्यपाल

कानपुर। प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल और पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा गुरुवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के आवास पहुंचे और उनके पुत्र विनायक पाठक को भावी दांपत्य जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। विनायक पाठक का विवाह 30 नवंबर को होगा। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि विवाह बंधन उत्सव और प्रसन्नता का क्षण होता है, मगर इसके साथ ही दांपत्य जीवन का बोध कराने वाला मौका भी होता है। यहां सीएसजेएमयू कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, उनके पिता रामअनुज पाठक, वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक और परिवार के सभी सदस्य रहे। शादी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आने की संभावना है। अमृत विचार

गौरवांजलि में दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

कार्यक्रम में पहुंचे अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। गौरव मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल कल्याणपुर, बिठूर रोड में वार्षिक महोत्सव आयोजित हुआ। इस दौरान विद्यालय के संस्थापक एवं भूतपूर्व चेयरमैन आरपीएस कटियार की प्रतिमा का अनावरण भी हुआ। यह अनावरण विधायक नीलिमा कटियार ने किया।

शुरुआत विधायक सुरेंद्र मैथानी, डॉ. कन्हैया पटेल (आईएफएस) डायरेक्टर कानपुर जू), संजय कटियार, (वरिष्ठ पत्रकार), विशेष शुक्ला (पत्रकार) व नावेद इकराम (रेंज ऑफिसर, कानपुर) विद्यालय के वाइस चेयरमैन पीके कटियार, मैनेजिंग डायरेक्टर आरती कटियार, प्रिंसिपल रूपा दास, एकेडमिक कोऑर्डिनेटर अनिकेत तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में विद्यार्थियों ने सपोर्ट डांस, रेट्रो डांस, फोक डांस, देशभक्ति नृत्य, आधुनिक नृत्य तथा थीम-आधारित प्रस्तुतियों द्वारा मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दर्शकों ने बच्चों के उत्साह, तालमेल और रचनात्मकता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मुख्य आकर्षण विद्यालय के संस्थापक और भूतपूर्व चेयरमैन श्री आरपी एस कटियार के जीवन पर आधारित लघुनाटिका रही।

बच्चों को दी गई भावनात्मक जानकारी

कानपुर। यूपी किराना सेवा समिति विद्यालय किदवई नगर में गुरुवार को स्पिक मैके के सहयोग से एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मोहिनीयटटम नृत्यांगना डा. दीप्ती ओमेचारी भल्ला मुख्य अतिथि के रूप में रहीं। इस दौरान रेवती आर : नायर, पी. वेत्री बोपति, सतीश पोडुवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम में डा. दीप्ती ओमेचारी भल्ला ने मोहिनीयट्टम नृत्य की सौन्दर्यात्मकता, भावनात्मकता एवं आध्यात्मिकता की गहराई के विषय में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया पढ़ाई के अन्य विषयों की तरह भारतीय लोक कला, लोक नृत्य को जीवन में स्थान देना चाहिए। बताया गया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय कला से जोड़ना रहा।

यूपी किराना सेवा समिति विद्यालय किदवई में हुआ कार्यक्रम। अमृत विचार

कम्पोजिट विद्यालय द्वितीय के बच्चों ने बैडमिंटन में दिखाई अपनी प्रतिभा

संवाददाता, घाटमपुर

- सांसद -विधायक प्रतियोगिता का हुआ आयोजन
- विजेता बच्चों को मेडल देकर किया गया पुरस्कृत

विजेता बच्चों को मेडल पहनातीं आयोजक। अमृत विचार

अमृत विचार। घाटमपुर के बीआरसी परिसर में मंगलवार को संपन हुये सांसद / विधायक खेलकूद प्रतियोगिता में कम्पोजिट विद्यालय के घाटमपुर द्वितीय के बच्चे बैडमिंटन प्रतियोगिता के सभी वर्ग में विजेता रहे। वहीं विजेता बच्चों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया।

घाटमपुर में विधायक सांसद खेलकूद प्रतियोगता का आयोजन बीआरसी परिसर में हो रहा है। बैडमिंटन प्रतियोगिता में कम्पोजिट विद्यालय के घाटमपुर द्वितीय के बच्चों ने अपना जलवा दिखाया। बालक / बालिका सबजूनियर वर्ग में उत्कर्ष व अवन्तिका ने बाजी मारी वहीं जूनियर तथा सीनियर वर्ग में पूर्व छात्र-छात्रायें यासमीन, आँचल, काजल, दीपक, ईशू रेहान विजेता रहे। इस दौरान टीम के कोच प्रभा प्रजापति, ब्लाक शिक्षक अध्यक्ष सुसेन्द्र सचान, अशोक संखवार अनुराग आदि उपस्थित रहे। खेलप्रेमी भी मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते रहे।

भूमि पर कब्जे की नीयत से किसान की फसल उजाड़ी

संवाददाता, चौबेपुर

- त्रिलोकपुर गांव में कब्जे का मामला
- थाना प्रभारी ने कहा कि रिपोर्ट दर्ज कर की जा रही कार्रवाई

अमृत विचार। क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव में कब्जे की नीयत से किसान की गेहूं की फसल उजाड़ दी गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

त्रिलोकपुर गांव निवासी महेंद्र कुमार पुत्र स्व चंद्रभान सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि गांव में ही उसकी गाटा संख्या 15, 16, 17, 18 व 19 पर एक बीघा एक बिस्वा भूमि है। जिस पर वह फसल उत्पादन करता है। बताया कि उक्त भूमि पर गांव के महेंद्र यादव आदि की नीयत खराब है और वह उसकी भूमि पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। बीते दिनों उसने उक्त भूमि पर गेहूं बोया था।

मंगलवार सुबह मौका पाकर महेंद्र यादव उसके भाई लालू यादव पुत्रगण विश्वनाथ ने खेत की जुताई कर फसल बर्बाद कर दी। विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए दोबारा खेत के आसपास नजर न आने की धमकी दी। घटना से उसका आर्थिक नुकसान हुआ है, साथ ही मानसिक रूप से भी परेशान है। थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कार्रवाई की जा रही है।

एसआईआर के बारे में दी जानकारी

संवाददाता घाटमपुर

- घाटमपुर में सपा की एसआईआर से संबंधित बैठक हुई संपन
- पूर्व सांसद राजाराम पाल ने सपाइयों को दी जानकारी

सपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व सांसद राजाराम पाल। अमृत विचार

अमृत विचार। घाटमपुर में गुरुवार को समाजवादी पार्टी कानपुर ग्रामीण ने एसआईआर को लेकर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यहां पर आये वरिष्ठ सपाइयों ने सपा कार्यकर्ताओं को एसआईआर के बारे में विस्तार से बताया।

घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ब्लाक घाटमपुर-भीतरगांव के बूथों के बीएलए को एसआईआर के बारे में विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रघुनाथ यादव व राजकुमार चौहान (दोनों जिला उपाध्यक्ष) ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व सांसद राजाराम पाल भी उपस्थित रहे। साथ ही ब्लाक घाटमपुर के नामित एसआईआर प्रभारी राजीव सैनी भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान सभी नेताओं ने एसआईआर प्रक्रिया के बारे में मौजूद बीएलए को विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया कि वह इस कार्यक्रम में कड़ी नजर रखें ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी न की जा सके। साथ ही लोगों को एसआईआर फार्म भरने के लिये प्रेरित करें। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधानसभा अध्यक्ष राजू वर्मा ,जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ शिव सिंह पाल, विधानसभा महासचिव अमर सिंह यादव ,ब्लॉक अध्यक्ष मनोज यादव , ब्लॉक अध्यक्ष भीतरगांव गुलाब सिंह ,ब्लॉक अध्यक्ष पतारा राजकुमार कुशवाहा , जिला सचिव विजय पटेल , अनिल सोनकर वारसी , कर्मवीर यादव , जीतू यादव , शिवेन्द्र यादव , बृजेन्द्र सचान उर्फ बाबु , कल्लू परमार , चौरसिया,मानवेंद्र यादव आदि रहे।

समझौता पर चर्चा करते अधिकारी।

सीएसजेएमयू ने किया एमओयू

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने द ग्रीन पॉवर सल्यूशन थाईलैंड और ग्रीन कारपेट फाउंडेशन के साथ एमओयू किया है।

सीएसजेएमयू की ओर से एमओयू पर डीन आईआरएसी सेल के डीन प्रो. (डॉ.) सुधांशु पांड़िया जबकि टीजीपीएस की ओर से प्रतिनिधित्व पोंसाना डेविड ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान बताया गया कि इस समझौते का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, शोध एवं विकास, फैकल्टी एम्पावरमेंट, स्टार्ट-अप मेंटरिंग, और तकनीकी परामर्श जैसे क्षेत्रों में संयुक्त सहयोग को बढ़ाना है। इसके साथ ही यह एमओयू विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय इंटर्नशिप, प्रशिक्षण कार्यक्रम, हैकाथॉन, नवाचार पहल के अवसर प्रदान करेगा।

आक्रोश | पूर्व सांसद अंजू बाला ने भी समिति का किया था निरीक्षण

खाद की किल्लत के चलते सड़कों पर उतरे किसान

संवाददाता, बिल्हौर

- विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने पहुंच कर जानी हकीकत
- किसानों ने सचिव पर लगाया गड़बड़ी करने का आरोप

किसानों से बातचीत करते विधायक राहुल बच्चा सोनकर। अमृत विचार

अमृत विचार। बिल्हौर तहसील क्षेत्र में इन दिनों खाद की किल्लत को लेकर किसान लगातार परेशान हो रहे हैं। साधन सहकारी समितियों पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद और डीएपी ना मिलने से किसानों में जबरदस्त आक्रोश देखा जा रहा है।

गुरुवार को तहसील क्षेत्र के अरौल साधन सहकारी समिति पर किसानों की शिकायत पर क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर पहुंचे। उन्होंने वहां पर किसानों की समस्याओं को सुना और उच्च अधिकारियों को सचिव पर कार्रवाई के निर्देश दिए। पूर्व में खाद की किल्लत के चलते कई किसानों ने सचिव शालू सिंह की शिकायत की थी, जिसके बाद गुरुवार को मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर के साथ एआर कोऑपरेटिव राकेश प्रभाकर ने भी समिति पर खाद लेने आए तमाम किसानों से बातचीत करते हुए सचिव की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए।

किसानों का आरोप है कि सचिव के द्वारा उनसे सही ढंग से बर्ताव नहीं किया जाता है। इससे पहले भाजपा की पूर्व सांसद अंजू बाला ने भी समिति का निरीक्षण किया था। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के तमाम किसानों ने शिकायत की थी। इसपर मैं स्वयं समिति पर गई और अनियमिताओं को देखा इसके बाद उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए थे।

समिति पर पर्याप्त खाद नहीं,

> साधन सहकारी समिति पर कुछ विशेष व्यक्तियों द्वारा महिला कर्मचारी होने पर 50-50 बोरी खाद देने का दबाव बनाया जाता है तथा अराजकतत्व समिति पर मेरे आने से पहले अपना अड्डा बनाए थे। इसको हमने खत्म करवा दिया है। उसके कारण ही हम पर कुछ व्यक्ति विशेष लोगों द्वारा आरोप लगाए जा रहे हैं। -शालू सिंह (सचिव)

> सचिव की शिकायत मिली है। मामले की जांच कराई जाएगी और जांच में दोषी पाए जाने पर सचिव को हटाया जाएगा। - राकेश प्रभाकर, एआर कोऑपरेटिव

अधिकारी मौन : बिल्हौर तहसील क्षेत्र में वर्तमान में दो दर्जन से अधिक साधन सहकारी समिति संचालित हो रही हैं, लेकिन किसी भी समिति पर पर्याप्त रूप से खाद नहीं मिल पा रही, जिससे किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इससे किसानों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। वही इस मामले में अधिकारियों ने मौन साध रखी है।

मंदिर का भ्रमण करने पहुंचे एनसीसी कैडेट्स। अमृत विचार

एनसीसी कैडेट्स ने ऐतिहासिक मंदिर का किया भ्रमण

घाटमपुर। गुरुवार को शक्ति डिग्री कॉलेज साखाहारी के एनसीसी कैडेट्स ने भीतरगांव स्थित प्राचीन ईंटों के मंदिर का भ्रमण किया। वहां पर इस प्राचीन भवन की निर्माण की अनूठी कलाकृति को देखा और इसके ऐतिहासिक महत्व सहित अन्य जानकारियां प्राप्त की।

कॉलेज प्रबंधक विनय त्रिवेदी ने बताया कि, इस प्राचीन मंदिर में ले जाने का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को क्षेत्र में स्थित भारत की गौरवमयी उपलब्धियों से अवगत कराना है। इसके बाद सारे एनसीसी कैडेट्स भीतरगांव की बाजार पहुंचे और वहां पर मौजूद दुकानदार व अन्य लोगों से पॉलिथीन का उपयोग न करने को कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि पर्यावरण को पॉलिथीन के जहर से बचाने के लिये हमे आगे आना होगा हमें पॉलिथीन का प्रयोग बिल्कुल बंद करना होगा। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक विनय त्रिवेदी, श्याम जी शुक्ला, हिमांशु अल्तमस, साक्षी, नंदिनी, पूजा, सृष्टि अनामिका, प्रभुता, अनुराग, रवि, राहुल, अंकित, हर्ष सिंह आदि एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

केडीए ने पार्क आवंटन मामले में सौंपी रिपोर्ट

कानपुर। अखिलेश दुबे से जुड़े पार्क आवंटन मामले में केडीए ने गुरुवार को शासन की दो सदस्यीय जांच समिति को रिपोर्ट सौंप दी। साकेत नगर स्थित किशोरी वाटिका पार्क से जुड़े दस्तावेज हैं। जमीन आवंटन के मामले में जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को जांच के आदेश दिए थे।

आवास एंव शहरी नियोजन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में आवास एंव विकास परिषद लखनऊ स्थित सभागार में जांच समिति ने गुरुवार को केडीए अफसरों से दस्तावेज और अन्य जानकारी ली। जांच समिति ने पूछा था कि भूखंड किस आवासीय योजना में स्थित है और यह योजना कब विकसित की गयी थी? भूखंड किस श्रेणी का है और इसका भू उपयोग क्या है? भूखंड से संबंधित योजना कब पूर्ण हुई थी और यह कब नगर निगम को हस्तानांतरित की गयी ? भूखंड 15 सितंबर 1998 को किसको आवंटित या लीज पर दिया गया था और किसके अनुमोदन से दिया गया?

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

'ड्रैगन फ्रूट' के उत्पादन से निकले बरेली के किसानों के लिए नये रास्ते

हरा गुलाबी-लाल रंग, खाने में मक्खन जैसा मुलायम व मीठा। गजब का स्वाद। हम बात रहे हैं वियतनाम मूल के विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट' की। अब यह फल बरेली की धरती पर खूब उग रहा है। यहां के बहगुलपुर गांव के प्रगतिशील किसान यशपाल ने अपने 10 एकड़ खेत में इस 'सुपरफूड' का उत्पादन कर बाकी किसानों के लिए भी नये रास्ते खोल दिये हैं। जिले के किसान अन्य पारंपरिक खेती के साथ इस फल की खेती कर सकते हैं, क्योंकि इस खेती बहुत आसान है। उद्यान विभाग इसकी खेती के लिए किसानों को प्रशिक्षण के साथ निशुल्क पौध भी उपलब्ध करा रहा है। लगभग डेढ़ साल में इसकी फसल तैयार हो जाती है, जबकि तीन साल के बाद भारी मात्रा में फल आते हैं। अगले तीस सालों तक किसान इससे फसल लगातार ले सकते हैं। ऐसे में यह किसानों की आय बढ़ाने का अच्छा सौदा साबित हो सकता है। गुजरात व मुंबई से जाकर इसकी खेती से प्रेरित हुए यशपाल व उनकी टीम के साथी प्रवीण कुमार गुप्ता अपने अनुभव साझा करते हुए कहते हैं कि इसकी खेती पर एक एकड़ चार-पांच लाख रुपये खर्च होते हैं। एक एकड़ में प्रति साल 10-15 लाख का फायदा होता है। इसकी फसल जुलाई से नवंबर तक चलती है। इसकी खेती में जैविक व प्राकृतिक उर्वरक इस्तेमाल होता है। किसान वर्मी कम्पोस्ट खुद बनाकर खेतों में इसका उपयोग कर सकते हैं। यह खाद साल में तीन बार देनी होती है। हर पन्द्रह दिन में सिंचाई ड्रिप तकनीक प्रणाली से की जाती है। सिंचाई के लिए बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है। इसके उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 90 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है।

बाजार में है बहुत संभावनाएं

यशपाल का कहना है कि बरेली समेत अन्य जिलों में इस फल की बहुत मांग है। वजह यह है कि यह स्वादिष्ट होने के साथ ही कीवी फल से 10 गुना पौष्टिक होता है। स्वादिष्ट होने के कारण इसकी मांग निरंतर बढ़ती जा रही है।

जलभराव वाली जमीन पर नहीं पैदा होता यह फल

प्रगतिशील किसान का कहना है कि यह फल जलभराव वाली जगह पर नहीं पैदा होता, क्योंकि इसकी जड़ें गहरी नहीं होती हैं। यह बंजर जमीन पर भी उग सकता है। जमीन तो केवल नीचे सपोर्ट के लिए होती है, जबकि यह फल अलग से जैविक खादयुक्त मिट्टी पर उग जाता है।

अपनी अलग पहचान बना रहे बरेली के किसान

सिंदूर की फली

बरेली, जो कभी मुख्य रूप से गन्ना उत्पादक क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, अब एक महत्वपूर्ण कृषि क्रांति का साक्षी बन रहा है। यहां के किसान अब केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि केंद्र व राज्य सरकार की प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने वाली नीतियों के साथ-साथ खुद भी इनोवेशन को अपना रहे हैं। बरेली के किसानों ने ड्रोन तकनीक, आधुनिक सिंचाई प्रणालियों और जैविक खेती को अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सबसे बड़ा बदलाव 'विविधीकरण' के क्षेत्र में आया है। अब यहां विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट', वाइन ग्रेप्स और अन्य विदेशी प्रजाति की सब्जियाँ सफलतापूर्वक उगाई जा रही हैं। इस परिवर्तन में एक प्रेरक पहलू बड़े शहरों की बडे.पैकेज की नौकरी छोड़कर गांव लौटे शिक्षित युवाओं की भूमिका है। इन युवाओं ने आधुनिक कृषि तकनीकों और विदेशी फसलों की खेती से कृषि वैज्ञानिकों तक को चकित कर दिया है, युवाओं ने साबित कर दिया कि कृषि एक लाभदायक और सम्मानजनक कॅरियर विकल्प है। फसल उत्पादन के अलावा, कृषि से जुड़े अन्य क्षेत्रों में भी प्रगति हो रही है। गुजरात की देसी 'गिर' गायों का दुग्ध कारोबार यहां आगे बढ़ रहा है। बरेली की अर्थव्यवस्था कृषि के क्षेत्र में एक नया रूप ले रही है।

अंगूर के साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं

प्राचीन काल में पांचाल राज्य का हिस्सा रही वर्तमान बरेली विदेशी प्रजाति के अंगूर व इससे बनने वाले वाइन कारोबार में विदेशी बाजारों का प्रभुत्व तोड़ेगी। यहां अंगूर के उत्पादन साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं हैं। प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी ने इसे सिद्ध कर दिया है। वर्तमान में महाराष्ट्र के नासिक में अंगूर की खेती होती है, जबकि अमेरिका समेत कई यूरोपीय देशों में अंगूर की खेती होती है। जलवायू अनुकूल होने के कारण एक ओर जहां इन देशों में अंगूर का उत्पादन खूब होता है, वहीं इससे खुशबूदार वाइन भी खूब बनती है। यही वजह है कि वैश्विक बाजार में अंगूर के साथ विदेशी वाइन छायी हुई है। विश्व में 80-90 प्रतिशत अंगूर वाइन, जूस व किशमिश बनाने में इस्तेमाल होता है। अब बरेली में भी विदेशी प्रजाति के अंगूर व वाइन का उत्पादन बढ़ सकेगा और बरेली की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बन सकेगी। सरकारी सहयोग मिला तो यह शहर अंगूर की खेती का 'अन्तर्राष्ट्रीय हब' बन जाएगा। बरेली को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में 'जिद', 'जज्बा' व 'जुनून' के साथ लगे यहां के टिगरी गांव निवासी प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी का कहना है कि आजकल के युवा किसान 'खेती-किसानी' को घाटे का सौदा मानकर इससे मुंह मोड़ रहे हैं। वे अपने पूर्वजों की पुश्तैनी जमीन पर खेती करने के बजाय उसे बेचकर शहरी जीवन के चकाचौंध में जाने को आतुर हैं, पर इसमें उन्हें वास्तविक सफलता नहीं मिलनी वाली है।

विभिन्न किस्में लगा सकते हैं खेत में

किसान अपने खेतों में विभिन्न विदेशी किस्मों की फसलें लगा सकते हैं। प्रगतिशील किसान साहनी ने तो अपने फार्म हाउस में विदेशी अंगूर व अन्य विदेशी पौधे लगाये गए। यहां आम लोगों के खाने में इस्तेमाल होने वाले विदेशी अंगूर के साथ वाइन बनाने वाले विदेशी अंगूर 'वाइन ग्रेप्स' भी लगाये गए हैं। इसमें फ्रांस, इटली, आस्ट्रेलिया, ग्रीस आदि देशों की 35 किस्में शामिल हैं। साहनी ने सिंदूर (कमीला जतन) का पेड़ भी यहां लगाया है जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

सफल खेती के लिए खेतों में उन्नत विदेशी तकनीक जरूरी

साहनी ने अपने फार्म हाउस में खेतों को व्यवस्थित करने के लिए इंग्लैंड से आयातित तार लगाए गए हैं जिसमें अंगूर की लतायें फैली हैं। विदेशी तकनीक से एकीकृत प्रणाली के तहत बागान में सिंचाई की व्यवस्था है। इजराइल की तकनीक के उपकरण से पौधों की मांग के अनुसार सिंचाई होती है, जबकि पारंपरिक तौर पर सिंचाई में मांग के अनुसार सिंचाई की व्यवस्था नहीं होती है।

ये भी है फार्म हाउस में

- 82 प्रजातियों की चिड़ियां
- 38 प्रकार की तितलियां
- तराई में पैदा होने वाला सिंदूर का पौधा
- फालसे का बाग
- अंजीर का बाग
- कचनार के पेड़
- देसी मेंहदी के पेड़ व आंडू का बाग आदि

पौधों को पिलाया जाता है नीम का तेल

विदेशी तकनीक के तहत पौधों में नीम की तेल की सिंचाई होती है, ताकि कीट प्रबंधन हो सके। फार्म हाउस में लगे अंगूर के पौधों को नीम का तेल पिलाया जाता है। किस पौधे को कितनी जरूरत है, इसका भी अध्ययन किया जाता है। इजराइल की सिंचाई तकनीक इस्तेमाल कर पाइप लाइन बिछाई गई है। यहां हर पौधे को नंबर आवंटित किये गए हैं। साथ ही, इंग्लैंड से आयातित तार लगाये गए हैं। यह तकनीक भी बरेली के किसानों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

डेयरी क्रांति की कहानी, बीएल एग्रो की कामधेनू परियोजना

बीएल एग्रो कामधेनु परियोजना से गांवों और किसानों का समृद्ध करने की दिशा में काम कर रहा है। परियोजना का उद्देश्य डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए यहां गिर और साहिवाल गायों की नस्ल तैयार करना है, जो उच्च गुणवत्ता वाले दूध का उत्पादन करेंगी। बीएल एग्रो ने इस परियोजना के लिए शुरुआत में 1,000 करोड़ का निवेश किया है, जिसके पूरी क्षमता से चालू होने पर कुल 3,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

बीएल एग्रो के प्रबंध निदेशक आशीष खंडेलवाल बताते हैं कि वर्तमान में 350 से अधिक साहिवाल, गिर, पुंगुर नस्ल की गाय डेयरी में हैं। ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर इस नस्ल की गायों में अनुवांशिक सुधार कर उनकी संख्या बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ब्राजील ने गिर नस्ल में अनुवांशिक सुधार करके प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 किलो प्रतिदिन प्राप्त किया है। भारत में प्रतिपशु दूध का उत्पादन उन देशों के मुकाबले काफी कम है। इसका कारण हमारे पास उच्च गुणवत्ता वाले गायों और सांडों की कमी है। जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता को ध्यान में रखकर बीएल कामधेनु परियोजना में सम्मिलित किया है। योजना के प्रयास से उच्च नस्ल वाली भारतीय साहिवाल और गिर गाय पैदा होने के बाद सीमेन और भ्रूण लाने के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने की भी आवश्यकता नहीं होगी।

- परियोजना को एक हजार करोड़ का निवेश, पूरी क्षमता से चालू होने पर तीन हजार करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद
- ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर गिर और साहिवाल गायों में होगा अनुवांशिक सुधार
- प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 लीटर प्रतिदिन लाने का लक्ष्य

साहिवाल नस्ल की 5000 गायों को रखने की योजना

भविष्य में गिर, साहिवाल नस्ल की पांच हजार हजार देसी गायों को रखे जाने की योजना है। जो एक दिन में 30 से 35 लीटर तक दूध दे सके। इन गायों के माध्यम से बीएल एग्रो स्थानीय समुदाय को जहां उच्च दूध देने वाली गायों की उपलब्धता बढ़ाएगा, वहीं बेहतरीन गुणवत्ता वाला चारा-दाना के माध्यम से जुड़कर पशुधन का विकास करेगा। साथ ही किसानों के लिए दूध की मार्केटिंग में भी सहयोग करेंगे। इसके लिए एक फील्ड प्रोसेसिंग यूनिट भी होगी, जो किसानों से दूध जैसे कच्चे माल की प्राप्ति के लिए उनके साथ काम करेगी। आईसीएआर- सीआईआरजी के पूर्व निदेशक एवं बीएल कामधेनु योजना के उपाध्यक्ष डा. एसके अग्रवाल बताते हैं कि भ्रूण प्रत्यारोपण एक ऐसी विधि है, जिसके माध्यम से गाय की किसी भी नस्ल की एक गाय से साल भर में 40 से 50 भ्रूण विकसित करके दूसरी गायों में प्रत्यारोपित कर 15 से 16 बछिया को जन्म दिलाया जा सकता है, जबकि सामान्य तौर पर साल भर में एक गाय से एक ही बछिया प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत नस्ल के विकास से किसानों को होगा फायदा

आशीष खंडेलवाल के मुताबिक, अगर किसान या पशुपलाकों के पास उन्नत नस्ल का पशु है तो उसका भ्रूण लैब में तैयार करेंगे। जिसे उनके सेरोगेट मदर में ट्रांसफर करेंगे। वहीं, उनकी मांग पर लैब में संरक्षित भ्रूण को भी प्रत्यारोपित कर देंगे। इससे उन्नत नस्ल के पशु का जन्म होगा। टेस्ट ट्यूब बेबी (आईवीएफ) से जन्मे गाय के बच्चों में ज्यादा दूध देने की क्षमता होगी।

चारा उत्पादन के लिए किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग

चारा उत्पादन के लिए कांट्रेक्ट फार्मिंग करने का फैसला किया है। इसके तहत, डेयरी आसपास के किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग करेगी, जिसमें किसानों को चारा उत्पादन के लिए बीज, उर्वरक और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की जाएगी। डेयरी किसानों से निर्धारित दर पर चारा खरीदेगी, जिससे किसानों को भी लाभ होगा और डेयरी को भी चारा की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

योजना के अंतर्गत कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट (सीबीपी) भी लगाया गया है इसके माध्यम से बायोगैस बनाकर उसी से जेनरेटर के द्वारा बिजली का उत्पादन होगा। जो वेस्ट निकलेगा उसमें पानी उलग करके पैकेजिंग करके पाउडर के रूप में बायो फर्टीलाइजर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे केमिकल का इस्तेमाल तो कम होगा ही, खेतों की उर्वरकता भी बढेग़ी।

खेत से आसमान तक 'ड्रोन दीदी' की सफलता की उड़ान

नवाबगंज की रहने वाली किरन गंगवार ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से एक नई ऊंचाई हासिल की है। एमए की पढ़ाई करने वाली किरन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर ड्रोन पायलट बनने का फैसला किया और आज वह 'ड्रोन दीदी' के नाम से जानी जाती हैं। किरन बताती हैं कि उन्होंने नवंबर 2023 में खुद को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने का फैसला लिया। इसके बाद, उन्हें इफको की ओर से फ्री में ड्रोन दिए जाने के साथ चलाने की ट्रेनिंग दी गई। दिसंबर 2023 में प्रयागराज के फूलपुर स्थित इफको कोरडेट में ट्रेनिंग मिली और मार्च 2024 को उन्हें 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत कृषि ड्रोन मिला। आज किरन 500 हेक्टेयर में 'स्प्रे'कर चुकी हैं और अच्छी कमाई भी कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहली बार जब गांव में ड्रोन उड़ाया, तो लोग देखने के लिए आए। तब लोगों को विश्वास ही नहीं हुआ था कि ड्रोन से फसलों पर कीटनाशक और पानी का छिड़काव भी संभव है। किरन कहती हैं, अगर महिलाएं ठान लें, तो कुछ भी असंभव नहीं है।

अच्छा परिणाम दे रही हैं विदेशी फसलें

बरेली में पारंपरिक फसलों से हटकर विदेशी व उन्नत खेती की अपार संभावनाएं हैं। भले ही यहां की जलवायु इन फसलों के अनुकूल नहीं है, फिर भी यहां की धरती पर जिस तरह से विदेशी फसलें अच्छा परिणाम दे रही हैं। इससे खेती में लगे किसानों का उत्साह बढ़ गया है। इसी तरह, दूसरे राज्यों की देसी गिर गाय भी अनुकूल जलवायु न होने के बाद भी बरेली की जमीन पर बेहतर नतीजे दे रही हैं। बरेली के और किसान भी इससे प्रेरणा लेकर इस क्षेत्र में सफलता की ऊंचाई छू सकते हैं। इन अच्छे नतीजों से कृषि व उद्यान के विशेषज्ञ चकित हैं। कुछ का कहना है कि सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन के कारण अच्छे नतीजे आ रहे हैं, तो कुछ इस पर अनुसंधान किये जाने पर जोर दे रहे हैं।भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के उद्यान विभाग के विषय विशेषज्ञ डॉ रंजीत सिंह का कहना है कि विज्ञान के अनुसार तो विदेशी औद्यानिक फसलें बरेली की जलवायु के अनुकूल नहीं हैं। यहां जाड़े में बहुत ठंड तो गर्मी में बहुत गर्म पड़ती है। यहां सामान्य तौर पर दिन में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस व रात में 12 डिग्री सेल्सियस रहता है। विदेशी नस्ल के उत्पादन पर उनका कहना है कि कुछ किस्में ही यहां उग पाई हैं। उनका कहना है कि कृषि वैज्ञानिक कई 'राउंड' में जलवायु व फसल उत्पादन का अध्ययन करते हैं। औसतन 10 साल का डाटा लिया जाता है। इसमें सफलता मिलने पर ही उसे सफल कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विदेशी तकनीक के अंगूर, ड्रैगन फ्रूट आदि पैदा हो रहे हैं।

पहले की खेती और आज की खेती में फर्क समझें: डा. अंजनी

कृषि क्षेत्र में बदलाव की कहानी अब आम हो गई है। पहले खेती भले ही कम की जाती थी, लेकिन फसल की गुणवत्ता और बीजों के चुनाव में पहले की खेती और आज की खेती में बहुत फर्क आ चुका है। आयुर्वेदाचार्य और कृषि विशेषज्ञ डा. अंजनी सिंह उदाहरण के तौर पर बताते हैं कि आज की लौकी खाने के बाद कई बार पेट दर्द की शिकायत रहती है, जबकि पहले की लौकी खाने पर ऐसी दिक्कत नहीं होती थी। क्योंकि आज की लौकी का आकार बड़ा करने के लिए लोग 'इंजेक्शन' का इस्तेमाल करने लगे हैं। डा. अंजनी कहते हैं पहले खेती में गोबर और अन्य प्राकृतिक खाद का इस्तेमाल होता था, जिससे फसल की गुणवत्ता अच्छी होती थी और मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती थी। लेकिन आज खेती में रसायनों का इस्तेमाल बढ़ गया है, जिससे फसल की गुणवत्ता घट रही है और मिट्टी की उर्वरता भी कम हो रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

देसी गाय के दूध का बड़ा बाजार

यूं तो राज्य सरकार की योजनाओं के बल पर गोवंश का संरक्षण करने के लिए हर जिले में गौशालाएं खोली जा रही हैं। विभिन्न योजनाओं के जरिये सरकार खूब रकम सब्सिडी के रूप में लोगों को उपलब्ध करा रही है और योजनाओं से पोषित गौशालाएं खुल भी रही हैं, पर बिना सरकारी सहयोग के ही बरेली में गुजरात की देसी गाय गिर अपने दूध व दुग्ध उत्पाद से नई पहचान बना रही है। इसके दूध की इतनी मांग है कि पूरी नहीं पड़ रही है। इससे संभावना जताई जा रही है कि आने वाले समय में अगर बरेली में और गौशालाएं खुलेंगी, तो दुग्ध व इसके उत्पाद के बाजार में छा जाएंगी।

बरेली के भैरपुरा खजुरिया निवासी ज्ञानेंद्र सिंह ने गिर गाय का गौशाला का संचालन कर यह सिद्ध कर दिया है कि यहां के अन्य लोग खासकर युवा भी इस क्षेत्र में अपना अच्छा कॅरियर बना सकते हैं। मर्चेंट नेवी में चीफ ऑफीसर की 48 लाख सालाना वेतन की नौकरी छोड़कर वर्ष 2023 में गांव में गौशाला संचालन व प्राकृतिक खेती कर रहे ज्ञानेंद्र के पास छोटी-बड़ी मिलाकर कुल 65 गाय हो गई हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए ज्ञानेंद्र कहते हैं कि बरेली में शुद्ध दूध की बहुत मांग है। मांग के अनुसार अभी आपूर्ति पूरी नहीं हो पा रही है। देसी गिर पर ही विशेष जोर देने के सवाल पर उनका कहना है कि वैसे तो साहिवाल समेत अन्य गायों का दूध भी विदेशी गायों से अच्छा रहता है, पर गिर नस्ल की गाय का दूध मां के दूध के समान होता है। इसमें प्रोटीन ए टू होता है, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गिर गाय मौसम के अनुकूल होती हैं, इसलिए बीमार भी बहुत कम पड़ती हैं। यह गाय 7-8 लीटर प्रतिदिन दूध देती हैं। ऐसे में इस गाय के दूध के बाजार में बहुत संभावनाएं हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में गांव के अन्य किसान व युवा अपना कैरियर बना सकते हैं।

अन्य राज्यों को भा रहा बरेली का दुग्ध उत्पाद

गिर गाय का दुग्ध उत्पाद बरेली के साथ ही अन्य राज्यों महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब के साथ ही राजधानी लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि के लोगों को भा रहा है। तीन एकड़ पुश्तैनी जमीन पर में प्राकृतिक खेती व गांव में मकान के सामने गौशाला चला रहे ज्ञानेंद्र का कहना है कि वह 250 परिवारों को दूध व अन्य कृषि उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। इनमें केवल दूध के 50 ग्राहक बरेली के हैं। दूध की आपूर्ति केवल जिले में है, जबकि दुग्ध उत्पाद मुम्बई, पंजाब, दिल्ली, लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि में आपूर्ति हो रहा है। मिलावटी दूध से परेशान लोग अब शुद्ध दूध की मांग कर रहे हैं। ऐसे में बरेली में और गौशालाएं खोली जाएं, तो इसका लाभ किसानों के साथ यहां के लोगों को मिल सकेगा।

शुद्ध देसी घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी

दूध से शुद्ध घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी है। घी बनाने में बिलौना विधि का प्रयोग होता है, जो पूरी तरह मैनुअल होता है। ज्ञानेंद्र की गौशाला में इस विधि का ज्ञान रखने वाली उनकी 80 वर्षीय बुजुर्ग मां शकुंतला देवी घी बनाने का कार्य करती हैं। वजह यह है कि इस विधि से बनने वाला घी अधिक स्वादिष्ट होता है। शाहजहांपुर में आबकारी निरीक्षक पद पर तैनात सविता चौधरी भी घर आने के दौरान गौशाला व प्राकृतिक खेती में सहयोग करती हैं। यानी सफलता के लिए खुद के साथ ही अगर पारिवारिक सहयोग मिल जाय, तो यह सोने पर सुहागा साबित होगा।

जवान न बन सके सर्वेश बन गए प्रगतिशील किसान

जब दिल में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। हाफिजगंज के ग्रेम गांव के सर्वेश की कहानी कुछ इसी तरह की है। सर्वेश का सपना था कि फौज में भर्ती होकर देश की सेवा करना। चार बार फौज की भर्ती में शामिल हुए। शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण की, पर सफल नहीं हुए। निराश होने के बजाय उन्होंने गांव में खेती को रोजगार का जरिया बनाने की ठानी। जैविक खेती का तरीका सीखा। फसल लहलहाई तो उनकी किस्मत चमक गई। 28 साल की आयु में सर्वेश को कृषि विज्ञान केंद्र ने प्रगतिशील किसान का दर्जा प्रदान किया है। सर्वेश गन्ने के साथ मेंथा, सरसों, मेंथा आदि कि वर्तमान में वह करीब 15 बीघे में जैविक खेती कर रहे हैं। सालाना आय करीब पांच लाख रुपये से ज्यादा है। सर्वेश बताते हैं कि उन्होंने एक फर्म भी बनाई है। इसके जरिए वह जैविक खेती को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उनकी फर्म से अब तक एक, दो बीघे वाले 300 से अधिक किसान जुड़ चुके हैं। उनका उद्देश्य खेती को सिंथेटिक रसायन से मुक्त करना है। इसके अलावा वह कृषि कॉलेजों, केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यक्रमों में व्याख्यान देने भी पहुंचते हैं। सर्वेश बताते हैं कि उत्पादित फसलों की गुणवत्ता के आधार पर बिक्री अधिक होने की वजह से अब व्यापारियों की मांग के अनुसार माल की कमी हो जाती है।

अमेरिका-जर्मनी तक बरेली का मेंथा पहुंचा रहे निहाल

जैविक खेती के फायदे जानने हैं तो बरेली के उन्नतशील कृषक निहाल सिंह के बारे में जानिए, जो ऑर्गेनिक मेंथा, सगंध फसलों और जड़ी-बूटियों की खेती करते हैं। वर्तमान में उनसे पांच हजार किसान जुड़े हैं। निहाल का दो एकड़ से शुरू हुआ खेती का सफर आज दस हजार एकड़ में फैल चुका है। वह कहते हैं वर्ष 2002 में बेहद छोटे पैमाने पर ऑर्गेनिक मेंथा की खेती शुरू की थी। आज उनकी कंपनी ऑर्गेनिक सर्टिफाइड मेंथा उत्पादन करती है। यहां उपजा जैविक मेंथा जर्मनी और यूएसए (अमेरिका) तक भेजा जा रहा है। इसकी बहुत मांग है। तुलसी की सूखी पत्ती की भी अमेरिका में खूब मांग है। जैविक खाद से पैदा हुए धान, गेंहू और आलू की सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मांग होती है। वह अपनी सफलता का सीक्रेट शुद्धता, प्रतिबद्धता और किसानों के साथ मजबूत रिश्ते बताते हैं। वह कहते हैं कि 2003 में कॉलेज के एक 'लेक्चर' में सुना था कि रसायनिक खाद जमीन को कितना नुकसान पहुंचा रही हैं। शरीर में बीमारियां बढ़ रही हैं। इसके बाद जैविक खाद से उड़द की खेती से शुरुआत की थी। पांच साल तक व्यवसायिक फायदा नहीं मिला। इन्हीं चुनौतियों से सीखते हुए 2008 में जैविक उत्पाद के लिए बाजार खड़ा कर लिया। आज पांच हजार किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती कर रहे हैं। ऑर्गेनिक मेंथा ही नहीं वह जड़ी-बूटियों और लेमनग्रास व कैमोमाइल जैसी दस से अधिक सगंध फसलें उगाते हैं। राइस मिल और गुड़ बनाने की यूनिट भी लगाई जो किसानों की आय बढ़ाने में मदद करती है। उनका कहना है कि युवा खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाएं, क्योंकि यही भारत को अग्रणी बना सकती है।

प्रस्तुति : रमेश चंद्र व महिपाल गंगवार

अमृत विचार

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

आप खुश होते हैं या दुखी, यह इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आपके पास क्या है, या आप कौन हैं, या आप कहां हैं, या आप क्या कर रहे हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप क्या सोचते हैं।

–डेल कार्नेगी, अमेरिकी लेखक

ऐतिहासिक खेल उपलब्धि

कॉमनवेल्थ गेम्स का बीस बरस बाद भारत लौटना देश के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा। राष्ट्रमंडलीय खेलों के दौरान दुनिया का स्वागत करने के लिए भारत जितना उत्सुक है, उतना ही आत्मविश्वासी भी। बड़ी बात यह कि पूरा आयोजन पहली बार वास्तविक तौर पर किसी एक ही शहर में संपन्न होगा। हाल के वर्षों में भारत में खेलों को लेकर जो अवसंरचनात्मक विकास और जनसमर्थन बढ़ा है, उससे निस्संदेह यह अवसर अत्यंत उल्लेखनीय बनेगा। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दीर्घकालिक विज़न को भी पुष्ट करती है, जिसके तहत भारत को ग्लोबल स्पोर्ट्स हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

ओलंपिक बोली की तैयारी, खेलों में निजी एवं सार्वजनिक निवेश की वृद्धि, खेल विज्ञान व उच्च-स्तरीय अवसंरचना के विस्तार ने इस क्षेत्र में देश की वैश्विक छवि को उल्लेखनीय मजबूती दी है। कॉमनवेल्थ जैसे विशाल आयोजन की मेजबानी इसी का प्रतिफल है। सवाल है कि क्या अहमदाबाद इतनी स्तरीय, विविध और व्यापक खेल अवसंरचना 2030 तक विकसित कर पाएगा कि सभी राष्ट्रमंडलीय खेल, जिनमें इस बार 17 नए खेल भी जोड़े गए हैं, एक ही शहर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकेंगे? वर्तमान में अहमदाबाद और उसके आसपास खेल परिसरों, स्टेडियमों, प्रशिक्षण केंद्रों, मेडिकल, स्पोर्ट्स साइंस जैसी सुविधाओं और हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का तीव्र विस्तार हो रहा है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम, सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव और आगामी मल्टी-डिसिप्लिन स्पोर्ट्स हब, ये सभी इस बात का संकेत देते हैं कि शहर 2030 तक विश्व-स्तरीय आयोजन की आवश्यकताओं को पूरा करने में अवश्य सक्षम हो जाएगा। इसी मजबूत अवसंरचना और बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता के आधार पर ही अहमदाबाद को 2028 वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2031 वर्ल्ड सीनियर एथलेटिक्स और 2033 वर्ल्ड एथलेटिक्स की मेजबानी मिलने की संभावनाएं बनी हैं। भारत को कॉमनवेल्थ की मेजबानी मिलने के पीछे दो महत्वपूर्ण कारण हैं- पहला, तेजी से मजबूत होती अवसंरचना और उसमें बढ़ता सार्वजनिक निवेश, दूसरा, भारत की आर्थिक स्थिरता और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाएं। किसी भी बड़े बहुराष्ट्रीय आयोजन के लिए आर्थिक क्षमता और शहर-स्तरीय आधारभूत विकास निर्णायक होते हैं और भारत ने दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है।

ठीक है कि कॉमनवेल्थ गेम्स बहुधा आर्थिक लाभ के बजाय व्यय-प्रधान आयोजन सिद्ध हुए हैं। यह आयोजन केवल खर्च का विषय नहीं, बल्कि दीर्घकालिक शहरी-विकास, पर्यटन वृद्धि, रोजगार सृजन और वैश्विक प्रतिष्ठा का मामला है। दिल्ली ने 2010 में परिवहन, सड़कों, एयरपोर्ट, मेट्रो और शहरी ढांचे में बड़ा रूपांतरण देखा था। अहमदाबाद में भी 2030 तक परिवहन, शहरी नियोजन, स्मार्ट-सुविधाएं, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, रिवरफ्रंट और स्पोर्ट्स-इकोनॉमी के कई क्षेत्र नए स्तर पर विकसित होंगे। घरेलू आयोजन खिलाड़ियों के लिए अवसर और प्रेरणा दोनों बढ़ाता है। आज हमारी खेल व्यवस्थाा अधिक वैज्ञानिक, संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक है। घर में खेल होगा तो हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन और पदक संख्या दोनों में वृद्धि दिखेगी।

धर्म ध्वजा की स्थापना के अर्थ व संदेश

गोलेश स्वामी

राजनीतिक विश्लेषक

धर्म ध्वजा, धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है। दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे। कोई गरीब न रहे। समाज में कोई वर्ग भेद न हो। शबरी की ममता से लेकर निषाद राज की मित्रता और जटायु-गिलहरी के सहयोग का। खासकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर को राष्ट्र मंदिर घोषित करना और मैकाले की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति पर जबर्दस्त प्रहार। साथ ही इसे गुलामी का प्रतीक बताना भर नहीं, बल्कि अगले दस साल में इससे मुक्ति पाकर अपनी संस्कृति की ओर लौटना। इसमें यह भी जोडना कि देश को 1947 में आजादी तो मिली, लेकिन स्वदेशी को दरकिनार कर विदेशी के महत्व को मन मस्तिष्क में भरा गया। कोई शक नहीं कि राम मंदिर के निर्माण के लिए पांच सदियों के संघर्ष और सैकड़ों लोगों के बलिदान के बाद यह अहम दिन था। यह सनातन की बहुत बड़ी विजय है। सनातन की वेदना की समाप्ति और कार्य सिद्धि के महायज्ञ की पूर्णाहुति है।

ध्वजारोहण समारोह का सबसे खास पहलू यह भी रहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन केवल भगवान राम के मंदिर, धर्म ध्वजा, रामत्व, राम राज्य और अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जन्म भूमि मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा की स्थापना ने एक बार फिर से त्रेता युग और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अहसास कराया। श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम-सीता के विवाह पंचमी के शुभ मुहूर्त के मौके पर हुए इस ध्वजारोहण ने देश-दुनिया को जहां गहरे अर्थ दिए हैं, वहीं एक नहीं अनेक अहम संदेश दिए हैं। पहला संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संतों व राम भक्तों की एकजुटता का है। यह धर्म और सियासत के समन्वय और राम मंदिर की पूर्णता का भी संदेश है। धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है।

दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे। कोई गरीब न रहे। समाज में कोई वर्ग भेद न हो। शबरी की ममता से लेकर निषाद राज की मित्रता और जटायु-गिलहरी के सहयोग का। खासकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर को राष्ट्र मंदिर घोषित करना और मैकाले की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति पर जबर्दस्त प्रहार। साथ ही इसे गुलामी का प्रतीक बताना भर नहीं, बल्कि अगले दस साल में इससे मुक्ति पाकर अपनी संस्कृति की ओर लौटना। इसमें यह भी जोडना कि देश को 1947 में आजादी तो मिली, लेकिन स्वदेशी को दरकिनार कर विदेशी के महत्व को मन मस्तिष्क में भरा गया। कोई शक नहीं कि राम मंदिर के निर्माण के लिए पांच सदियों के संघर्ष और सैकड़ों लोगों के बलिदान के बाद यह अहम दिन था। यह सनातन की बहुत बड़ी विजय है। सनातन की वेदना की समाप्ति और कार्य सिद्धि के महायज्ञ की पूर्णाहुति है।

ध्वजारोहण समारोह का सबसे खास पहलू यह भी रहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन केवल भगवान राम के मंदिर, धर्म ध्वजा, रामत्व, राम राज्य और राष्ट्र मंदिर तक सीमित नहीं रहा। बल्कि उन्होंने एक ओर जहां अपने विरोधियों पर निशाना साधा, तो रामभक्तों को भी नसीहत देना नहीं भूले। इशारों-इशारों में अपने विरोधियों, खासकर कांग्रेस की पूर्व सरकारों को भगवान राम को काल्पनिक मानने के लिए कठघरे में खड़ा किया। यहां तक कि कांग्रेस सहित विरोधी दलों की सरकारों के आर्थिक विकास पर भी यह कहकर सवाल दागे कि 70 साल में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था ही बन सकी, जबकि उनके मात्र 11 साल के कार्यकाल में ही देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन चुकी है।

इसके साथ ही भविष्य में स्वदेशी के बल पर भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, लेकिन प्रधानमंत्री देशवासियों खासकर रामभक्तों को यह कहकर नसीहत देना नहीं भूले कि वे अपने अंदर राम के व्यक्तित्व के मूल्यों को अपने जीवन में उतारें, क्योंकि राम अयोध्या से वन जाते समय एक राजामात्र थे, लेकिन 14 साल वन में काटने के बाद अपने आचरण से मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर लौटे।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद ध्वजारोहण समारोह में भी प्रधानमंत्री मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, मंत्रियों व भाजपा पदाधिकारियों की उपस्थिति से एकजुटता और समन्वय से निकले इस खास संदेश को नकारा नहीं जा सकता है, क्योंकि बीच में इनके संबंधों को लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाओं ने जन्म ले लिया था। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने, जहां राम मंदिर आंदोलन के अगुवा अशोक सिंघल, डालमिया और राम चंद्रदास परमहंस सहित ऐसी शख्सियतों को याद किया, जिन्होंने यह सपना देखा और आज इस दुनिया में नहीं हैं। ऐसा कहने के पीछे उनका मंतव्य स्पष्ट था कि आजीवन संघर्ष करने वालों को नहीं भूलना चाहिए।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे बढ़कर यहां तक कह दिया कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं बल्कि एक नए युग की शुरुआत है। यानी भविष्य में अभी बहुत कुछ होना स्वाभाविक है। शायद उनका इशारा राम मंदिर के बाद श्रीकृष्ण जन्म भूमि और काशी विश्वनाथ की पूर्णता की ओर है, क्योंकि अभी दोनों के मामले कोर्ट में लंबित हैं। इस बार सेलेब्रेटी के बजाए ज्यादातर समर्पित पार्टी, संघ और विहिप कार्यकर्ताओं और संतों को बुलाया गया था। इस बार कोई बिलेनियर उद्योगपति या सुपर स्टार नजर नहीं आया।

बिहार की हार से चिंतित विपक्षी दलों के नेताओं के स्वर आज कुछ बदले-बदले नजर आए। ऐसे में इन विपक्षी नेताओं ने किसी न किसी बहाने से सनातन और राम के प्रति अपनी आस्था प्रदर्शित की। जैसे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इटावा के केदारेश्वर मंदिर की स्थापना और भगवान के बुलाने पर आस्था के आधार पर दर्शन की बात कही, तो उनके अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद यहां तक कहने लगे कि यदि न्योता मिलता तो वे नंगे पांव चलकर भगवान राम के दर्शन करने जाते, जबकि प्राण प्रतिष्ठा के समय विपक्षियों ने न्योता मिलने पर भी कार्यक्रम का बहिष्कार किया था।

पूर्व में बाबरी मस्जिद के लिए कोर्ट में मुकदमा लड़ने वाले इकबाल अंसारी ने समारोह में पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे पर मुहर लगाई, वहीं मुस्लिमों को यह भी संदेश दिया कि वे हिंदुस्तान के मुस्लिम हैं और अयोध्या में मंदिर की पूर्णता से खुश हैं। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि मुस्लिम धर्म सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाता है। इस समारोह के प्रति मिथिला का जिक्र कैसे छूटता। खासकर मिथिला के लोग अपने दामाद भगवान राम की एक झलक पाने के लिए खासी संख्या में उमड़े।

आमने

बीजेपी अपने पन्ना प्रमुखों से चुनाव में शराब और पैसा बंटवाने का काम कराती है, जबकि कांग्रेस में ऐसा कोई प्रचलन नहीं है। बीजेपी के कुछ लोग तो इससे ज्यादा भी कुछ बंटवाते हैं और जनमत को प्रभावित करते हैं।

–हरीश रावत
पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

सामने

हरीश रावत के कार्यकर्ता निचले स्तर पर शराब पिलाकर और पैसे देकर चुनाव लड़ते होंगे। मुझे पता है कि कौन क्या-क्या करता है, लेकिन ये चीज सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि इससे हरीश रावत का फजीता हो जाएगा।

–विनोद चमोली
विधायक, बीजेपी

विपक्ष का काम कर रहे प्रधान पद के उम्मीदवार

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

विपक्ष को एसआईआर अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है।

यूपी में एसआईआर को लेकर उदासीन व लापरवाह विपक्ष के लिए पंचायत चुनाव की सरगर्मी राहत भरी है। चुनाव आयोग के गाइड लाइन के अनुसार राजनीतिक दलों को भी अपनी तरफ से बीएलओ-2 मनोनीत करने का अधिकार है। यूपी में ज्यादातर विपक्षी दल इसमें फिसड्डी दिख रहे हैं, लेकिन पंचायत चुनाव में प्रधान पद के दावेदार एसआईआर को लेकर खूब सक्रीय हैं। वे एक तरह से विपक्षी दलों का काम आसान कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि बिना किसी तैयारी के मात्र एक महीने में 25 करोड़ आबादी वाले उत्तर प्रदेश में एसआईआर कंप्लीट कर पाना बड़ी चुनौती है। इसमें विसंगतियों की जो भरमार है वह अलग।

खेती किसानी और शादी विवाह के सीजन में सब कुछ भूलकर शहरी लोग हों या ग्रामीण किसान, केवल अपना वोट बचाने के जतन में जुट गए हैं। चुनाव आयोग के इस अभियान में गांव के लोग जो अपेक्षाकृत जागरूक नहीं होते, एसआईआर का हिस्सा बन पाते हैं या नहीं, चुनाव आयोग का इससे कुछ लेना देना नहीं। चुनाव आयोग को यदि सचमुच इमानदारी से एसआईआर करानी होती तो वह समय, सीमा और लोगों की दिक्कतें जरूर ध्यान में रखता।

चुनाव आयोग के इस अभियान में बीएलओ से लेकर मतदाताओं को कितनी दिक्कतें हो रही हैं, यह बस्ती जिले के एक एसडीएम की झुंझलाहट से जाना जा सकता है, जो बीएलओ की लापरवाही पर गुस्सा हो रहे थे। चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर की तय समय सीमा, चंद रोज ही बची है। इस बीच पूरे यूपी में 50 प्रतिशत भी फार्म-6 और 7 लोगों तक नहीं पहुंच पाए हैं। नोएडा जहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बिटिया डीएम हैं, वहां की स्थिति तो और खराब है। खराब प्रगति से नाराज ज्ञानेश कुमार की डीएम बिटिया ने सख्त कदम उठाते हुए तमाम बीएलओ और अन्य संबंधित जनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फरमान जारी किया है।

फार्म-7 जो वोट विच्छेदन का जरूरी फार्म है, अधिकांश बीएलओ इसे जानते तक नहीं और न उन्हें ऐसा कोई प्रशिक्षण ही दिया गया। फार्म-7 के माध्यम से आप यदि दो जगह से वोटर हैं, तो इच्छित एक जगह से कटवा सकते हैं। हालत ऐसी हो गई कि हर व्यक्ति अपना वोट बचाने के लिए बीएलओ को ढूंढता फिर रहा है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि बिना किसी प्रशिक्षण के बीएलओ नामित कर उसे एसआईआर फार्म थमा दिया गया है। चुनाव आयोग इस अभियान की जितनी गंभीरता समझता है, बीएलओ उससे एक दम अनजान हैं।

विपक्ष को इस अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है। ऐसे में वे लोग जिन्हें अपना वोट काटे जाने का डर है, खुद ही अपने वोट की रखवाली करें। सवाल उठता है कि एसआईआर अभियान में गैर भाजपा राजनीतिक दलों की उदासीनता क्यों है? फिलहाल यूपी के लिए इसका जवाब है, 'मैं क्यों और मैं ही क्यों?'

गौरतलब है कि सभी राजनीतिक दलों में विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव टिकट और प्रत्याशी दोनों उहापोह में रहते हैं। गैर भाजपा दलों के पास आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य तमाम हिंदू संगठनों जैसा कोई संगठन नहीं है, जो निस्वार्थ भाव से अपना काम कर सके। भाजपा समर्थक इन तमाम हिंदू संगठनों को न तो चुनाव की चिंता रहती है और न ही टिकट की, सो उन्हें जिस काम की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, उसे वे पूरी इमानदारी और निष्ठापूर्वक करते हैं। गैर भाजपा दल चाहे कांग्रेस हो सपा, बसपा या अन्य पार्टियां, उनके पास कहां है ऐसा निष्ठावान व ईमानदार संगठन?

इसके इतर सपा और कांग्रेस खानापूरी में लगे हैं। गठबंधन की राजनीति इसमें सबसे बड़ी बाधा है। चुनाव के दरमियान किस सीट पर गठबंधन का कौन उम्मीदवार टपक पड़ता है कोई ठिकाना नहीं। ऐसे में बड़ा पेंच 'हम क्यों और हम ही क्यों' को लेकर ही फंसा हुआ है। गैर भाजपा राजनीतिक दलों के कई नेताओं से बात हुई, तो यही मसला सामने आया। खासकर सपा और कांग्रेस खेमे से। यूपी में सपा और कांग्रेस अभी गठबंधन में हैं। विधानसभा चुनाव में भी यह रहेगा, इसकी संभावना ज्यादा है। जिन सीटों पर सपा के विधायक हैं वहां तो ठीक है। वे एसआईआर को लेकर सक्रीय हैं, लेकिन जिन सीटों पर सपा नहीं है वहां हालात ठीक नहीं है। ऐसी सीटों पर न तो कांग्रेस सक्रिय है और न ही सपा, इसलिए कि मेहनत हम करें और टिकट फलां को मिल जाए!

लोकसभा की कई सीटों पर सपा हारी है, वहां दूर दराज से उम्मीदवार थोप दिए गए थे, इस अभियान में वे लापता हैं। 2027 में विधानसभा चुनाव है। जिन तमाम सीटों पर सपा या कांग्रेस नहीं है, वहां का हाल बुरा है। एसआईआर को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्षों पर खासा दबाव है। केंद्रीय कार्यालय से रोज कोई न कोई निर्देश प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिदिन कोई न कोई कांग्रेस का पदाधिकारी जिला अध्यक्षों से जूम मीटिंग कर रहा है, लेकिन वे बेचारे करें क्या, उनका संगठन ही कमजोर है। सांगठनिक तौर पर यूपी में कांग्रेस की स्थिति यही है।

प्रसंगवश

लोग लावारिस छोड़ जाते हैं मासूम जिंदगियां

हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक नवजात बालिका सड़क किनारे कपड़े में लिपटी हुई लावारिस हालत में मिली। चांदपोल श्मशान घाट के बाहर रोती हुई इस बच्ची की आवाज सुनकर स्थानीय लोग वहां पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। बच्ची महज आठ से दस दिन की थी। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रदेश के भीलवाड़ा जिले से भी दिल दहला देने वाली घटनाएं सामने आईं। गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के दौलतपुरा गांव में जन्म के कुछ ही देर बाद एक नवजात बालिका को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। ग्रामीणों ने समय रहते उसे देखा, जिसके बाद बच्ची को अस्पताल ले जाकर बचाया गया। ठीक इसी तरह बिजौलिया उपखंड के सीताकुंड जंगल में एक दस से बारह दिन की नवजात को फेवीक्विक से होठ चिपकाकर पत्थरों के नीचे दबा दिया गया। यह दृश्य इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला था।

देवेंद्र सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

इसी तरह बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में भी एक दिन की बच्ची कूड़ेदान में पड़ी मिली। उसकी चीख सुनकर वहां से गुजर रही महिला ने पुलिस को सूचना दी और बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं जालोर जिले में भी एक मकान की छत पर गुलाबी चुनरी में लिपटी एक नवजात बच्ची मिली, जिसका जन्म फेंके जाने से मात्र 30 मिनट पहले हुआ था। हर घटना एक नए दर्द, एक नई पीड़ा और एक नए सवाल को जन्म देती है कि आखिर क्यों मासूम बेटियों को इस तरह से दुनिया में आने के तुरंत बाद मौत के हवाले किया जा रहा है?

समाज में बदलाव की बातें होती हैं, योजनाएं बनती हैं, जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, पर हालिया घटनाएं बताती हैं कि इन सबका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंच पा रहा। सड़क किनारे, कूड़ेदानों और जंगलों में लावारिस हालत में बच्चियों के मिलने की बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि समाज की सोच अब भी वहीं अटकी हुई है, जहां बेटी का जन्म लेना बोझ समझा जाता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में हर महीने औसतन 20 मासूम बेटियों को या तो अस्पतालों और पालनागृहों में छोड़ दिया जाता है या फिर सुनसान स्थानों पर मरने के लिए फेंक दिया जाता है। चिंता की बात यह है कि इन परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत बेटियां होती हैं। पिछले पांच वर्षों में 1,332 बच्चों को फेंकने के मामले सामने आए, जिनमें से 376 में माता-पिता की पहचान हुई। इनमें से 200 मामलों में किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत कार्रवाई की गई। चाइल्ड लाइन इंडिया और यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने आश्रय पालना योजना के तहत 67 पालना केंद्र स्थापित किए, लेकिन इनमें से सिर्फ 20 प्रतिशत ही प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। इससे साफ है कि सरकारी प्रयास कमजोर हैं और समाज में जागरूकता का स्तर बेहद कम।

रिपोर्ट बताती है कि 90 प्रतिशत मामलों के पीछे या तो अवैध संबंधों का भय होता है या फिर लिंग आधारित भेदभाव। अविवाहित माताएं, विधवाएं, परित्यक्ता महिलाएं और आर्थिक तंगी से जूझ रही महिलाएं बदनामी से बचने के लिए बच्चियों को जन्म के तुरंत बाद फेंक देती हैं। थार के रेगिस्तान और आदिवासी अंचलों में ऐसे प्रकरण अधिक हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की कमी इस समस्या को और गंभीर बनाती है, जबकि शहरी क्षेत्रों में अवैध संबंध और पारिवारिक दबाव प्रमुख कारण हैं। खास बात यह है कि परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत यानी 1,199 बच्चियां हैं। पिछले पांच वर्ष में परित्यक्त लड़कियां कोई कमी नहीं आई है, बल्कि 2021 और 2024 में इनमें वृद्धि हुई है।

सोशल फोरम

देने वाले ने देने में कुछ कमी न की

अरब में एक औरत रहती थी, जिसका नाम उम्मे जाफ़र था। वह बेहद सख़ी (बड़े दिल वाली) और दानवीर थी। वह जरूरतमंद लोगों की मदद दिल खोलकर करती थी। अपनी दानवीरता की वजह से वह पूरे इलाके में जानी जाती थी। लोग उससे मदद मांगने के लिए आया करते। वह खुद भी राह चलते लोगों को दान दिया करती। वह इस तरह दान करती थी कि दाहिना हाथ भी नहीं जान पाता था कि बायां हाथ क्या दे रहा है।

कश्मीरा शाह चतुर्वेदी

ब्लॉगर

कुछ दिनों से वह एक ख़ास रास्ते से गुज़रने लगी थी। उस रास्ते पर दो अंधे बैठे रहते थे। दोनों आवाज़ें लगाते थे।

एक की आवाज़ होती, "ऐ अल्लाह! मुझे अपने फ़ज़्ल करम से रोज़ी अता फ़रमा।"

दूसरा अंधा कहता, "ऐ रब! मुझे उम्मे जाफ़र का बचा-खुचा अता कर दे।"

उम्मे जाफ़र दोनों की आवाज़ें सुनतीं और दोनों को ही कुछ न कुछ दे देतीं।

जो अल्लाह का फ़ज़्ल मांगता था, उसे दो दरहम देतीं और जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगता था, उसे एक भुनी हुई मुर्ग़ी दे देतीं।

मज़े की बात यह थी कि जिसे मुर्ग़ी मिलती थी, वह अपनी मुर्ग़ी दूसरे अंधे को सिर्फ़ दो दरहम में बेच देता था। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा।

एक दिन उम्मे जाफ़र उस अंधे के पास आईं जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगा करता था और उससे पूछा, "क्या तुम्हें सौ दीनार मिले हैं?"

अंधा हैरान रह गया। बोला, "नहीं! मुझे तो बस एक भुनी हुई मुर्ग़ी मिलती थी, जिसे मैं दो दरहम में बेच देता था।"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "जिसने अल्लाह का फ़ज़्ल मांगा, मैं उसे दो दरहम देती थी, और तुम्हें जो भुनी हुई मुर्ग़ी देती थी, उसके पेट में दस दीनार छिपाकर देती थी।"

यह सुनते ही अंधा अपना सिर पीटने लगा। वह चीखने-चिल्लाने लगा, "हाय मेरी बदक़िस्मती! काश मैंने ऐसा न किया होता। मैं बर्बाद हो गया!"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "बेशक जो ईश्वर का फ़ज़्ल मांगता है, वही कामयाब होता है और जो सिर्फ इंसानों का फ़ज़्ल मांगता है, वह हमेशा महरूम ही रह जाता है।" **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

सड़क हादसे: सबसे अधिक मौतों वाले देशों में भारत

सड़क सुरक्षा पर जारी हाल ही में एक रिपोर्ट कहती है कि दुनिया में भारत सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतों वाले देशों में शामिल है। यहां हर वर्ष लाखों लोग घायल होते हैं और लगभग डेढ़ लाख लोग जान गंवा देते हैं। ये आंकड़े किसी सूखे तथ्य की तरह नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटती दुनिया का बयान हैं, जिन्हें एक पल की गलती उम्र भर का दर्द दे जाती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में 70 फीसदी से अधिक मौतें 18 से 45 वर्ष की उम्र के युवाओं की होती है। यानी समाज की सबसे उत्पादक, सपनों से भरी और भविष्य गढ़ने वाली पीढ़ी सड़क पर अपनी ही गलतियों के कारण मर रही है। यह एक ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसकी जड़ कहीं बाहर नहीं बल्कि हमारे बीच ही है।

डॉ. नीलू तिवारी

शिक्षिका

देश में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति 2024–2025 में और गंभीर हो गई है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 4.73 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं और करीब 1.70 लाख लोगों की मौत दर्ज की गई। वहीं 2025 की पहली छमाही में ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर 29,018 लोगों की जान गई और 67,933 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। यह इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि मात्र 2 प्रतिशत लंबाई वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पूरे देश में सड़क मौतों का अत्यधिक बड़ा हिस्सा वहन करते हैं। 2024 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल 1,25,873 दुर्घटनाएं और 53,090 मौतें हुई थीं, जो बताती हैं कि हाई-स्पीड कॉरिडोर देश के लिए सबसे बड़ा जोखिम क्षेत्र बने हुए हैं। कई शहरों में रैश ड्राइविंग सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बना है।

इन सभी आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि भारत में सड़क हादसों के पीछे सड़क इंजीनियरिंग की समस्याएं, कानूनों का कमजोर प्रवर्तन और सबसे अधिक लोगों का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार- जैसे तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, ओवरटेकिंग, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, नशे में ड्राइविंग और मोबाइल फोन का इस्तेमाल दुर्घटनाओं की जड़ में हैं। 2024–2025 के ये डाटा सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि सड़कें तभी सुरक्षित होंगी, जब लोग स्वयं नियमों का पालन करेंगे। सरकार सड़क सुधार और प्रवर्तन को प्रभावी बनाएगी और समाज मिलकर इस राष्ट्रीय संकट को कम करने की दिशा में कदम उठाएगा।

देश में सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों के पीछे सबसे बड़ा कारण लोगों की लापरवाही और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति है, जो हमारी सड़क संस्कृति का एक दुखद हिस्सा बन चुकी है। आज भी तेज रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं की जड़ों में छिपा एक मौन हत्यारा मोबाइल फोन का बढ़ता उपयोग है। यह ड्राइविंग के दौरान ध्यान को विभाजित कर देता है, जिससे डिस्ट्रेक्टेड ड्राइविंग एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रहा है। एक पल की अनदेखी न केवल चालक, बल्कि सड़क पर मौजूद हर अन्य व्यक्ति के लिए खतरा बन जाती है। वहीं नशे में वाहन चलाना भी दुर्घटनाओं का एक अत्यंत चिंताजनक कारण है। इसके अतिरिक्त ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों की उदासीनता भी सड़क हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है।

दुर्घटनाओं में इजाफे का बड़ा कारण ट्रैफिक पुलिस की सीमित क्षमता और नियमों के ढीला पालन भी है। जब लोग यह महसूस करते हैं कि उन पर नजर रखने वाला कोई नहीं है, तो वे नियम तोड़ने में संकोच नहीं करते। इसके अलावा लाइसेंस प्रक्रिया में कमियों के कारण कई लोग पर्याप्त ड्राइविंग कौशल के बिना वाहन सड़क पर ले आते हैं, जिससे वे स्वयं और दूसरों दोनों के लिए जोखिम पैदा करते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

खतरनाक है अमेजन टिपिंग पॉइंट

हम जानते हैं कि धरती और इसके पर्यावरण से ही हमारा अस्तित्व जुड़ा है। आज बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण असंतुलन से पृथ्वी का जो हिस्सा सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है वह है दुनिया का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन अमेजन। अमेजन के जंगल खतरे में हैं और यह खतरा एक और बड़े खतरे को जन्म दे रहा है, वह है कार्बन उत्सर्जन के विस्फोट का खतरा। हो सकता है कि तब धरती का तापमान इतना बढ़ जाए कि धरती पर हमारा या अन्य जीव-जंतुओं का रहना ही मुश्किल हो जाए। अमेजन का जंगल वैश्विक जलवायु को नियंत्रित करने, जैव विविधता को बनाए रखने और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन आज वहां वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन, अवैध खनन और आग जैसी समस्याओं से यह गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अमेजन अब टिपिंग पॉइंट अर्थात वह बिंदु जहां से वापसी असंभव हो जाए, के बहुत करीब पहुंच चुका है, जहां सत्तर प्रतिशत तक जंगल खोने का खतरा है।

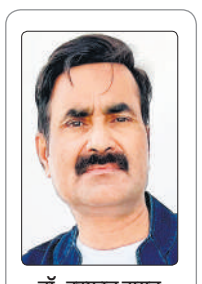

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

1985 से 2022 तक 11 प्रतिशत जंगल, फ्रांस के आकार के बराबर, नष्ट हो चुका है। 2025 में, जबकि आग में कमी आई है, लेकिन कटाई बढ़ रही है, विशेषकर मवेशी पालन, कृषि, खनन और सड़कों के लिए। यहां अवैध गतिविधियों की चर्चा की जाना जरूरी है, जहां भूमि हड़पना, सोने की अवैध खदानों और अपराधियों द्वारा लगाई जाने वाली आग है। इस कारण वर्षा में कमी और सूखा, जो जंगल को और कमजोर कर रहा है। कुछ हिस्सों में अब जंगल कार्बन उत्सर्जन अधिक कर रहे हैं, जितना अवशोषित, यह पर्यावरणविदों के लिए चिंता का विषय है। हालांकि ब्राजील में कुछ प्रगति हुई है, अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक वनों की कटाई 11 प्रतिशत घटी, जो 11 साल के न्यूनतम स्तर पर है। यह कॉप 30 से पहले एक सकारात्मक संकेत है, जहां अमेजन की सुरक्षा पर फोकस होगा। फिर भी, समग्र खतरा बना हुआ है और वैश्विक सहयोग की ज़रूरत है। कॉप 30, वास्तव में अमेज़न के जंगलों को बचाने की उम्मीद की एक किरण है। कॉप 30 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन की 30 वीं सम्मेलन ऑफ द पार्टिज है, जो दुनिया के प्रमुख वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन के रूप में जाना जाता है।

टिपिंग पॉइंट

अमेजन वर्षावन का टिपिंग पॉइंट एक ऐसा महत्वपूर्ण बिंदु है, जहां जंगल अपनी प्राकृतिक पुनरुत्पादन क्षमता खो देगा और अपरिवर्तनीय रूप से सूखी सवाना (घासभूमि) में बदल जाएगा। यह बिंदु पार होने पर जंगल का बड़ा हिस्सा नष्ट हो सकता है, जो वैश्विक जलवायु, जैव विविधता और मानव जीवन को गंभीर खतरे में डाल देगा। वैज्ञानिकों के अनुसार हम इस बिंदु के बहुत करीब पहुंच चुके हैं, वर्तमान में अमेजन का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा कट चुका है और वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यदि वनों की कटाई 20-25 प्रतिशत तक पहुंच जाती है या तापमान 2-2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है (जो 2050 तक संभव है), तो यह टिपिंग पॉइंट पार हो सकता है। अब सवाल है कि इसका जोखिम क्या है? तो इसका जवाब हमें चिंता में डाल सकता है, क्योंकि यह टिपिंग पॉइंट न केवल अमेजन के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी होगा। सबसे पहले बात करेंगे जंगल के अपूर्णीय नुकसान की। यदि टिपिंग पॉइंट पार होता है, तो 50-70 प्रतिशत जंगल, जो लगभग 3-4 लाख वर्ग किमी है, खो सकता है, जो इसे कम आर्द्र, आग-संवेदनशील सवाना में बदल देगा। दक्षिण-पूर्वी अमेजन पहले ही कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां पेड़ों की मृत्यु बढ़ रही है और अगले 100 वर्षों में पूरा जंगल गायब हो सकता है।

जूनोटिक रोग

जूनोटिक रोग वे बीमारियां हैं, जो जानवरों से इंसानों में फैलती हैं (या कभी-कभी उल्टा भी होता है)। ये विषाणु यानी वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी या कवक के कारण होती हैं और अक्सर जंगली जानवरों (जैसे चमगादड़, कृंतक या कीट) से शुरू होकर इंसानों तक पहुंचती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सभी मानव संक्रामक रोगों में से 60 प्रतिशत से अधिक जूनोटिक हैं, और ये महामारियों (जैसे कोविड-19, एबोला या सार्स) का प्रमुख कारण बनते हैं। अमेजन जैसे वर्षावनों में जैव विविधता अधिक होने से ज़ूनोटिक रोगों का खतरा स्वाभाविक रूप से ज्यादा है, लेकिन वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप (जैसे खनन, कृषि विस्तार) से ये खतरे और गंभीर हो जाते हैं। जानवरों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, जिससे संक्रामक जीव इंसानों के करीब पहुंचते हैं। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, 2001-2019 के बीच अमेजन में आग, वेक्टर-जनित और ज़ूनोटिक रोगों से लगभग 3 करोड़ मामले सामने आए। स्वदेशी भूमियों पर जंगलों की रक्षा से इनमें से 27 रोगों (जैसे चागास, मलेरिया आदि) के फैलाव को 15 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। आज अमेजन के जंगलों को बचाने के लिए ज़ीरो डिफॉरेस्टेशन, पुनर्वनीकरण और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था की ज़रूरी है। ये अवधारणाएं एक-दूसरे को पूरक बनाती हैं, जीरो डिफॉरेस्टेशन रोकथाम है, पुनर्वनीकरण बहाली है और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था टिकाऊ उपयोग प्रदान करती हैं। कॉप 30 जैसे मंचों पर इन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन वैश्विक फेफड़े कहलाने वाले अमेजन के जंगलों पर अभी खतरा मंडरा रहा है।

कार्बन उत्सर्जन विस्फोट

कार्बन उत्सर्जन का विस्फोट से तात्पर्य वैश्विक स्तर पर कार्बन डाईऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों के रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ने से है, जो जलवायु परिवर्तन को तेज कर रहा है। 2023-2024 के बीच कार्बन डाईऑक्साइड स्तर में रिकॉर्ड 4.7 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) की वृद्धि हुई, जो मानव इतिहास में सबसे अधिक है। 2024 में जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) का उपयोग बढ़ने से उत्सर्जन चरम पर पहुंच गया और 2025 में जंगलों की आगों से कार्बन डाईऑक्साइड 9 प्रतिशत अधिक निकली। यह क्लाइमेट कैओस की ओर ले जा रहा है, जहां 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान सीमा पार होने पर अपरिवर्तनीय क्षति हो सकती है। अमेजन जैसे टिपिंग पॉइंट्स पार होने पर यह विस्फोट और भयावह हो जाएगा, जो 200-250 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड रिलीज कर सकता है, जो वैश्विक उत्सर्जन का 26 प्रतिशत के बराबर है। यह मानव जाति के लिए अस्तित्वगत खतरा है, क्योंकि यह जीवन के हर पहलू को प्रभावित करेगा, जैसे स्वास्थ्य, भोजन, पानी, आवास और शांति। वैज्ञानिकों के अनुसार, 2025 में हम 'डूम्सडे क्लॉक' (मानव-निर्मित आपदाओं का संकेतक) के करीब हैं, जहां जलवायु संकट परमाणु युद्ध जितना खतरनाक है।

कार्बन स्रोत

2025 तक अमेजन का दक्षिण-पूर्वी हिस्सा (ब्राजील का मुख्य भाग) पूरी तरह नेट कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां सूखा मौसम लंबा हो गया है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले 40 वर्षों में यहां की वनभूमि अब कुल कार्बन फ्लक्स (अवशोषण माइनस उत्सर्जन) से अधिक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जित कर रही है। समग्र अमेजन में सिंग की भूमिका घट रही है, 2001-2024 के बीच स्वदेशी क्षेत्रों में कार्बन अवशोषण फ्रांस के वार्षिक जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन के बराबर था, लेकिन 2025 में आगे और कटाई से यह संतुलन बिगड़ गया। इसका कारण वनों की कटाई है। इसके अलावा 2025 में ब्राजील के अमेजन में 1.1 मिलियन हेक्टेयर जला, जो 2024 से 70 प्रतिशत कम है, लेकिन फिर भी दक्षिणी क्षेत्रों में कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जंगलों की आग अब फीडबैक लूप बना रही है, गर्मी से आग बढ़ती है, जो और गर्मी पैदा करती है।

क्या है डूम्सडे क्लॉक

डूम्सडे क्लॉक एक प्रतीकात्मक घड़ी है, जो मानवता को वैश्विक आपदा, जैसे परमाणु युद्ध, जलवायु परिवर्तन या अन्य विनाशकारी घटनाओं, से कितनी निकटता पर दर्शाती है। डूम्सडे क्लॉक के खतरों के अंतर्गत सबसे पहले पहले चरम मौसम घटनाओं की चर्चा करते हैं। इसके चलते तूफान, बाढ़, सूखा और गर्मी की लहरें तेज हो रही हैं। 2024 में 1.5 डिग्री सेल्सियस सीमा पार हो चुकी है, जो हरिकेन और बाढ़ की तीव्रता बढ़ा रही है। इसके प्रभाव से दक्षिणी यूरोप और एशिया में 2025 की गर्मी की लहरों से हजारों मौतें और वैश्विक आपदाओं से 10 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। इसके चलते समुद्र स्तर वृद्धि पर नजर डालें तो पाएंगे कि ग्लेशियर पिघलने से 2100 तक 1 मीटर तक समुद्र ऊंचा हो सकता है, लेकिन विस्फोट से यह और तेज होगा। इसके प्रभाव से तटीय शहर (जैसे मुंबई, न्यूयॉर्क) डूबने का खतरा है, इससे 10 करोड़ लोग प्रभावित होने के साथ, कृषि भूमि खराब होने का अनुमान है।

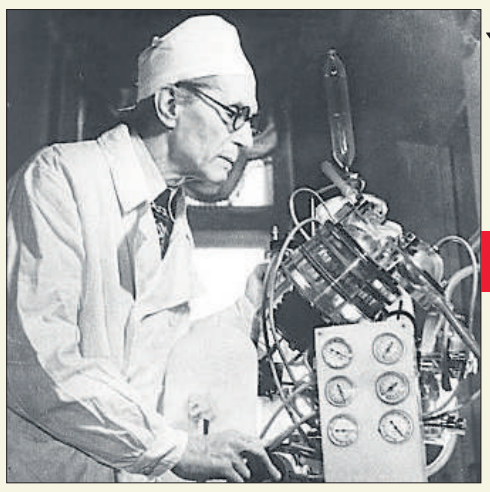

सर्गेई ब्रुखोनेंको

रोचक किस्सा

सोवियत वैज्ञानिक सर्गेई ब्रुखोनेंको को रूसी ओपन-हार्ट सर्जरी में महत्वपूर्ण प्रगति लाने में मदद करने का श्रेय दिया जाता है, लेकिन जानवरों पर उनके भयानक प्रयोग कहीं अधिक परेशान करने वाले थे। ब्रुखोनेंको इंतजार करने वालों में से नहीं थे, वे मरने के बाद जानवरों को काटने से संतुष्ट नहीं थे। अधिक सटीक रूप से, न केवल उन्हें इंतजार करना पसंद था, बल्कि वे जानवरों को मरते हुए भी नहीं देखना चाहते थे, उनके सिर काटने के बाद भी नहीं। 1930 के दशक के उत्तरार्ध में, ब्रुखोनेंको और उनकी टीम ने प्रयोगों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसके एक भाग के रूप में उन्होंने एक कुत्ते का सिर काट दिया और उसे हवा और रक्त की आपूर्ति करने वाले उपकरण से जोड़कर उसके शरीर से दूर जीवित रखा। ब्रुखोनेंको द्वारा रची गई यही एकमात्र भयावहता नहीं थी। एक अन्य शिकारी कुत्ते के शरीर से सारा खून निकाल लिया गया, जिसे बाद में इस सोवियत फ्रेंकस्टीन द्वारा वापस जीवित कर दिया गया। ब्रुखोनेंको के भीषण काम को 1940 की फिल्म ' एक्सपेरिमेंट्स इन द रिवाइवल ऑफ ऑर्गेनिज्म्स' में कैमरे में कैद किया गया था।

टेक जानकारी

वोटर-लिस्ट अपडेट का नया दौर

ऑनलाइन सुविधाओं से प्रक्रिया हुई सरल

भारतीय निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का अगला चरण शुरू किया है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य वोटर-लिस्ट को अपडेट करना, डुप्लीकेट और दिवंगत मतदाताओं के नाम हटाना है। आयोग ने सुविधा बढ़ाने के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी दी है, जिससे घर बैठे जानकारी में सुधार, नई एंट्री, वोटर-आईडी डाउनलोड और वोटर-लिस्ट में नाम की जांच आसानी से की जा सकती है।

ऐसे डाउन लोड करें वोटर लिस्ट

इसके लिए आप चुनाव आयोग की वेबसाइट (www.eci.gov.in) पर जाना होगा। साइट पर PDF E-Roll का ऑप्शन चुने। फिर अपने राज्य, जिला व निर्वाचन क्षेत्र चुनें और मतदान केंद्र के पास Final Roll ऑप्शन पर क्लिक करें। इसी से आप पूरी वोटर-लिस्ट डाउनलोड कर सकते हैं।

ऐसे चेक करें वोटर लिस्ट में अपना नाम

यदि आप सीधे अपना नाम देखना चाहें, तो वेबसाइट पर Search your name in E-roll ऑप्शन पर क्लिक करें। यहां आपको अपना वोटर-कार्ड पर लिखा संख्या या अन्य जानकारी भरनी होगी। इसके बाद Search पर क्लिक करके पता कर लें कि आपका नाम सूची में शामिल है या नहीं।

ऐसे करें वोटर-आईडी डाउनलोड

NVSP या वोटर सर्विसेज पोर्टल पर मोबाइल नंबर, पासवर्ड और कैप्चा दर्ज करके लॉग-इन करें और OTP वेरिफाई करें। लॉगइन के बाद E-EPIC Download विकल्प चुनें और EPIC नंबर या फॉर्म रेफरेंस नंबर से खोजें। विवरण दिखने पर OTP वेरिफिकेशन पूरा करें और अपना डिजिटल वोटर-आईडी (e-EPIC) डाउनलोड कर लें।

जंगल की दुनिया

लायन-टेल्ड मैकाक

लायन-टेल्ड मैकाक, जिसे हिंदी में सिंह पूंछ बंदर भी कहा जाता है, भारत के पश्चिमी घाटों की जैव-विविधता का अनमोल हिस्सा है। लगभग 60-65 सेंटीमीटर लंबे इन बंदरों का शरीर चमकीले काले फर से ढका होता है, जबकि गर्दन के चारों ओर फैला सिल्वर-व्हाइट अयाल इन्हें एक विशिष्ट और राजसी रूप देता है। पूंछ के सिरे पर मौजूद बाल इन्हें शेर जैसी छवि प्रदान करते हैं, इसी कारण इनका यह नाम पड़ा। ये प्रजाति अत्यंत आर्बोरियल है अर्थात् यह अपना जीवन लगभग पूरी तरह पेड़ों पर बिताती है। वर्षावन की ऊंची छतरी में छलांग लगाते हुए ये बंदर अपने समूह के साथ भोजन की तलाश में घूमते हैं। इनके भोजन में मुख्य रूप से फल, बीज, पत्ते, फूल और छोटे-मोटे कीड़े शामिल होते हैं। इनके सामाजिक समूह आमतौर पर छोटे होते हैं, जिसमें एक प्रमुख नर, कई मादाएं और उनके शावक शामिल होते हैं।

इनका व्यवहार अत्यंत शांत और सतर्क होता है। मानव गतिविधियों से ये दूरी बनाए रखते हैं, इसलिए जंगलों में भी इनका देख जाना बहुत दुर्लभ माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में तेजी से हो रही वनों की कटाई, सड़क निर्माण और मानव बस्तियों के विस्तार ने इनके प्राकृतिक आवास को गहराई से प्रभावित किया है। International Union for Conservation of Nature (IUCN) ने इन्हें लुप्तप्राय श्रेणी में रखा है, जो बताता है कि इनका अस्तित्व गंभीर खतरे में है। पश्चिमी घाट- दुनिया के आठ "हॉटस्पॉट्स ऑफ बायोडायवर्सिटी" में से एक इनका अंतिम सुरक्षित आश्रय बन चुका है। केरल के साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक के कुद्रेमुख और तमिलनाडु के अनामलाई क्षेत्रों में इनके संरक्षण के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। स्थानीय जनजातियों, वन विभाग और शोध संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से इस प्रजाति को बचाने की कोशिश जारी है। लायन-टेल्ड मैकाक केवल एक बंदर नहीं, बल्कि पश्चिमी घाट की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह एक ऐसी प्रजाति, जिसे बचाना हमारे पारिस्थितिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,720.38	26,215.55
बढ़त	110.88	10.25
प्रतिशत में	0.13	0.39

सोना 1,29,460 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,68,200 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

68 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने नवीनीकरण शुल्क का भुगतान करने में विफल रहने पर 68 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द कर दिया। सेबी की नामित प्राधिकारी सोमा मजूमदार ने आदेश में कहा, मध्यवर्ती विनियम, 2008 के तहत, नोटिस संख्या 1 से 68 तक के निवेश सलाहकारों के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किया जाता है। रद्द की गई संस्थाओं की सूची में टू नॉर्थ लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, इक्विटी मंत्रा, सौरभ मुंद्रा, शीतल अग्रवाल, अतीत हेमंत वाघ, गेटबासिस सिक्योरिटीज एंड टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ल्यूसिड टेक्नोलॉजीज और एवेन्यू वेंचर पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट एडवाइजर एलएलपी शामिल हैं।

निवेशक सुरक्षा को करेंगे मजबूत : सेबी प्रमुख

नई दिल्ली। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने गुरुवार को निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने आगाह किया कि गैर-पंजीकृत सलाहकार समूह, लोगों को असुरक्षित कारोबारी माध्यमों की ओर आकर्षित कर रहे हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। कोयंबटूर में बीएसई द्वारा आयोजित एक क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता संगोष्ठी में पांडेय ने कहा कि इस दौर में जहां गलत सूचनाएं तथ्यों से अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं। यह चुनौती और भी बढ़ गई है। कारोबार संबंधी धोखाधड़ी वाले एप विश्वसनीय लगते हैं, डिजिटल खाते वैधता का दिखावा करते हैं और पक्के रिटर्न का वादा करने वाली ऐसा योजनाएं पेश करते हैं जो कोई भी विनियमित बाजार नहीं दे सकता।

वायदा बाजार में कच्चे तेल के भाव में तेजी

नई दिल्ली। मजबूत मांग के बीच कारोबारियों के अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चे तेल का भाव बृहस्पतिवार को 28 रुपये चढ़कर 5,221 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंधों का भाव 28 रुपये यानी 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,221 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसमें 15,793 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

जीएसटी युक्तिसंगत बनाने से खपत में तेजी

वित्त मंत्रालय ने कहा आर्थिक वृद्धि की गति रहेगी बरकरार, खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने से खपत को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है और भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जोखिमों से निपटने तथा वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए मजबूत स्थिति में है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

वित्त मंत्रालय की अक्टूबर माह की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि मुद्रास्फीति के दबाव में कमी आने तथा हाल के कर सुधारों से खर्च योग्य घरेलू आय में वृद्धि से निकट भविष्य में उपभोग का परिदृश्य सकारात्मक लग रहा है। खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह अक्टूबर 2025 में 0.25 प्रतिशत रह गई है जबकि सितंबर 2025 में यह 1.44 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि इस गिरावट का मुख्य कारण जीएसटी दरों में कमी, अनुकूल तुलनात्मक आधार प्रभाव और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट है। अक्टूबर की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से उपभोग को उल्लेखनीय बढ़ावा मिला है। यह उच्च आवृत्ति संकेतकों (पीएमआई, जीएसटी सग्रह, ई-वे बिल आदि) में मजबूती से पता चलता है।

बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए एकीकृत पोर्टल जल्द

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय बैंक जमा, पेंशन, शेयर, लाभांश और अन्य वित्तीय साधनों में फंसी बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए आरबीआई के साथ मिलकर एक एकीकृत पोर्टल लाने की प्रक्रिया में है। वित्तीय सेवाओं के सचिव एन. नागराजू ने गुरुवार को पंजाब नेशनल बैंक के एक निवेशक जागरूकता कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल्द ही पेश किए जाने वाले इस पोर्टल के जरिये सभी नियामकों के डेटा को आरबीआई द्वारा समन्वित किया जाएगा।

मुद्रा योजना के तहत 55 करोड़ लोगों को 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत : चौधरी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को कहा कि बैंकों ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल 2015 में की थी। इसका उद्देश्य वंचितों को वित्तपोषित करना है। शुरुआत में इस योजना के तहत अधिकतम ऋण सीमा 10 लाख रुपये थी जिसे 2024-25 के बजट में बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया। चौधरी ने यहां पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' विषय पर आयोजित शिविर में कहा कि पीएमएमवाई ने अब तक 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया है। उन्होंने 'आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान' के बारे में बात करते हुए कहा कि सरकार ने निष्क्रिय संपत्तियों पर दावा करने से जुड़े कुछ मुद्दों के समाधान के लिए पहले ही पहल की है, जिसमें दावे की बेहतर संभावना के लिए प्रति बैंक खाते में नामांकित लोगों की संख्या बढ़ाकर चार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन उपायों के बावजूद अभी और काम किया जाना बाकी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र में बिना दावे वाली संपत्तियों पर तीन महीने का राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चार अक्टूबर को शुरू किया था। अभियान का शीर्षक 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' है।

भारत व यूएई ने बाजार पहुंच एफटीए प्रगति पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता के तहत की बैठक

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, डंपिंग रोधी मामलों एवं सेवाओं आदि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत-यूएई ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई।

सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत प्रगति की व्यापक समीक्षा की। साथ ही बाजार पहुंच के मुद्दों, डेटा साझाकरण, स्वर्ण टीआरक्यू (निश्चित मात्रा तक कम शुल्क पर) आवंटन, डंपिंग रोधी मामलों, सेवाओं, उत्पत्ति के नियमों, बीआईएस लाइसेंसिंग पर विस्तृत चर्चा की। भारतीय पक्ष ने यूएई को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से स्वर्ण टीआरक्यू आवंटन पर अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। दोनों पक्षों ने औषधि क्षेत्र में विनियामक सहयोग बढ़ाने, उत्पत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मुद्दों के समाधान पर चर्चा की। साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारत तथा संयुक्त अरब अमीरात के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा तथा तकनीकी आवश्यकताओं पर समझौता ज्ञापन पर शीघ्र हस्ताक्षर करने पर भी विचार-विमर्श किया।

एसबीआई को पांच-छह साल तक इक्विटी पूंजी की जरूरत नहीं : शेट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई के चेयरमैन बोले- क्यूआईपी के जरिये जुटाई पूंजी से ऋण वृद्धि को मिलेगा समर्थन

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि इस साल की शुरुआत में पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये जुटाई गई 25,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी से 12 लाख करोड़ रुपये की ऋण वृद्धि को समर्थन मिलेगा। साथ ही पांच से छह साल तक पूंजी पर्याप्तता अनुपात 15 प्रतिशत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि ऋण पूंजी के संबंध में बैंक आवधिक प्रक्रिया के तहत बॉन्ड के माध्यम से 12,500 करोड़ रुपये जुटाएगा।

शेट्टी ने कहा, इस क्यूआईपी के शुरू होने से पहले भी, ऋण वृद्धि को वित्तपोषित करने की हमारी क्षमता कभी समस्या नहीं रही। हम पूंजी अनुपात को मजबूत करना चाहते थे, इसलिए हमने ऐसा किया। हमारी दीर्घकालिक रणनीति सीआरएआर को 15 प्रतिशत और 'कॉमन इक्विट टियर-1' को 12 प्रतिशत पर बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि इस तरह का पूंजी-जोखिम परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर) बैंक को 12000 अरब रुपये से अधिक के अग्रिमों को वित्तपोषित करने की क्षमता प्रदान करता है।

एसबीआई के चेयरमैन ने कहा, आज की लाभ दर के साथ, अगर यही लाभप्रदता अगले पांच से छह वर्ष तक बनी रहती है, तो हमें कम से कम सीईटी-1 पर कोई भी पूंजी जुटाने की आवश्यकता नहीं होगी। एसबीआई ने इस साल जुलाई में अपने इक्विटी शेयर के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 25,000 करोड़ रुपये जुटाए। इससे यह भारतीय पूंजी बाजारों में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी बन गया। इससे पहले बैंक ने जून 2017 में क्यूआईपी के जरिये 15,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाई थी।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करें, वरना कार्रवाई होगी : गडकरी

अहमदाबाद। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गांधीनगर में एनएचएआई के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और ठेकेदारों को चेतावनी दी कि सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाए रखें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

- गडकरी ने ठेकेदारों को चेताया

बुधवार को हुई समीक्षा बैठक के दौरान सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने ठेकेदारों से राजमार्गों के निर्माण के साथ-साथ पुनर्निर्माण में लोगों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को भी कहा। राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति में बृहस्पतिवार को कहा गया कि गडकरी ने आश्वासन दिया कि केंद्र गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, पुनर्निर्माण तथा संबंधित परियोजनाओं के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगा। गडकरी ने बुधवार को गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग -48 के निर्माणाधीन खंड का निरीक्षण किया और मोतीपुर फ्लाईओवर तथा राजमार्ग पर एक अंडरपास पर किए जा रहे काम की प्रगति की समीक्षा की। गुजरात के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित समीक्षा बैठक में गडकरी ने अधिकारियों और ठेकेदारों से कहा, सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

विदेशी संपत्तियों का खुलासा नहीं करने वालों को संदेश भेजेगा आयकर विभाग

नई दिल्ली, एजेंसी

- 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना करेगा शुरू, 31 दिसंबर तक आईटीआर दाखिल करने की सलाह

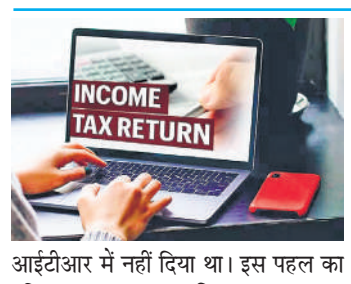

आयकर विभाग ने गुरुवार को कहा कि लगभग 25,000 करदाताओं के अधिक-जोखिम वाले मामलों को चिन्हित किया गया है जिनमें उन्होंने अपने आयकर रिटर्न में विदेशी परिसंपत्तियों का विवरण नहीं दिया है।

विभाग ने कहा कि इन चिह्नित लोगों को 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना शुरू किया जाएगा और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की सलाह दी जाएगी। दिसंबर मध्य से शुरू होने वाले अभियान के दूसरे चरण में दूसरे मामलों को भी शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ाया जाएगा। पिछले साल भी आयकर विभाग ने स्वचालित सूचना आदान-प्रदान (एईओआई) व्यवस्था के तहत विदेशी क्षेत्राधिकारों द्वारा सूचित ऐसे करदाताओं को संदेश भेजे थे, जिन्होंने अपने विदेशी निवेश और खातों का विवरण आईटीआर में नहीं दिया था। इस पहल का परिणाम यह हुआ था कि कुल 24,678 करदाताओं ने अपने रिटर्न में संशोधन किया और 29,208 करोड़ की विदेशी परिसंपत्तियों एवं 1,089.88 करोड़ रुपये की विदेशी आय की जानकारी भी दी। सूत्रों ने कहा कि बड़ी कंपनियों, जिनके कर्मचारियों के पास विदेशी संपत्ति है और उन्होंने इसका खुलासा नहीं किया है, को भी इस पहल का हिस्सा बनाया गया है।

राष्ट्रीय

ऑनलाइन अश्लीलता से निपटने को तटस्थ नियामक जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर असंतोष व्यक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर असंतोष व्यक्त किया है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील, आपत्तिजनक या अवैध सामग्री की निगरानी के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त नियामक निकाय की आवश्यकता पर बल दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ गुरुवार को पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में ऑनलाइन शो इंडियाज गॉट लैटेंट से संबंधित कथित अश्लील सामग्री को लेकर दर्ज प्राथमिकी को एक साथ करने की मांग की गयी है।

इससे पहले न्यायालय ने ऑनलाइन अश्लीलता पर व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के लिए मामले के दायरे को बढ़ाया था। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि केंद्र सरकार नए दिशानिर्देश तैयार कर रही है और हितधारकों से परामर्श कर रही है। मेहता ने कहा कि यह मामला केवल अश्लीलता से नहीं, बल्कि यूट्यूब और समान प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित उपयोगकर्ता-जनित सामग्री में मौजूद विकृति से भी संबंधित है। मुख्य न्यायाधीश ने स्वतंत्र कंटेंट क्रिएटर्स के लिए किसी भी नियामक ढांचे की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए टिप्पणी करते हुए कहा, तो मैं अपना चैनल बनाता हूं, मैं किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हूं... किसी को तो जवाबदेह होना चाहिए! उन्होंने कहा कि बोलने की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे विकृति को सही ठहराने के लिए नहीं बढ़ाया जा सकता।

इंडियन ब्रॉडकास्ट एंड डिजिटल फाउंडेशन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अमित सिब्बल ने कहा कि आईटी नियम, 2021 पहले से ही एक नियामक ढांचा प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल की अध्यक्षता वाले निकाय के माध्यम से स्वेच्छा से कंटेंट लेबलिंग, आयु वर्गीकरण और शिकायत निवारण लागू करते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने हालांकि इस मॉडल पर गहरी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा, स्व-घोषित निकाय मदद नहीं करेंगे। एक तटस्थ स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है। उन्होंने सवाल किया कि अगर स्व-नियमन प्रभावी है, तो उल्लंघन क्यों जारी हैं। न्यायमूर्ति बागची ने भी चिंता को दोहराते हुए हानिकारक कंटेंट के तेजी से फैलने की चेतावनी दी। उन्होंने पूछा, एक बार निंदनीय सामग्री अपलोड हो जाने के बाद, जब तक अधिकारी प्रतिक्रिया करते हैं, तब तक वह लाखों लोगों तक वायरल हो चुकी होती है। आप उसे कैसे नियंत्रित करेंगे? मुख्य न्यायाधीश ने हाशिए पर रहनेवाले समुदायों पर आपत्तिजनक सामग्री के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला।

प्रदूषण पर कहा- एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगातार खराब होती वायु गुणवत्ता से संबंधित एक याचिका पर तीन दिसंबर को सुनवाई करने पर गुरुवार को सहमति जताई। न्यायालय ने कहा कि इस मुद्दे की नियमित रूप से निगरानी की आवश्यकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह के उस अभ्यावेदन पर गौर किया कि दिल्ली-एनसीआर में चिंताजनक स्थिति है और यह एक स्वास्थ्य आपातकाल है। अधिवक्ता अपराजिता सिंह वायु प्रदूषण मामले में पीठ के लिए न्यायमित्र की भूमिका निभा रही हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है? मुझे पता है कि यह दिल्ली-एनसीआर के लिए खतरनाक स्थिति है। हम सब समस्या जानते हैं। मुद्दा यह है कि समाधान क्या है? हमें कारणों की पहचान करनी होगी और समाधान तो केवल विशेषज्ञ ही दे सकते हैं। हमें उम्मीद है और अपेक्षा भी कि दीर्घकालिक समाधान खोजे जाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे बताइए कि हम क्या निर्देश दे सकते हैं? हम कुछ दिशानिर्देश जारी करें और तुरंत साफ हवा में सांस लेने लगें। हमें यह भी देखना होगा कि प्रत्येक क्षेत्र में क्या समाधान हो सकते हैं। आइए देखें कि सरकार ने क्या समिति गठित की है। न्यायालय ने 19 नवंबर को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा था कि वह दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में निर्धारित, खुले में होने वाले खेल आयोजनों को जहरीली हवा को देखते हुए स्थगित करने का निर्देश देने पर विचार करे। न्यायालय ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत सालभर पाबंदियां लगाने से इनकार कर दिया था। ग्रैप एक आपातकालीन ढांचा है जिसके तहत प्रदूषण के गंभीर स्तर पर कुछ गतिविधियों पर रोक लगाई जाती है।

कांग्रेस ने आंतरिक कलह और सीट बंटवारे में देरी को बताया हार का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

- खरगे और राहुल ने प्रत्याशियों को दिल्ली बुलाकर जानी हार के पीछे की कहानी
- सरकार द्वारा महिलाओं को 10 हजार रुपये दिए जाने को भी बताया वजह

कांग्रेस नेतृत्व ने बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा में निर्वाचित अपने विधायकों तथा हारे उम्मीदवारों के साथ चुनाव नतीजों पर समीक्षा बैठक की, जिसमें कई नेताओं यह कहा कि महागठबंधन में समय पर सीट बंटवारा नहीं होने, 'आंतरिक कलह' और नीतीश कुमार सरकार द्वारा महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिया जाना करारी हार के मुख्य कारण रहे।

कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नेताओं के साथ 10-10 के समूह में बातचीत की तथा उनसे हार के कारणों के बारे में जाना। इस बैठक में कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी थे। बैठक के दौरान कांग्रेस के एक उम्मीदवार और सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के एक समर्थक नेता के बीच पर कहासुनी की भी खबर है। बैठक के बाद अररिया से कांग्रेस के विधायक आबिदुर रहमान ने बताया कि हार के कई कारण थे। पहला कारण है कि आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए 10-10 हजार रुपये दिए गए। गठबंधन में सीट बंटवारा सही समय पर नहीं हो सका। 10-11 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हुआ, जिससे जनता में अलग संदेश गया।

खेती के नए तरीके अपनाने के लिए सात किसानों को पुरस्कार

नई दिल्ली। खेती में नवाचार और उद्यमशीलता के लिए सात किसानों को पुरस्कार दिया गया है। किसान ऑफ इंडिया सम्मान के अंतर्गत जैविक/प्राकृतिक खेती, संरक्षित खेती, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि स्टार्ट-अप, डेयरी फार्मिंग, मत्स्यपालन और खेती में नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। राजस्थान के जोधपुर के एक उद्यमी, अमित सोनी ने बताया कि कैसे संसद में उनके बाजरे से बने चॉकलेट ट्रफल केक को काटा गया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसकी तारीफ की। सना खान को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'मन की बात' प्रोग्राम में वर्मीकम्पोस्ट में उनके प्रयासों की तारीफ किए जाने के बाद ख्याति मिली।

जसीर बिलाल वानी 7 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में लाल किले के नजदीक हुए विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी को बृहस्पतिवार को सात दिनों के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया।

वानी को एनआईए ने इसलिए पेश किया क्योंकि प्रधान सत्र एवं जिला न्यायाधीश अंजू बजाज चंदना द्वारा 18 नवंबर को दी गई 10-दिवसीय हिरासत आज समाप्त हो रही थी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के काजीगुंड निवासी वानी को 17 नवंबर को एनआईए ने श्रीनगर में गिरफ्तार किया था। उस पर 10 नवंबर के धमाके से पहले ड्रोन को संशोधित करके आतंकवादी हमले करने और रॉकेट बनाने का प्रयास करने में तकनीकी सहायता प्रदान करने का आरोप है।

कश्मीर के विभिन्न इलाकों में छापेमारी

श्रीनगर। कश्मीर में प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के खिलाफ कार्रवाई के तहत पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि ये छापेमारी श्रीनगर, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बडगाम और कुपवाड़ा जिलों में की गई। आतंकी तंत्र और उसका समर्थन करने वालों को खत्म करने के प्रयासों के तहत जेईआई सदस्यों और उनके सहयोगियों से जुड़े परिसरों व अन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

प. बंगाल में अवैध सुनवाई के दौरान टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या

बंगाल। मालदा जिले में कंगारू कोर्ट (अवैध अदालत) में हिंसा हो जाने के बाद बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई और पांच अन्य घायल हो गए। कालियाचक थाना क्षेत्र के राजनगर में खेत में ट्रैक्टर चलाने को लेकर विवाद को सुलझाने के लिए हो रही कंगारू कोर्ट के दौरान यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इकरामुल शेख (45) के रूप में हुई है। इकरामुल और टीएमसी बूथ अध्यक्ष समसुल शेख के बीच कई दिनों से विवाद था तथा दोनों ने पहले पुलिस से संपर्क किया था, लेकिन उनके परिवारों का दावा है कि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई।

निर्णायक क्षण था ऑपरेशन सिंदूर की सफलता : मुर्मू

- चाणक्य डिफेंस डायलॉग के तीसरे संस्करण सत्र को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देश की आतंकवाद निरोधक और रोकथाम रणनीति के लिए निर्णायक क्षण थी। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया ने न सिर्फ भारत की सैन्य क्षमता पर, बल्कि शांति की तलाश में मजबूती से, लेकिन जिम्मेदारी से काम करने की उसकी नैतिक स्पष्टता पर भी ध्यान दिया।

यहां सेना की मेजबानी में आयोजित 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र में अपने भाषण में मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सभ्यतागत लोकाचारों से निर्देशित होकर हमने दिखाया है कि वैश्विक जिम्मेदारी के साथ रणनीतिक स्वायत्तता अस्तित्व में रह सकती है। मुर्मू ने कहा, 'हमारी कूटनीति, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे सशस्त्र बल मिलकर ऐसा भारत प्रस्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपनी सीमाओं और अपने नागरिकों की मजबूती और दृढ़संकल्प के साथ रक्षा करने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवर तरीके और देशभक्ति की मिसाल पेश की है। मुर्मू ने कहा, हर सुरक्षा चुनौती के दौरान, चाहे वह परंपरागत हो, उग्रवाद रोधी हो या मानवीयता से जुड़ी हो, हमारी सेनाओं ने उल्लेखनीय तरीके से अनुकूलनशीलता और संकल्प प्रदर्शित किया है। मंचासीन सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी इस मौके पर संबोधन दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया, जो मई में पहलगाम हमले के बाद भारत की अहम सैन्य कार्रवाई थी। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की हालिया सफलता हमारी आतंकवाद निरोधक और रोकथाम रणनीति में एक अहम मोड़ है।

नेपाल ने 100 रुपये के जारी नए नोट में भारतीय क्षेत्रों को अपना बताया

- भारत ने जताया विरोध, मानचित्र में विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख व लिंपियाधुरा क्षेत्र शामिल

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को 100 रुपये के नए नोट जारी किए, जिन पर देश का संशोधित मानचित्र छपा है, जिसमें विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्र भी शामिल हैं। भारत ने इस कदम को कृत्रिम विस्तार करार दिया है।

नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) के नए नोट पर पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। बैंक नोट पर जारी करने की तिथि 2081 बीएस अंकित है, जो गत वर्ष 2024 को दर्शाती है। तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, नेपाल ने मई 2020 में संसद के अनुमोदन के माध्यम से कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करते हुए मानचित्र को अद्यतन किया था। मानचित्र के अद्यतन संस्करण के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए, एनआरबी के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह मानचित्र पुराने 100 रुपये के बैंक नोट में पहले से ही मौजूद है और सरकार के निर्णय के अनुसार इसे संशोधित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 10 रुपये, 50 रुपये, 500 रुपये और 1,000 रुपये जैसे विभिन्न नोटों में से केवल 100 रुपये के बैंक नोट पर ही नेपाल का मानचित्र अंकित है।

भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। नेपाल पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1850 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा साझा करता है।

कमजोर प्रवासन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हुए हमले के बाद की टिप्पणी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बुधवार को व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हुआ 'जघन्य हमला' यह साबित करता है कि कमजोर प्रवासन नीतियां हमारे राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा हैं। ट्रंप ने कहा कि कोई भी देश अपनी अस्तित्व के लिए ऐसे खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकता। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में ट्रंप ने यह बात कही। ट्रंप की यह टिप्पणी इस बात को रेखांकित करती है कि वह देश की आव्रजन प्रणाली में बदलाव लाने और यहां पहले से मौजूद प्रवासियों की जांच-पड़ताल को और सख्त करने का इरादा रखते हैं। अमेरिका में पहले ही आक्रामक निर्वासन कार्रवाइयां

जारी हैं और गोलीबारी की घटना पर उनकी इस कड़ी प्रतिक्रिया से माना जा रहा है कि इस मुद्दे से उनका ध्यान नहीं हटेगा। ट्रंप और दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुसार गोलीबारी का संदिग्ध एक अफगान नागरिक माना जा रहा है। वह 2021 में 'ऑपरेशन अलाइज वेलकम' के तहत अमेरिका पहुंचा था। यह बाइडन प्रशासन का कार्यक्रम था जिसके तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद वहां से निकाले गए हजारों अफगान नागरिकों को यहां बसाया गया था। इस पहल के तहत करीब 76,000 लोग अमेरिका लाए गए।

कहा- हर उस व्यक्ति को हटाना चाहते हैं जो बाहरी

राष्ट्रपति ने कहा कि वह हर उस व्यक्ति को हटाना चाहते हैं 'जो यहां का नहीं है या जो हमारे देश के लिए लाभकारी नहीं है। ट्रंप ने कहा, अगर वे हमारे देश से प्यार नहीं कर सकते, तो हमें उनकी जरूरत नहीं है।

मियामी में 2026 के जी20 शिखर सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका को नहीं किया जाएगा आमंत्रित

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका कहीं भी सदस्यता के लिए योग्य नहीं है। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी सरकार अफ्रीकी लोगों और पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के वंशजों द्वारा झेले गए भयावह मानवाधिकार हनन को स्वीकार करने या उस पर ध्यान देने से इनकार करती है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने दुनिया को दिखा दिया है कि वे इस योग्य नहीं हैं कि उन्हें कहीं भी सदस्यता दी जाए और हम तुरंत प्रभाव से उन्हें दिए जाने वाले सभी भुगतान और रियायत बंद कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, दक्षिण अफ्रीका ने शिखर सम्मेलन के समाप्त होने पर जी-20 की अध्यक्षता हमारे अमेरिकी दूतावास के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि को सौंपने से इनकार कर दिया था। इसलिए मेरे निर्देश पर दक्षिण अफ्रीका को 2026 जी-20 के लिए निमंत्रण नहीं मिलेगा, जिसकी मेजबानी अगले साल फ्लोरिडा के बड़े शहर मियामी में की जाएगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में ट्रेन दुर्घटना में 11 की मौत, दो घायल

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पश्चिमी शहर कुनमिंग में बृहस्पतिवार तड़के रेल पटरी पर काम कर रहे कर्मचारी एक ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चीन रेलवे कुनमिंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड के अनुसार, यह दुर्घटना युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग के लुयांगझेन स्टेशन पर हुई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और रेलवे स्टेशन पर परिचालन बहाल हो गया है।

बारिश, भूस्खलन से श्रीलंका में 31 की मौत

कोलंबो। श्रीलंका में बीते 11 दिन में मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 31 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 4,000 लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि अकेले मध्य पर्वतीय जिलों में 18 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। डेली मिरर ऑनलाइन की खबर के अनुसार एक भयावह घटना में, कुंबुक्कना में बढ़ते जलस्तर के बीच एक यात्री बस फंस गई, जिसके बाद आपात दलों ने 23 यात्रियों को सफलतापूर्वक बचा लिया।

गिनी बिसाऊ को सैन्य शासक किया घोषित

बिसाऊ। गिनी-बिसाऊ के सैनिकों ने राष्ट्रपति चुनाव के बाद सत्ता पर अपने जबरन कब्जे को मजबूत करते हुए बृहस्पतिवार को देश के नए सैन्य शासक की घोषणा की। सेना के शीर्ष नेतृत्व ने जनरल होर्ता एनटा को सैन्य शासन का प्रमुख घोषित किया।

भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण व समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध

रक्षा मंत्री राजनाथ ने इंडोनेशिया के समकक्ष संग की बैठक, दोनों देशों ने रक्षा संबंधों पर सहमति जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में इंडोनेशिया के समकक्ष के साथ बैठक करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एजेंसी

भारत और इंडोनेशिया ने अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के अधिकार पर आधारित मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द प्रशांत के महत्व को दोहराते हुए इसके लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। दोनों देशों ने रक्षा संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी सहमति व्यक्त की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को यहां इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री सजाफरी सजामसोएद्दीन के साथ तीसरे भारत-इंडोनेशिया रक्षा मंत्री संवाद की सह-अध्यक्षता की। बैठक में दोनों देशों ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की पुष्टि की।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत में शांति और सुरक्षा पर रणनीतिक दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत और इंडोनेशिया ऐसे मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के पक्षधर हैं जो अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सम्मान पर आधारित हो। इंडोनेशिया ने 'हिन्द प्रशांत पर आसियान के दृष्टिकोण' और भारत के 'हिन्द प्रशांत महासागर पहल' के साझा सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए क्षेत्र में शांति और सहयोग को बढ़ावा देने में भारत को एक प्रमुख भागीदार बताया। दोनों पक्षों ने 'इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन' सहित बहुपक्षीय ढांचों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र जागरूकता, साइबर और संयुक्त संचालन तैयारी में व्यवहारिक सहयोग बढ़ाने का संकल्प जताया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की मजबूत नींव, रक्षा सहयोग समझौता और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति के प्रति वचनबद्धता को दोहराया। इंडोनेशिया ने रक्षा उद्योग सहयोग समिति बनाने के भारत के प्रस्ताव का स्वागत किया, जिसका उद्देश्य तकनीक हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, समन्वयन और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने सुपर गरुड़ शील्ड, गरुड़ शक्ति, समुद्र शक्ति, मिलन और एयर मैन्यूवर जैसे अभ्यासों की सराहना की।

दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

दोनों पक्षों ने अधिकारी आदान-प्रदान, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों और रक्षा शिक्षा संस्थानों के दौरे जारी रखने पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने हिंद महासागर में समन्वय सहित समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने फिलिस्तीन में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और मानवीय सहायता, संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण और बहुपक्षीय शांति प्रयासों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार किया। इंडोनेशिया ने संयुक्त राष्ट्र के कानूनों के तहत गाजा में शांति सैनिक भेजने की अपनी तत्परता व्यक्त की। भारत ने सेना की रिमाउंट वेटरनरी कोर द्वारा इंडोनेशिया को घोड़े और एक पारंपरिक बग्गी भी भेंट करने की घोषणा की। दोनों मंत्रियों ने कहा कि उनके बीच उच्च स्तरीय संवाद से हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान मिलेगा।

भ्रष्टाचार के 3 मामलों में हसीना को 21 साल सजा

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश की एक अदालत ने भूमि आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े मामले में सुनाई सजा
- हसीना के बेटे जॉय और बेटी साइमा को भी पांच-पांच साल कैद की सजा

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक सरकारी आवास परियोजना के लिए भूमि आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के तीन मामलों में गुरुवार को 21 साल की जेल की सजा सुनाई। ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-5 के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने हसीना (78) को पूर्वांचल स्थित राजुक न्यू टाउन परियोजना में भ्रष्टाचार के तीन मामलों में सात-सात साल की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने कहा कि हसीना को ये सजाएं एक के बाद एक काटनी होंगी और कुल सजा 21 साल की होगी। न्यायाधीश ने हसीना पर प्रत्येक मामले में एक लाख टका का जुर्माना भी लगाया और राशि जमा न करने पर 18 महीने अतिरिक्त जेल में रहने की सजा सुनाई। न्यायाधीश मामून ने हसीना के बेटे साजिब वाजेद जॉय और बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी राजधानी के पास स्थित आवासीय परियोजना में उनके खिलाफ दर्ज मामलों में पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई। जॉय और पुतुल पर एक-एक लाख टका का जुर्माना लगाया गया और इसका भुगतान न करने पर एक महीने अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई गई। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा, भूखंड शेख हसीना को बिना किसी आवेदन के और गैरकानूनी तरीके से आवंटित किया गया था। दस दिन पहले एक विशेष न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर हसीना सरकार की क्रूर कार्रवाई को लेकर 'मानवता के विरुद्ध अपराध' के लिए पूर्व प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। हसीना ने आरोपों को पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया था। हसीना पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों के चलते अपनी पार्टी की सरकार गिरने के बाद अगस्त में भारत चली गई थीं।

वहीं, भारत ने कहा था कि वह हसीना के प्रत्यर्पण के अंतरिम सरकार के अनुरोध पर गौर कर रहा है। वह बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

19 अन्य को भी सुनाई सजा

हसीना परिवार के अलावा, पूर्व आवास राज्य मंत्री शरीफ अहमद तथा आवास मंत्रालय और राजधानी उन्नयन कर्तीपक्का के अधिकारियों सहित कुल 20 अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा चलाया गया। इनमें से एक को छोड़कर सभी को विभिन्न अवधि के कारावास की सजा सुनाई गई। इस मामले में मंत्रालय के एक कनिष्ठ अधिकारी को बरी किया गया। केवल एक आरोपी ने अदालत में व्यक्तिगत रूप से मुकदमे का सामना किया और उसे तीन वर्ष की सजा सुनाई गई।

हांगकांग: इमारत में आग से मरने वालों की संख्या 65 हुई

हांगकांग, एजेंसी

- 279 अब भी लापता, शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक

हांगकांग के एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 65 हो गई है। दमकलकर्मी दूसरे दिन भी बहुमंजिला आवासीय परिसर लगी आग को बुझाने में जुटे रहे। इस अग्निकांड को शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयानक आग की घटनाओं में से एक बताया जा रहा है।

ताई पो जिले में हांगकांग की सीमा से सटे उत्तरी उपनगर में स्थित वांग फुक कोर्ट परिसर के कुछ फ्लैट से गुरुवार शाम तक घना धुआं उठता देखा गया। इमारतों के अंदर आग की लपटें भी दिखाई दे रही थीं। इस परिसर में कई बहुमंजिला इमारतें हैं जहां हजारों लोग रहते हैं। हांगकांग के नेता जॉन ली ने बताया कि गुरुवार सुबह तक 279 लोगों के लापता होने की सूचना थी। कुछ इमारतों में बचाव कार्य जारी है, लेकिन संवाददाता सम्मेलन में अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने लोग अभी भी लापता हैं या कितने अंदर फंसे हुए हैं। दमकलकर्मी बुधवार दोपहर से ही आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। आग सबसे पहले बांस की मचान और निर्माण जालियों में लगी जिसके बाद परिसर की आठ में से सात इमारतों में तेजी से फैल गई। चार इमारतों में आग लगभग बुझाई जा चुकी है।

शंघाई में भारतीय राजदूत ने चीनी प्रोफेसर के साथ की बैठक

बीजिंग। शंघाई में भारतीय राजदूत प्रतीक माथुर ने संस्कृत, पाली और भारतीय संस्कृति में विशेषज्ञता रखने वाले चीनी शिक्षाविदों से मुलाकात की तथा सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। वाणिज्य दूतावास ने बताया कि माथुर ने बीजिंग फॉरेन स्टडीज विवि में संस्कृत और पाली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. झोउ लीकुन तथा नरसिंह वर्कशॉप के संस्थापक ली हांसी के साथ बैठक की। बैठक में संस्कृत अध्ययन, बौद्ध साहित्य और नवीन सांस्कृतिक परियोजनाओं को बढ़ावा देने में सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई। डॉ. झोउ ने भारतीय खगोल विज्ञान, कैलेंडर और साहित्य पर अपने शोध से प्राप्त अंतर्दृष्टि साझा की।

रूस से भ्रामक झंडों वाले 30 जहाजों के जरिये भारत को 2.1 अरब यूरो का तेल हुआ निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी

- यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयरने दी जानकारी

भारत ने वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में रूस से 54 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया, जिसका मूल्य 2.1 अरब यूरो रहा। यह तेल पहचान छुपाने के मकसद से भ्रामक झंडों के तहत संचालित 30 जहाजों के जरिये भेजा गया था। यूरोपीय शोध संस्थान 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) ने बृहस्पतिवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

भ्रामक झंडे का मतलब है कि जहाज अपने असली देश का झंडा न लगाकर किसी दूसरे देश का झंडा लगाकर चलता है, ताकि उसकी पहचान एवं स्वामित्व का पता न चल सके। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस का लगातार बढ़ता हुआ 'छद्म जहाजी बेड़ा' अब उसके तेल निर्यात का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। हेलसिंकी स्थित सीआरईए ने कहा कि जनवरी-सितंबर, 2025 के दौरान 113 रूसी जहाजों ने इन गलत झंडों का इस्तेमाल किया।

सितंबर में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत हुए संचालित

सितंबर 2025 के अंत में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत संचालित हो रहे थे। यह संख्या दिसंबर 2024 के मुकाबले छह गुना है। सीआरईए ने कच्चा तेल लेकर भारत आने वाले जहाजों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इनमें से 30 जहाज भारत तेल लेकर आए। भारत को 2.1 अरब यूरो मूल्य का तेल भेजा गया, जो इस श्रेणी में सबसे बड़ा आयात है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर लगे प्रतिबंधों और यूरोपीय मांग कम होने से भारतीय कंपनियों को तेल काफी रियायती दरों पर मिलने लगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 29 नवंबर 00.15 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

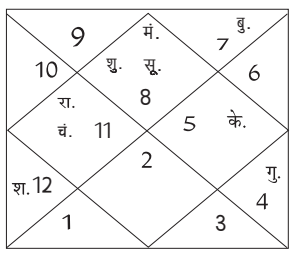

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 29 नवंबर 02.49 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष - आज धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आप महत्वपूर्ण मीटिंग में सम्मिलित हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे।

वृष - आज कारोबार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ मिलेगा। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। युवा जातक अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

मिथुन - आज बड़े बुजुर्ग लोगों की सलाह आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगी। नई उपलब्धियां मिलने से आप उत्साहित रहेंगे। जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम मिलेंगे। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।

कर्क - आज आपके काम समय पर पूरे न होने से नुकसान होगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिलने में परेशानी होगी। नया कार्य आरंभ करने में जल्दबाजी न करें। मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न होंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाही कर सकते हैं।

सिंह - आज विदेश में रहने वाले लोगों को अच्छी जॉब मिल सकती है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलने की संभावना है। दांपत्य संबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। रिश्तेदारों के माध्यम से आपको धन लाभ हो सकता है।

कन्या - आज काम की अधिकता के बावजूद आप परिवार को समय देंगे। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। घर की मरम्मत की योजना बना सकते हैं। आपकी प्रतिभा की कार्यक्षेत्र में प्रशंसा होगी।

तुला - आज पैतृक धन-संपदा में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में आपका विश्वास बढ़ेगा। कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। संतान की उन्नति से आपका मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक - आज अपना व्यवहार किसी के प्रति खराब न करें। अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास रखें। माता की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए। छात्र पढ़ाई को लेकर थोड़ी लापरवाही कर सकते हैं।

धनु - आज जॉब कर रहे लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। आपकी कोई महत्वाकांक्षा पूर्ण हो सकती है। आप काफी मेहनत करेंगे। धार्मिक विषयों पर आप विशेष रुचि लेंगे। आप अपने काम को लेकर समर्पित रहेंगे। ऑनलाइन शॉपिंग में धन खर्च कर सकते हैं।

मकर - आज खर्चीली वृत्ति के कारण आपकी बचत पर बुरा असर पड़ेगा। मित्रों के साथ छोटी सी बात पर झगड़ा हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ पर्यटन की योजना बनाएंगे। रिश्तेदारों के ऊपर आपको धन खर्च करना पड़ सकता है।

कुंभ - आज नौकरीपेशा लोगों को यात्रा करनी पड़ेगी। मनोरंजन में आप काफी समय बिताएंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद कम होंगे। रुकी हुई धनराशि आपको वापस मिल सकती है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीन - आज बेरोजगारों के ऊपर परिवार का दबाव बढ़ेगा। अति-आत्मविश्वास के कारण आप परिस्थितियों का आकलन करने में चूक कर सकते हैं। सरकारी जॉब करने वाले लोगों को परेशानी होगी। सहकर्मी आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे।

सुडोकू -174

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2					
							5	
3								
		7		3				
				1				
					5			
								4
	2				8			

सुडोकू - 173 का हल

1	2	3	9	8	7	6	4	5
8	6	7	4	5	1	3	2	9
5	9	4	6	3	2	1	7	8
2	3	5	8	1	4	7	9	6
9	8	6	3	7	5	2	1	4
4	7	1	2	9	6	5	8	3
7	1	8	5	6	9	4	3	2
6	4	9	1	2	3	8	5	7
3	5	2	7	4	8	9	6	1

मुख्य कोच केवल टीम को तैयार कर सकता है । कोच टीम को तैयार कर सकता है और वह अपने अनुभव से खिलाड़ियों को बता सकता है । लेकिन मैदान में जाकर प्रदर्शन करना खिलाड़ियों का ही काम है ।
– सुनील गावस्कर

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार ,28 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में भारतीय महिला बधिर क्रिकेट टीम की सदस्यों को मिठाई खिलाई, जिन्होंने हाल ही में पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। एजेंसी

गौतम गंभीर के बचाव में उतरे अश्विन

नई दिल्ली : पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-2 से मिली हार के बाद आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि ऐसे समय में उन्हें बर्खास्त करने की मांग करना सही नहीं है, जब खिलाड़ियों ने पर्याप्त जिम्मेदारी नहीं उठाई है। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में रिकॉर्ड 408 रन से हार का सामना करना पड़ा। गंभीर की आलोचना टीम में अधिक से अधिक ऑलराउंडर को शामिल करने को लेकर हो रही है जिससे टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है।

भव्या ने तैराकी में जीता सातवां स्वर्ण पदक

जयपुर : जैन यूनिवर्सिटी की भव्या सचदेवा ने बृहस्पतिवार को यहां खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) में व्यक्तिगत तैराकी स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के बाद महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर मेडले रिले में एक और सोने का तमगा जीता जिससे उनके कुल पदकों की संख्या सात हो गई। भव्या ने पहले दो दिनों में एक व्यक्तिगत व एक रिले स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने सवाई मानसिंह स्टेडियम में महिलाओं के 800 मी फ्रीस्टाइल वर्ग में 9 :37 .41 सेकेंड के समय से स्वर्ण जीतने की शुरुआत की।

घरेलू स्तर के सीनियर खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में मिल सकती है जगह

दक्षिण अफ्रीका से दोनों मैचों में करारी हार के बाद चल रहा मंथन, तीसरे क्रम की बल्लेबाजी पर सबसे ज्यादा चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले गुरुवार को भारतीय टीम रांची पहुंच गई। यहां के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर बस में सवार रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव। एजेंसी

पीटीआई ने इसके बारे में जानकारी रखने वाले एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे। लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की ज़रूरत है। रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है। जहां तक नंबर तीन का सवाल है तो रुतुराज गायकवाड इस स्थान के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने अभी तक 43 प्रथम श्रेणी मैच में 45 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। वह इस सत्र में पहले ही दो शतक और रणजी ट्रॉफी में 90 से अधिक की औसत से रन बना चुके हैं। वह तीसरे स्थान के लिए सही मानसिकता वाले खिलाड़ी नजर आते हैं। दूसरा नाम रजत पाटीदार का है, जिनका टेस्ट मैचों में पहला प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका औसत भी 45 से अधिक है और वह भारतीय मध्य क्रम को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। एक और खिलाड़ी रिंकू सिंह है जिन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगभग 60 की औसत से रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद भारतीय टेस्ट टीम में काफी बदलाव की संभावना है और यह देखना दिलचस्प होगा की टीम प्रबंधन किन खिलाड़ियों पर अपना भरोसा जताता है।

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय सीरीज़ से पहले मैच के लिए अभ्यास करते विराट कोहली। एजेंसी

पंत ने दक्षिण अफ्रीका से हार के लिए माफी मांगी

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के लिए माफी मांगी और वादा किया कि टीम मजबूत वापसी के लिए फिर से संगठित होगी, अपना ध्यान केंद्रित करेगी और खुद को फिर से व्यवस्थित करेगी। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के साथ समाप्त हुई सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पंत ने भारतीय टीम की अगुवाई की क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे। भारत यह मैच रिकॉर्ड 408 रन से हार गया था जिससे उसकी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावना को भी करारा झटका लगा है। पंत को इस सीरीज के दौरान शॉट चयन में लापरवाही बरतने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। पंत ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले दो सप्ताह में हमने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली। एक टीम और व्यक्तिगत खिलाड़ी के रूप में हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा माफी चाहता हूं कि हम इस बार उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन खेल आपको एक टीम और खिलाड़ी के तौर पर सीख देता है, परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाना और आगे बढ़ना सिखाता है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है। हम एक टीम और एक खिलाड़ी के रूप में मजबूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और फिर से तैयार होंगे।

श्रीकांत और उन्नति अंतिम आठ में

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने किया बड़ा उलटफेर
- प्रियांशु ने भी क्वार्टर फाइनल में स्थान किया पक्का

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व चैंपियन के. श्रीकांत, प्रियांशु राजावत और शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा जहां क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए वहीं तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने बड़ा उलटफेर कर दिया। तन्वी ने जापान की नोजोमी ओकुहारा और मनराज ने हमवतन एचएस प्रणय पराजित कर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पांचवीं वरीयता प्राप्त के. श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हमवतन सनीथ दयानंद को एकतरफा मुकाबले में 21-6, 21-16 से हराया। 2016 के चैंपियन श्रीकांत ने नेट पर बेहतरीन नियंत्रण और आक्रामक खेल दिखाया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला प्रियांशु राजावत से होगा। प्रियांशु ने कड़े संघर्ष में बीएम राहुल भारद्वाज को 21-16, 10-21, 21-12 से मात दी। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर उभरते भारतीय खिलाड़ी मनराज सिंह ने किया। युगांडा इंटरनेशनल चैलेंज के विजेता मनराज ने तीसरी वरीयता प्राप्त 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय को 21-15, 21-18 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

इसी तरह भारतीय युवा स्टार तन्वी शर्मा ने रोमांचक मुकाबले में 2023 की चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त जापान की नोजोमी ओकुहारा को 13-21, 21-16, 21-19 से शिकस्त दी। जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2025 और यूएस ओपन की उपविजेता तन्वी ने आक्रामक सर्विस और सटीक शॉट्स से ओकुहारा को लगातार दबाव में रखा। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने भारत की तस्नीम मीर को आसानी से 21-15, 21-10 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की।

उन्नति हुड्डा। अमृत विचार

किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स में सनीथ दयानंद से मुकाबला करते हुए। अमृत विचार

महिला युगल में जॉली-गायत्री की शानदार जीत

पिछली विजेता और शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पी. ने हमवतन जेनिथ अबेगिल व लिखिता श्रीवास्तव को 21-17, 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। तर प्रदेश की श्रुति मिश्रा और उनकी साथी प्रिया कोंज़ेंगबम ने चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येल्हेनिया कांतमिर को कड़े मुकाबले में 21-17, 24-22 से हराकर बड़ी जीत हासिल की।

मिश्रित युगल में भी हुआ उलटफेर

पुरुष एकल में हांगकांग के जेसन गुनावान ने चौथी वरीय भारतीय खिलाड़ी किरन जार्ज को 21-19, 21-16 से हराया। मिश्रित युगल में भारतीय जोड़ी हरिहरन अम्साकरुनन-त्रिशा जॉली और नितिन एचवी-श्रीनिधि नारायणन, और महिला एकल में इशारानी बरुआ ने भी उलटफेर कर जीत दर्ज की।

दीप्ति शर्मा तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटीं

डब्ल्यूपीएल नीलामी

- मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी बनीं दीप्ति
- चरणी, एमेलिया केर और लैनिंग को भी अच्छे दाम मिले

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्टार हरफनमौला दीप्ति शर्मा बृहस्पतिवार को 2026 महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में सबसे महंगी खिलाड़ी बनीं, जबकि वनडे विश्व कप स्टार श्री चरणी और लौरा वोल्वार्ट को भी अच्छे दाम मिले।

यूपी वारियर्स ने 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल करके तीन करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा। अब वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में स्मृति मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी हैं। मंधाना को उनसे 20 लाख रुपये अधिक मिले थे। यूपी वारियर्स के क्रिकेट संचालन निदेशक क्षेमल वैंगनकर ने कहा हमें इसी के आसपास बोली लगने की उम्मीद थी। इसमे कोई शक नहीं था कि हम दीप्ति को वापिस चाहते थे। मुंबई इंडियंस ने पिछले साल संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की हरफनमौला एमेलिया केर को तीन करोड़ रूपये में खरीदा। केर 2023 और 2025 में खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थी।

यूपी वारियर्स ने अनुभवी हरफनमौला शिखा पांडे को दो करोड़ 40 लाख रुपये में खरीदा जिन्होंने आखिरी बार भारत के लिये 2023 में खेला था। विश्व कप में भारत की खिताबी जीत की सूत्रधारों में रही लेग स्पिनर श्री चरणी को दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रूपये के उनके बेसप्राइज से कई गुना अधिक एक करोड़ 30 लाख रुपये में खरीदा। विश्व कप उपविजेता दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ट को दिल्ली कैपिटल्स ने एक करोड़ 10 लाख रूपये में खरीदा। दिल्ली ने वेस्टइंडीज की बल्लेबाज चिनेले हेनरी को एक करोड़ 30 लाख रुपये में और भारतीय हरफनमौला स्नेह राणा को 50 लाख रुपये में खरीदा। ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग को यूपी वारियर्स ने एक करोड़ 90 लाख रुपये में खरीदा जबकि गुजरात टाइटंस ने न्यूजीलैंड की सोफी डेवाइन को गुजरात टाइटंस ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। वारियर्स के पास नीलामी के लिए 14 करोड़ 50 लाख रुपये का पर्स था।

एमबाप्पे के चार गोलों से रियल मैड्रिड जीता

चैंपियंस लीग

पेरिस, एजेंसी

काइलियन एमबाप्पे ने अपने जादुई खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में दूसरी सबसे तेज हैट्रिक सहित चार गोल दागकर अपनी टीम रियाल मैड्रिड को जीत दिलाई। जबकि पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) और आर्सेनल भी जीत हासिल करने में सफल रहे।

एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड की ओलंपियाकोस पर 4-3 की जीत में 22वें और 29वें मिनट के बीच तीन गोल किए। उन्होंने 60वें मिनट में अपना चौथा गोल किया। एमबाप्पे ने छह मिनट 42 सेकंड के अंतराल में तीन गोल किए लेकिन वह मामूली अंतर से चैंपियंस लीग की सबसे तेज हैट्रिक बनाने से चूक गए। रिकॉर्ड लिवरपूल के मोहम्मद सलाह के नाम है जिन्होंने अक्टूबर 2022 में रेंजर्स के खिलाफ छह मिनट 12 सेकंड में तीन गोल किए थे। एमबाप्पे की मौजूदा सत्र में चैंपियंस लीग में यह दूसरी हैट्रिक है।

वह वर्तमान सत्र में इस प्रतियोगिता में नौ गोल कर चुके हैं जो सर्वाधिक हैं। आर्सेनल ने बायर्न म्यूनिख को 3-1 से हराकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन ने विटिना की हैट्रिक की मदद से टॉटेनहैम को 5-3 से हराया लेकिन लिवरपूल को एनफील्ड में पीएसवी आइंडहोवन के हाथों 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। इंटर मिलान को भी एटलेटिको मैड्रिड के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद केवल आर्सेनल ऐसी टीम रह गई है जिसने चैंपियंस लीग में अभी तक अपने सभी पांच मैच जीते हैं।

डब्ल्यूबीबीएल के बचे सत्र में नहीं खेलेंगी जेमिमा

ब्रिसबेन। भारत की महिला विश्व कप विजेता स्टार जेमिमा रोड्रिग्स ने अपनी साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया में चल रही डब्ल्यूबीबीएल (महिला बिग बैश लीग) के बचे हुए सत्र में नहीं खेलने का फैसला किया है। मंधाना की शादी टल गई है।

जेमिमा कुछ दिन पहले मंधाना की शादी में शामिल होने के लिए भारत लौटी थीं। उन्हें शादी में शामिल होने के बाद ब्रिसबेन हीट के साथ अपना सत्र पूरा करने के लिए वापस जाना था। लेकिन शादी से ठीक पहले मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई जिसके कारण शादी को टालना पड़ा। इसके बाद जेमिमा ने उनके साथ रुकने का फैसला किया। ब्रिसबेन हीट ने एक बयान में कहा ब्रिसबेन हीट ने जेमिमा रोड्रिग्स के डब्ल्यूबीबीएल के बचे हुए सत्र से रिलीज करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

जूनियर हॉकी विश्व कप | दो बार की चैंपियन भारतीय टीम पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ आज बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी

नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब जीतने उतरेगा भारत

चेन्नई, एजेंसी

टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम मेजबान भारत शुक्रवार को यहां पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब हासिल करने के अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगा। दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है।

भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसकी जगह पर ओमान को शामिल किया गया था।

भारत ने 2001 में होबार्ट में और 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। 46 साल पहले 1979 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में जर्मनी सबसे सफल टीम है, जिसने सात खिताब जीते हैं। भारत के अलावा अर्जेंटीना ने भी दो बार 2005 और 2021 में जूनियर विश्व कप जीता था। पाकिस्तान ने 1979 में वर्सेल्स (फ्रांस) में खेला गया पहला विश्व कप अपने नाम किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 1997 में मिल्टन कीन्स में भारत को हराकर यह खिताब जीता था। भारत 2023 में कुआलालंपुर में खेले गए पिछले जूनियर विश्व कप में चौथे स्थान पर रहा था। वह कांस्य पदक के मैच में स्पेन से 1-3 से हार गया था। जर्मनी तब चैंपियन बना था।

इस बार विश्व कप चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा जिसमें रिकॉर्ड 24 टीम खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को छह ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार टीमों को रखा गया है जो राउंड रोबिन आधार पर एक दूसरे का सामना करेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम तथा दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारत खिताब का प्रबल दावेदार है। जर्मनी अंडर-21 वर्ग में दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। श्रीजेश टीम की इस कमजोरी से वाकिफ हैं और उन्होंने इसके लिए उचित कदम भी उठाए हैं। श्रीजेश ने मलेशिया से लौटने पर कहा था मलेशिया में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना चिंता का विषय था, लेकिन हमने इस समस्या का समाधान कर लिया है। हमने पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस, दोनों पर विशेष ध्यान दिया है। हमारे पास अच्छे ड्रैग-फ्लिकर हैं, जो दिन में 200-300 बार फ़्लिक करते हैं। उन्होंने टूर्नामेंट से अनुभव हासिल किया है और अब बेहतर तरीके से तैयार हैं।

हमें अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा : श्रीजेश

चेन्नई : भारत के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने एफआईएच जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप से पहले अपनी टीम की कमियों को स्वीकार किया, लेकिन कहा कि नौ साल बाद अपनी धरती पर खिताब जीतने के लिये टीम को अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। अर्जेंटीना के साथ टूर्नामेंट की दूसरी सबसे कामयाब टीम भारत ने होबर्ट में 2001 के बाद लखनऊ में 2016 में खिताब जीता था। भारत को पूल बी के पहले मैच में शुक्रवार को चिली से खेलना है। अंडर 21 वर्ग में भारत दूसरी रैंकिंग वाली टीम है जबकि सात बार की और पिछली चैम्पियन जर्मनी शीर्ष पर है। चिली विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर है। उन्होंने कहा रैंकिंग से कुछ पता नहीं चलता और मैच के दिन प्रदर्शन ही मायने रखता है।

भारत के कप्तान रोहित और मुख्य कोच पीआर श्रीजेश। एजेंसी